निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

धनबाद रेल मंडल संसदीय समिति की बैठक में मौजूद सांसदगण

• बोकारो, गुरुवार 9 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 53 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

हिमांशु सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपित का सरेंडर

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। दो लाख रुपए के इनामी फरार आरोपी विश्वनाथ मंडल उर्फ बोडरा ने बुधवार को सिविल कोर्ट स्थित सीजीएम न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। वह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। विश्वनाथ मंडल उर्फ बोडरा डीडी बार के बाहर हुई हिमांशु सिंह की हत्या का मुख्य आरोपी है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

रांची-टाटा हाइवे पर महिलाओं से गुंडागर्दी

रांची(नबिटा ब्यूरो)। शहर के दशम फॉल इलाके में मंगलवार दोपहर रांची-टाटा हाइवे पर महिलाओं के साथ गुंडागर्दी की घटना सामने आई है। जमशेदपुर से हजारीबाग जा रही तीन महिलाओं की कार का स्कॉर्पियो सवार दो युवकों ने पहले पीछा किया और फिर रास्ता रोककर कार में तोड़-फोड़ की। इस घटनाक्रम का पूरा वीडियो अब सामने आया है। वीडियो में आरोपी धमकाते, कार का गेट खोलते और पत्थर फेंकते नजर आ रहे हैं। महिलाओं के शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटने लगे तब जाकर आरोपी मौके से फरार हुए।

फ्रिज छूते ही युवक को लगा करंट

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। बिरनी प्रखंड अंतर्गत बलिया पंचायत के नगड़ी गांव में करंट लगने से 25 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान हकीम मियां के पुत्र सद्दीक अंसारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सद्दीक अपने घर में रखे फ्रिज के संपर्क में आने के दौरान अचानक करंट की चपेट में आ गया।

नई दिल्ली में आयोजित स्टेक होल्डर्स कंसल्टेशन कार्यक्रम में शामिल हुए झारखंड के मुख्यमंत्री

झारखंड के बिना देश का औद्योगिक विकास अधूरा : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय स्टेक होल्डर्स कंसल्टेशन कार्यक्रम में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने राज्य के विकास को लेकर अपना विजन सबके सामने रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अब सिर्फ खनन आधारित राज्य के रूप में नहीं जाना जाएगा बल्कि यह तकनीक, बौद्धिक क्षमता और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड को अब संसाधनों से ज्यादा शोध और अनुसंधान पर ध्यान देना होगा। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में एक खास बात कही कि झारखंड की पहचान खदानों से नहीं बल्कि यहां के लोगों की सोच और काबिलियत से बननी चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से पहली बार झारखंड को वर्ल्ड इकोनॉमी फोरम जैसे बड़े

वैश्विक मंच पर मौका मिला है और आने वाले समय में भी राज्य वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराता रहेगा। सीएम ने यूरेनियम और अभ्रक जैसे संवेदनशील खनिजों का जिक्र करते हुए कहा कि झारखंड के पास इतना यूरेनियम भंडार है कि देश को अगले सौ सालों तक कहीं और देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इन क्षेत्रों में अभी तक जरूरत के मुताबिक आधुनिक तकनीक नहीं पहुंच पाई है, जिस पर अब सरकार काम कर रही है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि झारखंड सिर्फ निवेश या समझौतों में दिलचस्पी नहीं रखता बल्कि लंबे समय तक साथ चलने वाली साझेदारी चाहता है। साथ ही उन्होंने साफ किया कि राज्य किसी और की नकल करने के बजाय अपने स्थानीय संसाधनों और परिस्थितियों के अनुसार आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि झारखंड के 14 जिलों में पहले से बड़े पैमाने पर खनन होता आया है लेकिन अब जल, जंगल और जमीन को बचाते हुए वैज्ञानिक तरीके से काम करने का समय आ गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि झारखंड के बिना देश का औद्योगिक विकास अधूरा है, इसलिए राज्य इस दिशा में अहम भूमिका निभाता रहेगा।

जनजातीय विद्यार्थियों को मिले स्कॉलरशिप का फायदा : आशा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सदस्य आशा लकड़ा ने बुधवार को रांची विश्वविद्यालय और डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान, उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों के अधिकारियों के साथ अलग-अलग समीक्षा बैठक की और आदिवासी शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्रों से जुड़े मामलों का विश्लेषण किया। बैठक में भर्ती, प्रोन्नति, शोध, छात्रवृत्ति, क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई और विश्वविद्यालयों में जनजातीय विद्यार्थियों की समस्याओं सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। जांच के बाद, आयोग ने दोनों विश्वविद्यालयों को सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। रांची विश्वविद्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान आशा लकड़ा ने कहा कि जनजातीय समुदाय से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामले वर्षों से लंबित हैं, जिनका शीघ्र समाधान होना चाहिए। उन्होंने बताया कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभागों के लिए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा परीक्षा आयोजित की गई थी, लेकिन अब तक उसका परिणाम घोषित नहीं किया गया। इसके कारण विभागों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रभावित हो रही है और शैक्षणिक गतिविधियों पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के कई विद्यार्थी जूनियर रिसर्च फ़ेलोशिप (जेआरएफ) उत्तीर्ण करने के बावजूद पीएचडी के लिए गाइड नहीं मिलने के कारण शोध कार्य शुरू नहीं कर पा रहे हैं। इससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। आयोग ने इस समस्या के समाधान के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से आवश्यक पहल करने को कहा। आशा लकड़ा ने विश्वविद्यालयों में लागू क्लस्टर सिस्टम पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसका प्रभाव जनजातीय विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस विषय पर जनजातीय विभाग, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ अलग से बैठक आयोजित कर व्यावहारिक समाधान निकाला जा, ताकि किसी भी छात्र की पढ़ाई बाधित न हो।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से दो युवकों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। छोटा गमारियाह के पास तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार दोनों युवक बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए डंपर ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि 22 वर्षीय मोहम्मद निशार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल 18 वर्षीय मोहम्मद रेहान को तत्काल जमशेदपुर स्थित टाटा मेन हॉस्पिटल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने कुछ समय के लिए सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम समाप्त कराया जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने डंपर और क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

रतन लकड़ा मौत मामले में बैंककर्मी दोषी

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बड़गड़ में वृद्ध रतन लकड़ा की मौत मामले में बैंक कर्मियों को जिला प्रशासन ने दोषी माना है। प्रशासन ने माना है कि बैंक कर्मियों की लापरवाही के कारण वृद्ध की मौत हुई है। जिला प्रशासन की ओर से रिजनल मैनेजर को बैंक कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेज दी गई है। उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल बड़गड़ प्रखंड के महुआटीकर गांव के 75 वर्षीय वृद्ध पेंशनधारी रतन लकड़ा अपने इलाज के लिए पैसे निकालने के लिए बैंक गए थे। उनके खाते में पैसे थे। लेकिन फिर भी उन्हें बैंक कर्मियों ने बार-बार दौड़ाया। पैसे ना निकल पाने की वजह से उनका इलाज नहीं हो सका और उनकी मौत हो गई।

महिला की सिर कूचकर हत्या

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के जेटके टोला गांव में एक महिला की सिर कूच कर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलते ही अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों सहित आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जेटके टोला गांव में मंगलवार देर रात्रि को मरांगमई हांसदा (30 वर्ष) अपने घर में सोयी थी। घर के बाकी सदस्य अपने रिश्तेदार के यहां गए थे। इस दौरान अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर मरांगमई की हत्या कर दी। बुधवार की सुबह काफी देर तक जब मरांगमई अपने कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों को संदेह हुआ। परिजन जब उसके कमरे में पहुंचे तो खाट पर मरांगमई पड़ी थी और उसके सिर में जख्म देखा गया। परिजनों के शोर मचाने के बाद आस-पड़ोस के लोग भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने फौरन मामले की जानकारी अमड़ापाड़ा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजन सहित आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की और मृतका के परिजनों का बयान दर्ज किया।

अनैतिक काम में संलिप्त चार लोग गिरफ्तार

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के धनवार स्थित एक होटल में अनैतिक काम किया जा रहा था। इसके लिए होटल मालिक द्वारा युवक-युवती को कमरा दिया जाता था। होटल में देह व्यपार की सूचना पर गिरिडीह पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने कार्रवाई की है। धनवार नगर थाना अंतर्गत बड़ा चौक स्थित होटल डिस्कवरी में छापा मारा है। देह व्यपार की सूचना पर की गई इस छापेमारी में होटल के एक कमरे से दो महिला और दो पुरुष को आपत्तिजनक स्थिति में हिरासत में लिया गया है। वहीं होटल के मैनेजर प्रदीप साहू को भी पूछताछ के लिए धनवार थाना लाया गया। कार्रवाई के दौरान होटल संचालक मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। बताया जाता है कि गिरिडीह एसपी डॉ बिमल कुमार को यह सूचना मिल रही थी कि धनवार के डिस्कवरी होटल में अनैतिक काम किया जाता है।

उपायुक्त ने की ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं जिला परिषद की योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं जिला परिषद अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने मनरेगा के तहत मानव दिवस सृजन, पूर्ण एवं लंबित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी प्रखंडों में लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने तथा योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही विशेष शिविर आयोजित कर शत-प्रतिशत ई-केवाईसी (ी-ङउ) कार्य पूर्ण करने, एरिया ऑफिसर मॉनिटरिंग ऐप पर नियमित रिपोर्टिंग करने एवं सामग्री मद के भुगतान को नियमित रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री

आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिन लाभुकों को किस्त की राशि उपलब्ध करा दी गई है, उनके निमार्णाधीन एवं लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पंचायत स्तर पर पंचायत सचिव एवं संबंधित कर्मियों के साथ नियमित समीक्षा बैठक आयोजित कर प्रगति की निगरानी करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अबुआ आवास योजना एवं अंबेडकर आवास योजना के लंबित आवासों को भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। पंचायती राज विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने टाइड एवं अनटाइड फंड के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं को समय पर पूर्ण करने, पंचायत भवनों में संचालित ज्ञान केंद्रों का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ज्ञान केंद्रों को मॉडल ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित करने, बच्चों के लिए बैठकर अध्ययन की समुचित व्यवस्था, पर्याप्त पुस्तकें एवं अध्ययन के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में जल छाजन अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सोलर लिफ्ट इरिगेशन, प्लांटेशन, अमृत सरोवर सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही मनरेगा एवं अन्य योजनाओं के माध्यम से अड़की प्रखंड के बिरबांकी क्षेत्र समेत अन्य पेयजल समस्या वाले क्षेत्रों में कूप निर्माण, सोलर लिफ्ट इरिगेशन सुविधा सहित पेयजल संबंधी योजनाओं के लिए सर्वे कर उपयुक्त स्थलों का चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिससे स्थानीय लोगों के लिए पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। जिला परिषद अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने पथ निर्माण, किचन शेड, बीपीएचयू, इंडोर स्टेडियम, मुक्तिधाम शेड निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्मित मनोरंजन पार्कों के बेहतर संचालन एवं रख-रखाव को लेकर भी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री प्रमोद राम सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

वीबी- ग्राम-जी सहित ग्रामीण विकास योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में वीबी - ग्राम-जी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण) सहित विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रखंडवार समीक्षा की। उन्होंने सभी

अधिकारियों को आगामी एक माह के भीतर योजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित करने तथा लक्ष्य आधारित कार्य करने के निर्देश दिए बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, अपर समाहर्ता वैभव कुमार सिंह, आईएएस प्रशिक्षु, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी, जिला समन्वयक, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, रोजगार सेवक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने जॉब कार्ड सत्यापन एवं अद्यतन, लंबित ई-केवाईसी, परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग और एमआईएस एंट्री में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन मिशन के तहत स्वीकृत योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन एवं उपलब्ध राशि का पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा बैठक में आवास प्लस-2024, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2024-25 एवं 2025-26 तथा अबुआ आवास योजना 2023-24 की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आवास निर्माण, लाभुकों को समय पर भुगतान और सभी चरणों की जियो टैगिंग में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि तकनीकी एवं प्रशासनिक बाधाओं का तत्काल समाधान कर कार्यों को गति दी जाए उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने वीबी-ग्राम-जी के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए सभी बीडीओ को जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर योजना की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने "125 दिन का महाअभियान" को मिशन मोड में सफल बनाने, श्रमिकों को न्यूनतम 300 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण परिवारों तक रोजगार एवं आजीविका योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने पर विशेष बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

सलैया पंचायत के वार्ड नं- पांच में नल-जल योजना पड़ी बेकार

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मदनपुर प्रखंड के सलैया पंचायत के वार्ड नं - पांच के ग्रामीण सुविधाओं से वंचित हैं। हर घर नल-जल, स्वच्छता अभियान, सार्वजनिक शौचालय, गली और नाली निर्माण जैसी योजनाएं अधूरी या पूरी तरह से विफल हो चुकी है। गांव में पानी टंकी तो है परंतु पाइप टूटी हुई है जिससे अधिकांश घरों में नल का जल नहीं पहुंचता है। जलजमाव की समस्या से हालात और भी बदतर कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी टंकी बनने के कुछ दिन तक पानी मिला परंतु फिर जहां-तहां पाइप फट जाने के कारण हर घर तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। संबंधित विभाग को कई बार शिकायत की गई परंतु कोई सुनवाई नहीं हुई। संवेदक ने जल्दबाजी में काम कर अधूरा छोड़ दिया। पंचायत सरकार भवन का निर्माण पंचायत में अबतक पूर्ण नहीं हुआ है। आबादी लगभग १५०० की है जबकि सात सौ मतदाता हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में नाली और गली की स्थिति ठीक नहीं है। गली से ऊपर नाली का निर्माण हो जाने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पाती है जिसके कारण गली में जलजमाव और कीचड़ फैलने के कारण दुर्गंध से जीना मुश्किल हो गया है। गांव में पक्की नाली और गली का निर्माण स्थानीय जनप्रतिनिधि जल्द से जल्द कराएं। हमलोगों को इस बरसात के मौसम में आवागमन करने में कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। ग्रामीणों ने कहा कि कुछ जगह पर नालियों का निर्माण कराया गया है जो सड़क के बीचो बीच कराने के कारण घरों तक पहुंचने में काफी परेशानी होती है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्ग महिलाएं और बच्चों को होती है। पक्की गली और नाली का निर्माण हो जाए तो हम लोगों की आधी परेशानी दूर हो जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत पंचायत को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया परंतु आज भी कई गरीब परिवारों के पास शौचालय नहीं है। गरीब तबके के पास खुद का शौचालय निर्माण के लिए जमीन नहीं हैं। सार्वजनिक शौचालय की भी कोई व्यवस्था नहीं है।

एनएचआई द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था नहीं करने से लोग परेशान

मदनपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मदनपुर प्रखंड के मदनपुर दर्जी बिगहा के समीप से एनएच -19 से अंजनवां मोड़ तक बाईपास रोड निर्माण हो रहा है। बाईपास रोड के दक्षिण बसे गांवों से निकलने वाले नालियों और पहाड़ों से गिरने वाले बरसाती पानी का निकास का व्यवस्था एनएचआई द्वारा नहीं किए जाने से लोगों को परेशानी बढ़ गया है। बाईपास रोड के दक्षिण तरफ एक बड़ा आबादी बसता है। बरसात मौसम में जंगल पहाड़ से बारिश की पानी पहले झरना आहर से होकर तालाब में संग्रहीत होता था। झरना आहर से हजारों एकड़ भूमि खेत का पटवन होता था। अब बाईपास रोड में पानी निकासी के लिए व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण जंगल तटीय गांवों के लोगों का घर डूबने की संभावना बना हुआ है। एनएचआई के इंजीनियर और अधिकारियों के लापरवाही और उपेक्षा पूर्ण नीतियों के विरुद्ध लोग आंदोलन करने तथा सड़क पर उतरने की रणनीति बना रहे है।

टेनिस बॉल प्रतियोगिता में रतन टाटा भखरीपुर एवं दुर्गा स्थान कटिहार फाइनल में

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के फुलहरा पंचायत के रामलीला मैदान मेरा में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का पांचवा संस्करण में 16 टीमों के बीच 10-10 ओवर का मैच संपन्न हो गया । फाइनल में रतन टाटा भखरीपुर एवं दुर्गास्थान कटिहार की टीम पहुंची। इस मौके पर मुख्य अतिथि सह फुलहरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि लगातार पांच

वर्षों से रामलीला मैदान मेरा में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा हैं। इस वर्ष भी 16 टीमों ने भाग लिया सभी टीम 10-10 ओवर के मैच खेले जिसमें रतन टाटा भखरीपुर एवं दुर्गा स्थान कटिहार की टीम सभी टीमों को हराते हुए फाइनल में पहुंची। जिसका परिणाम देर रात्रि आएगा। इस अवसर पर कमेटी के सदस्य विवेक, दिलीप, प्रकाश कुमार, रवि रंजन, अरविंद, रितिक,सोनू आदि उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने दिये एसआईआर अभियान में तेजी लाने के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव ने बुधवार को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एस आईआर -2026) अभियान की समीक्षा करते हुए गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को 10 जुलाई तक शत-प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।समीक्षा में बताया गया कि जिले में 21,12,570 गणना प्रपत्रों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 12,84,100 प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो कुल लक्ष्य का 60.78 प्रतिशत है।

उपायुक्त ने इरो , ऐरो , नोडल पदाधिकारियों और बीएल ओ को घर-घर जाकर प्रत्येक पात्र मतदाता तक प्रपत्र पहुंचाने, उन्हें भरवाने तथा समय पर संग्रहित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन का कार्य समानांतर रूप से संचालित किया जाए ताकि अगले सप्ताह तक डिजिटाइजेशन भी शत-प्रतिशत पूरा हो सके। साथ ही अभियान में लगे वॉलेंटियर्स, कंप्यूटर ऑपरेटरों और विभिन्न विभागों के कर्मियों को पूरी जिम्मेदारी और समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि एसआईआर 2026 निर्वाचन आयोग की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित तरीके से अभियान पूरा करने के निर्देश दिए गए।

ओवरलोड ट्रक पर कार्रवाई करते हुए 11.89 लाख रुपए का जुमार्ना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

प्राणपुर (कटिहार) । बिहार बंगाल की सीमा पर अवस्थित रोशना थाना क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रोशना थाना अध्यक्ष मासूम कुमारी ने एक ओवरलोड ट्रक को पकड़कर कार्रवाई की। वाहन जांच के दौरान ट्रक में निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर चलते हुए पकड़ा गया। रोशना थाना पुलिस ने नियमानुसार ट्रक को जब्त कर इसकी सूचना जिला परिवहन विभाग के संबंधित पदाधिकारियों को दी। जांच और सत्यापन के बाद परिवहन विभाग ने मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत ट्रक पर 11,89,353 ग्यारह लाख नवासी हजार तीन से तिरपन रुपए का जुमार्ना लगाया। पुलिस ने बताया कि ओवरलोड वाहनों के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ने के साथ-साथ सड़कों को भी नुकसान पहुंचता है। इसी को देखते हुए ऐसे वाहनों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन ने वाहन मालिकों और चालकों से निर्धारित भार क्षमता का पालन करने तथा यातायात नियमों का अनुपालन करने की अपील की है।

निमार्णाधीन पुल का औचक निरीक्षण, अनियमितता मिलने पर जांच के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। देवरी प्रखंड अंतर्गत गोलाआहार एवं यदुरायडीह के बीच यदुरायडीह नदी पर निमार्णाधीन पुल का औचक निरीक्षणविधायक मंजू कुमारी ने किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में कुछ अनियमितताएँ सामने आने पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी से दूरभाष पर संपर्क कर तत्काल जांच कराने तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया निरीक्षण के दौरान स्पष्ट किया गया कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हो,

इसके लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए।कहा गया कि क्षेत्रवासियों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं टिकाऊ आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बालमुकुंद फैक्ट्री में मजदूरों के मामले की जांच शुरू, चार दिन में डीसी को सौंपेगी टीम रिपोर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बालमुकुंद फैक्ट्री से मजदूरों को हटाने के मामले में जिला प्रशासन की ओर से गठित जांच टीम ने मंगलवार को फैक्ट्री पहुंचकर शिकायतों की सुनवाई की। एसडीएम धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में हुई बैठक में एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, श्रम अधीक्षक, लेबर अफसर समेत कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे शिकायतकर्ता पक्ष से असंगठित मजदूर मोर्चा के कन्हाई पांडेय, माले जिला सचिव अशोक पासवान तथा फैक्ट्री प्रबंधन के प्रतिनिधि शामिल हुए। पहले पांच और फिर 12 मजदूरों की शिकायतें दर्ज की गईं। प्रशासन ने बताया कि जांच रिपोर्ट चार दिनों के भीतर उपायुक्त को सौंपी जाएगी माले जिला सचिव अशोक पासवान ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री क्षेत्र के मजदूरों का शोषण हो रहा है और श्रम विभाग को नियमित जांच अभियान चलाना चाहिए। वहीं कन्हाई पांडेय ने कहा कि फिलहाल 12 मांगों में से चार पर चर्चा हुई है, जबकि शेष मांगों को लेकर जल्द आंदोलन किया जाएगा माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि मजदूरों के संगठन मजबूत होने पर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने गिरिडीह की कई फैक्ट्रियों में मजदूरों के शोषण का आरोप भी लगाया इस दौरान उसरी नदी बचाओ अभियान से जुड़े प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि बालमुकुंद फैक्ट्री के लिए उसरी नदी से पाइपलाइन के माध्यम से पानी ले जाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पाइपलाइन का कार्य नहीं रोका गया और मजदूरों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो पथ निर्माण विभाग कार्यालय के समक्ष लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा बैठक में मसूदन कोल, किशोर राय, हुबलाल राय, हीरालाल पंडित, मोहन कोल, तुलसी तुरी, विकास राय, विजय राय, रंजीत राय, अरविंद टुडू, सुनील ठाकुर, नवीन पांडेय सहित कई लोग उपस्थित थे।

मदनपुर के दक्षिण बसे गांवों की नालियों के पानी की निकासी नहीं होने से बढ़ी परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड के मदनपुर दर्जी बिगहा के समीप से जीटी रोड के अंजनवां मोड़ तक बाईपास रोड निर्माण हो रहा है। बाईपास रोड के दक्षिण बसे गांवों से निकलने वाले नालियों का पानी, पहाड़ों से गिरने वाले बरसाती पानी का निकास की व्यवस्था एनएचआई द्वारा नहीं किए जाने से इन दिनों स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गया है। बाईपास रोड के दक्षिण तरफ एक बड़ा आबादी बसता है। बरसात मौसम में जंगल पहाड़ से बारिश की पानी पहले झरना आहर से होकर तालाब में संग्रहित होता था। झरना आहर से हजारों एकड़ भूमि खेत का पटवन होता था। चंदेलपुर गांव निवासी पिंटू कुमार, जुड़ाही निवासी दीपक कुमार ने बताया कि अब बाईपास रोड में पानी निकासी के लिए व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण जंगल तटीय गांवों के लोगों का घर डूबने की संभावना बनी हुई है।

भाषा-विज्ञान और साहित्यालोचना के यशस्वी आचार्य थे देवेंद्रनाथ शर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिन्दी और संस्कृत के उद्भट विद्वान आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा पुरातन भारतीय ज्ञान के वैज्ञानिक-भाष्यकार थे। भारतीय दर्शन और वैदिक साहित्य का उन्हें गहरा अध्ययन था। भाषा-विज्ञान और साहित्यालोचन के यशस्वी विद्वान आचार्य शर्मा पटना विश्वविद्यालय और दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे। काव्य-शास्त्र, अलंकार और साहित्यालोचन पर लिखी गई उनकी पुस्तकें आज भी विद्यार्थियों के लिए आदर्श ग्रंथ हैं। यह बातें मंगलवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आचार्य शर्मा की जयंती पर आयोजित एकल-कथा-पाठ एवं लघुकथा-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही।

उन्होंने कहा कि, आचार्य शर्मा उन अंगुली-गण्य महापुरुषों में से एक थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, कला, संगीत जैसे मनुष्य के लिए सर्वाधिक मूल्यवान तत्त्वों के संरक्षण और विकास में खपा दिया। वे सच्चे अर्थों में 'संस्कृति-पुरुष' थे। साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में उनकी सेवाओं के लिए भी साहित्य-समाज ऋणी है। डा सुलभ ने इस अवसर पर आयोजित 'कथयामि कथा' शीर्षक से सम्मेलन द्वारा चलायी जा रही ऋंखला में 'एकल-कथा-पाठ' के लिए आमंत्रित कथाकार चित्तरंजन लाल भारती को अंग-वस्त्रम पहनाकर अभिनन्दन किया।कथा-पाठ से पूर्व, सम्मेलन के अर्थमंत्री कुमार अनुपम ने कथाकार श्री भारती का जीवन-वृत्त पढ़कर सुनाया। श्री

भारती ने 'अच्छा कौन', 'आम जनता के लिए', 'पीछा करती दृष्टि', 'सृष्टि', 'ज्यादा जरूरी' तथा 'हाँ,ठीक है' शीर्षक से अपनी ६ लघुकथाएँ पढ़ीं, जिनपर, वरिष्ठ साहित्यकार डा रत्नेश्वर सिंह, विभारानी श्रीवास्तव और सागरिका राय ने अपनी त्वरित समीक्षा प्रस्तुत की। लघुकथा-गोष्ठी में, विभारानी श्रीवास्तव ने ' धूँधली दृष्टि' शीर्षक से, डा पुष्पा जमुआर ने 'अहसास जी उठा', सागरिका राय ने 'लक्ष्मी', ई अशोक कुमार ने 'बुढ़ापे का सहारा' , शमा कौसर 'शमा' ने 'मापदण्ड', सूर्य प्रकाश उपाध्याय ने 'थाती', बी के बिहारी ने 'अंतर की यात्रा' तथा इन्दु भूषण सहाय ने 'महल उदास' भी अपनी-अपनी लघुकथा पढ़ी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अवकाश प्राप्त अधिकारी बच्चा ठाकुर, डा मनोज गोवर्धनपुरी, पं गणेश झा तथा चंदा मिश्र ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

देवी गुड़ी में मां काली व बजरंगबली की प्राण प्रतिष्ठा, रंगारंग कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। शहर की आराध्य ग्राम देवी के रूप में प्रसिद्ध सार्वजनिक दुर्गा मंदिर (देवी गुड़ी) में तीसरे दिन बुधवार को मां काली और भगवान बजरंगबली की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोच्चारण और धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। प्राण प्रतिष्ठा के बाद जैसे ही मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए, पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा और दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतार लग गई। छह जुलाई से चल रहे तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का समापन हवन, पूजा-अर्चना और बनारस से आए आचार्यों द्वारा गंगा आरती के साथ हुआ। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और

आध्यात्मिकता का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां काली और संकटमोचक भगवान हनुमान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के बाहर से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों ने भी श्रद्धापूर्वक नमन किया। मंगलवार देर रात और बुधवार शाम आयोजित भक्ति जागरण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

पहले दिन कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने किया। जबकि दूसरे दिन के जागरण कार्यक्रम का उदघाटन सांसद कालीचरण मुंडा ने किया। उन्होंने कहा कि देवी गुड़ी में प्रतिमाओं की स्थापना खूंटी के धार्मिक इतिहास का महत्वपूर्ण क्षण है। मां काली और भगवान हनुमान की कृपा से जिले में सुख, शांति, समृद्धि और विकास का नया अध्याय शुरू होगा तथा यह स्थल आने वाले समय में आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा। नेताजी चौक के समीप मुख्य सड़क किनारे स्थित देवी गुड़ी मंदिर में प्रतिमाओं की स्थापना के बाद श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक रहा। पूजा, आरती और प्रसाद वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ। मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो,कांग्रेस जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा समेत कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंतिम दिन विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में श्याम गोप, निताई गोप समेत मंदिर कमेटी के नकुल भगत, संजय मिश्रा, रंजीत प्रसाद, कुमार सौरव, दामोदर प्रसाद, लव चौधरी, विक्की गुप्ता आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

रथ यात्रा को लेकर राज्यभर में अलर्ट, 16 से 25 जुलाई तक सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आगामी 16 जुलाई 2026 से शुरू होने वाले जगन्नाथ रथ यात्रा मेले को लेकर पुलिस मुख्यालय ने पूरे राज्य में अलर्ट जारी किया है। विशेषकर राजधानी रांची को लेकर डीसी और एसएसपी को विशेष निर्देश जारी किया है। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा और मेले को लेकर राज्यभर में पुलिस मुख्यालय द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। इस संबंध में राज्य के सभी उपायुक्त (डीसी) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को विस्तृत निर्देश जारी करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने, संवेदनशील इलाकों पर विशेष निगरानी रखने और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि प्राप्त सूचनाओं और प्रशासनिक आकलन के अनुसार रथ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। ऐसे समय असामाजिक तत्व सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने या अफवाह फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में जिला प्रशासन और पुलिस को पूरी सतर्कता के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यालय ने सभी जिलों को अपने-अपने क्षेत्र के संवेदनशील और विवादित स्थलों की पहचान कर अतिरिक्त पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। धार्मिक जुलूस के मार्ग, भीड़भाड़ वाले बाजार, प्रमुख चौक-चौराहों और पूजा स्थलों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। साथ ही सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से फैलने वाली अफवाहों पर भी नजर रखने तथा भड़काऊ पोस्ट या संदेशों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र के अनुसार 16 जुलाई 2026 को राज्यभर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के विग्रहों को मुख्य मंदिर से मौसीबाड़ी तक पारंपरिक तरीके से रस्सियों के सहारे रथ खींचकर ले जाएंगे। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। रथ यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में विराजमान रहेंगे। इसके पश्चात 25 जुलाई 2026 को बहुड़ा (घूरती) रथ यात्रा के माध्यम से भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और श्री बलभद्र के विग्रहों को पुनः मुख्य मंदिर लाया जाएगा। इस दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने का निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती, दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता तथा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन को धार्मिक आयोजकों के साथ समंवय बनाकर शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से रथ यात्रा संपन्न कराने को कहा गया है। पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि पूरे नौ दिवसीय धार्मिक आयोजन के दौरान राज्यभर में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष फोकस रहेगा। किसी भी प्रकार की अफवाह, सांप्रदायिक तनाव या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं आम लोगों से भी शांति, सौहार्द और प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए पर्व में सहयोग करने की अपील की गई है।

इंडोनेशिया में स्टेनलेस स्टील स्लैब निर्माण की संभावना तलाश करेगा सेल

सेल और इंडोनेशियाई इस्पात निर्माता पीटीक्राकाटाऊ स्टील के बीच समझौता ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी महारत्न इस्पात उत्पादक कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने इंडोनेशिया में स्टेनलेस स्टील स्लैब के उत्पादन के लिए एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने की संभावना तलाशने के लिए पीटी क्राकाटाउ स्टील (परसेरो) टीबीके, इंडोनेशिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है।इस समझौता ज्ञापन की घोषणा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा (6-8 जुलाई, 2026) के एक हिस्से के रूप में भारत और इंडोनेशिया की सरकारों के बीच उच्च स्तरीय बैठकों के दौरान की गई।

यह प्रस्तावित सहयोग दोनों कंपनियों की पूरक शक्तियों को एक साथ लाता है।इंडोनेशिया दुनिया के सबसे समृद्ध निकल भंडारों में से एक तक पहुंच प्रदान करता है - जो स्टेनलेस स्टील के लिए एक आवश्यक कच्चा माल है - वहीं स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के पास इस्पात उत्पादन, परियोजना निष्पादन और बड़े एकीकृत इस्पात संयंत्रों के संचालन का पांच दशकों से अधिक का अनुभव है।यह समझौता ज्ञापन भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ते औद्योगिक साझेदारी में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मजबूत और अधिक दृढ़ मैन्युफैक्चरिंग वैल्यू चेन्स के निर्माण के लिए दोनों देशों के साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है। प्रस्तावित संयुक्त उद्यम से यह उम्मीद है कि इंडोनेशिया के खनिज संसाधनों के वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत और एएसईएएन क्षेत्र में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।यह दोनों देशों के लिए तकनीकी आदान-प्रदान, औद्योगिक सहयोग, कौशल विकास और सतत आर्थिक विकास के नए रास्ते भी खोलता है। प्रस्तावित संयुक्त उद्यम के संबंध में अन्य विवरण, जिसमें परियोजना की क्षमता, निवेश संरचना, इम्प्लीमेंटेशन शेड्यूल और टेक्नोलॉजी कॉन्फ़िगरेशन शामिल हैं, फीजिबिलिटी स्टडीज के पूरा होने और दोनों संगठनों तथा संबंधित सरकारों से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद तय किए जाएंगे। यह सहयोग स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की एक विविध उत्पाद पोर्टफोलियो और मजबूत अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति के साथ विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी इस्पात कंपनी बनने की यात्रा में एक और मील का पत्थर है। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ। अशोक कुमार पंडा ने कहा, "यह साझेदारी पारंपरिक सीमाओं से परे देखने और भविष्य के लिए क्षमताएं निर्माण करने के प्रति सेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।चूंकि बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर), गतिशीलता (मोबिलिटी), नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील की मांग लगातार बढ़ रही है, इसलिए लगातार कच्चे माल तक पहुंच और रणनीतिक साझेदारियां तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही हैं।हमारा मानना है कि पीटी क्राकाटाऊ स्टील के साथ यह सहयोग भारत और इंडोनेशिया के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के साथ-साथ दोनों कंपनियों के लिए दीर्घकालिक मूल्य (लॉन्ग-टर्म वैल्यू) बनाने की क्षमता रखता है।"उन्होंने आगे कहा, "सेल के लिए, यह पहल केवल स्टेनलेस स्टील वैल्यू चेन में विस्तार करने के बारे में नहीं है।यह दृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन्स) के निर्माण, संसाधन सुरक्षा बढ़ाने और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के भारत के दृष्टिकोण को लागू करने के बारे में है।"

एसएनएमएमसीएच के मेल मेडिकल वार्ड में खतरा, जर्जर छत से गिर रहा प्लास्टर, मरीजों में दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएनएमएमसीएच में इलाज कराने पहुंचे मरीजों को अब बीमारी के साथ-साथ जर्जर इमारत का डर भी सता रहा है। मेल मेडिकल वार्ड की छत का प्लास्टर लगातार टूटकर नीचे गिर रहा है। हालात ऐसे हैं कि मरीजों के बेड के आसपास प्लास्टर गिरने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मरीजों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। धनबाद के एसएनएमएमसीएच में भर्ती मरीजों को हर पल एक नए खतरे का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड की जर्जर छत से लगातार प्लास्टर टूटकर नीचे गिर रहा है। मरीज और उनके परिजन डरे हुए हैं कि कहीं छत का बड़ा हिस्सा गिरकर किसी अनहोनी का कारण न बन जाए। मरीजों का कहना है कि पिछले कई दिनों से छत से प्लास्टर गिरने का सिलसिला जारी है। वार्ड में भर्ती पारितोष मंडल ने बताया कि लगातार दो-तीन दिनों से छत का प्लास्टर टूटकर नीचे गिर रहा है। उनका कहना है कि एक बच्चे के सिर पर भी प्लास्टर गिरा था, जिससे उसे मामूली चोटें भी आई। मरीजों के मुताबिक, ऐसी स्थिति में वार्ड में भर्ती रहना भी डर के माहौल में रहने जैसा है। वहीं, मरीज हुबलाल बास्की ने बताया कि उनके सामने ही छत का प्लास्टर गिर गया। उन्होंने कहा कि जर्जर छत के नीचे रहना खतरे से खाली नहीं है। मरीज मुमताज आलम ने बताया कि अस्पताल में भर्ती होने के तुरंत बाद ही छत का प्लास्टर गिर गया, जिसके बाद उन्हें दूसरे स्थान पर बेड दिया गया। मरीजों का कहना है कि अस्पताल में इलाज के लिए आते हैं, लेकिन यहां सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मरम्मत की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक डीके गिंदौरिया ने माना कि यह बिल्डिंग काफी पुरानी हो चुकी है और छत जर्जर अवस्था में है। उन्होंने कहा कि प्लास्टर गिरने की समस्या को देखते हुए मरम्मत का काम कराया जा रहा है और प्रभावित जगहों से मरीजों को दूसरे स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया है। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन की ओर से मरम्मत का भरोसा दिया गया है, लेकिन सवाल यह है कि मरीजों की सुरक्षा से जुड़ी इस समस्या का स्थायी समाधान कब तक होगा। क्योंकि अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों को इलाज के साथ सुरक्षित माहौल मिलना भी जरूरी है।

सब्जियां लेकर रांची नगर निगम कार्यालय पहुंच गए मोरहाबादी बाजार के सब्जी विक्रेता, मार्केट बंद कराने का जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में लगने वाले साप्ताहिक सब्जी बाजार को बंद किए जाने के फैसले के खिलाफ विक्रेताओं का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को बड़ी संख्या में सब्जी विक्रेता अपनी सब्जियां लेकर रांची नगर निगम कार्यालय पहुंचे और कार्यालय के बाहर बैठकर विरोध-प्रदर्शन किया। विक्रेताओं ने कहा कि बाजार बंद होने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है, इसलिए निगम को जल्द से जल्द समाधान निकालना चाहिए।

सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि वे वर्षों से मोरहाबादी मैदान में लगने वाले बाजार के माध्यम से अपनी आजीविका चला रहे हैं। अचानक बाजार बंद किए जाने से उनके पास सब्जियां बेचने के लिए कोई जगह नहीं बची हैं। कई विक्रेता दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से अपनी उपज लेकर रांची पहुंचते हैं, लेकिन बाजार बंद होने के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है।

प्रदर्शन के दौरान सब्जी विक्रेताओं ने निगम प्रशासन से मांग की कि या तो मोरहाबादी बाजार को पहले की तरह संचालित करने की अनुमति दी जाए या फिर उनके लिए तत्काल वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए। विक्रेताओं ने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था और आम लोगों की परेशानी को देखते हुए प्रशासन कोई भी व्यवस्था कर सकता है, लेकिन हजारों लोगों की आजीविका को प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि मोरहाबादी मैदान में प्रत्येक बुधवार और शनिवार को साप्ताहिक सब्जी बाजार लगता था। यहां रांची और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सब्जी और फल विक्रेता पहुंचते थे। शनिवार को नगर निगम और पुलिस प्रशासन की टीम ने मैदान में बाजार नहीं लगने दिया था, जिसके बाद से विक्रेताओं में नाराजगी है।

वहीं, नगर निगम का कहना है कि बाजार का आकार लगातार बढ़ता गया है। करीब 1600 से अधिक दुकानों के कारण आसपास की सड़कों पर अतिक्रमण और जाम की स्थिति बन रही थी। निगम ने कहा है कि विक्रेताओं की आजीविका को ध्यान में रखते हुए समाधान पर विचार किया जा रहा है। अब सब्जी विक्रेताओं के दोबारा विरोध के बाद निगम प्रशासन और विक्रेताओं के बीच बातचीत के जरिए रास्ता निकालने की कोशिश जारी है। सभी की नजर इस बात पर है कि मोरहाबादी बाजार को लेकर निगम आने वाले दिनों में क्या निर्णय लेता है।

पूर्व रेलवे

एनआईटी सं.: 140_2026-27 और 141_2026-27, दिनांक 06.07.2026, मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, पूर्व रेलवे, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 (**वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा** के क्षेत्रधिकार हेतु) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैः **क्रम सं.1, एनआईटी सं.: 140_2026-27, कार्य का विवरण** : एसएसई/पी.वे/हुगली के अधीन अप, डाउन और आरईवी/मेन लाइन सेक्शन पर पी.वे रखरखाव कार्य का प्रस्ताव (किमी 21/0-38/00 के बीच)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 94,05,387.86, **बयाना राशिः** रु. 1,88,100/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 (बारह) माह। **क्रम सं.2, एनआईटी सं.: 141_2026-27, कार्य का विवरण** : एसएसई/पी.वे/हुगली के अधीन एईएन/लिलुआ के कार्यक्षेत्र में अप, डाउन टीएके शाखा लाइन सेक्शन पर पी.वे रखरखाव कार्य का प्रस्ताव (किमी 00/00-18/700 के बीच)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 88,72,797.75, **बयाना राशिः** रु. 1,77,500/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 27.07.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-199/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

विलुप्त होती जा रही हल-बैल की किसानी परंपरा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती मेरे देश की धरती, यह गीत सुनते ही मन मस्तिष्क में एक छाया उभर कर आती है और वह होती है खेत में हल और बैलों के साथ काम करते हुए किसान। जो अपने अथक परिश्रम और लगन से मिट्टी से अनाज उगा कर सभी का पेट भरते हैं परंतु अब किसानी व खेती के तौर-तरीकों में बदलाव आ गया है। तकनीक आधारित खेती ने किसानी को काफी बदल दिया है। पारंपरिक तरीके की खेती शायद अब अपने अंतिम दौर में है। लगातार खत्म होती जा रही है। नयी पीढ़ी के किसान हल-बैल के सहारे खेती करना नहीं पसंद करते हैं। हालांकि हल बैल से खेती में मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है। ऐसा किसी अन्य प्रकार से संभव नहीं होता है। छोटे किसान अभी भी हल और बैल के माध्यम से ही खेती करते हैं। किसान तुलसी महतो, संजय महतो, अरविंद सिंह, उदय सिंह समेत अन्य किसान बताते हैं कि छोटी जोत में ट्रैक्टर के माध्यम से जुताई संभव नहीं होती है। जिन किसानों के पास छोटी खेती है वैसे किसानों को पारंपरिक रूप से ही खेत की जुताई करनी पड़ती है। कई किसानों ने बताया कि बैल व हल से जुताई करने पर मिट्टी की गुणवत्ता कायम रहती है। ट्रैक्टर से जुताई करने पर मिट्टी में पाए जाने वाले केचुए खत्म हो जाते हैं जो हल-बैल से जुताई करने पर बचे रहते हैं। बैल और हल के माध्यम से जुताई किए गए खेत का उत्पादन में भी फर्क होता है। हम मिट्टी से जुड़े हैं, मिट्टी पर रहते हैं, मिट्टी से ही जीवन यापन होता है और अंतिम समय भी मिट्टी में मिलते हैं। ऐसे में हम अपनी पारंपरिक खेती को आगे बढ़ाते हैं, जो हमारे पूर्वज करते रहे थे। किसानों ने कहा कि हमारे बारे में सरकार को और सोचना चाहिए। बड़े-बड़े उद्यमियों और अमीरों के कर्ज माफ कर दिए जाते हैं परंतु किसान का छोटा सा कर्ज भी माफ करने पर हो हल्ला होने लगता है। उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं ने "स्वयं साक्षर होंगे, स्वच्छता का ध्यान रखेंगे" तथा "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

तरारी विद्यालय में स्वच्छता एवं शिक्षा जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दाउदनगर (औरंगाबाद)। दाउदनगर महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित जागरूकता अभियान के अंतर्गत बुधवार को उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय तरारी में स्वच्छता, शिक्षा एवं बालिका सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) एम. एस. इस्लाम ने किया। उन्होंने कहा कि "शिक्षा और स्वच्छता एक सशक्त एवं विकसित समाज की आधारशिला हैं। प्रत्येक छात्र-छात्रा को शिक्षित होने के साथ-साथ स्वच्छता को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। शिक्षित एवं जागरूक नागरिक ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करते हैं।" महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. शहला बानो ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि "स्वच्छता केवल आदत नहीं, बल्कि एक संस्कार है। प्रत्येक छात्रा को शिक्षा के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी सजग रहना चाहिए।" डॉ. रोजी कांत ने कहा कि "स्वच्छता और शिक्षा से ही स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण संभव है।" मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रीनिवास सिंह ने कहा कि "शिक्षा व्यक्तित्व का विकास करती है और स्वच्छता स्वस्थ जीवन का आधार है। दोनों को अपनाकर ही हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।" कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं, विशेषकर बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुशासन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दाउदनगर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों में शिवानी कुमारी, निर्मल कुमार, श्रुति राज, पुरुषोत्तम कुमार, गुलनाज, सोनी, सुनीता एवं महिला प्रकोष्ठ की सदस्या मीना देवी ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

थाने के अंदर महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास

रांची। राज्य की राजधानी रांची के पंडरा ओपी में महिला के द्वारा खुदकुशी का प्रयास किया गया है। महिला को चोरी के एक मामले में पूछताछ के लिए थाने लाया गया था, इसी दौरान उसने आत्महत्या की कोशिश की, फिलहाल महिला का एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पंडरा पुलिस चोरी का आरोप लगने के बाद महिला और उसके पति दोनों को मंगलवार की शाम पूछताछ के लिए थाने लाई थी। इसी बीच महिला पुलिसकर्मी किसी काम से बाहर गई, तब तक महिला खुदकुशी की कोशिश करने लगी। पुलिसकर्मियों की नजर महिला पर पड़ी। तुरंत उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल महिला अस्पताल में ही इलाजरत है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

जून माह में बने 106 आयुष्मान कार्ड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर (औरंगाबाद)। मदनपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयुष्मान भारत कार्ड केन्द्र के माध्यम से एक माह में 106 लोगों का आयुष्मान कार्ड निर्गत किया गया है। यह जानकारी आयुष्मान भारत कार्ड बनाने वाले डाटा आपरेटर उत्तम कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि जून माह में कुल आवेदन 153 प्राप्त हुए थे जिसमें 106 लोगों का आयुष्मान भारत कार्ड बनाया गया है। शेष प्रक्रिया में है। तकनीकी रुप से गड़बड़ी की वजह से नहीं बन पाया है। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड निशुल्क बना कर दिया जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डॉ संजय कुमार ने बताया कि आयुष्मान भारत कार्ड गरीब मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एक वरदान की तरह है। रूपयों के अभाव में गरीब मजदूर और मध्यम वर्गीय परिवारों को गंभीर बीमारियों का उचित इलाज नहीं हो पाता है। ऐसी परिस्थिति में आयुष्मान कार्ड वरदान साबित हो रहा है। आयुष्मान कार्ड से पांच लाख रुपए तक गंभीर बीमारी का इलाज हो सकता है। अस्पताल में सुविधा जनक लोगों का आयुष्मान कार्ड बन जाता है। किसी तरह का कोई शुल्क नहीं लगता है। यह निःशुल्क बनता है। उन्होंने बताया कि हर माह करीब 150 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। जुलाई माह में अधिक बनने की संभावना है। प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक ललन प्रसाद सिंह एवं प्रधान सहायक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि जरुरतमंद लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाया गया है। प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए लाभार्थी का राशन कार्ड, आधार कार्ड की जरूरत पड़ता है।

जलजमाव बना नासूर, घुटने भर गंदे पानी से रोजाना गुजरने को मजबूर लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। कुटुंबा के पूरब बाजार स्थित मुख्य सड़क पर जलजमाव की समस्या पिछले कई वर्षों से लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनी हुई है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर घुटने भर गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे आमजन, छात्र-छात्राओं, मरीजों और राहगीरों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि, प्रशासन और संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या के समाधान को लेकर उदासीन बने हुए हैं। यह सड़क कुटुंबा बाजार की प्रमुख सड़क है, जहां अस्पताल, थाना, बैंक, डाकघर सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी और निजी संस्थान स्थित हैं। इसी मार्ग से आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं तथा सैकड़ों छात्र-छात्राएं स्कूल और कॉलेज जाते हैं। जलजमाव के कारण लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे संक्रमण और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ माह पूर्व सड़क का कालीकरण कराया गया था, लेकिन सड़क की ऊंचाई पर्याप्त नहीं बढ़ाई गई। संवेदक द्वारा केवल पतली परत में किरची-गिट्टी बिछाकर कार्य पूरा कर दिया गया, जिससे सड़क का स्तर आज भी नाली से नीचे है। परिणामस्वरूप बारिश का पानी नाली में नहीं बह पाता और सड़क पर लंबे समय तक जमा रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क किनारे बनी नालियां कई स्थानों पर टूटी-फूटी हैं, नियमित सफाई नहीं होने से जाम रहती हैं तथा पानी की निकासी भी बाधित है। पिछले लगभग पांच वर्षों से यह समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क का वैज्ञानिक लेवलिंग के साथ पुनर्निर्माण कराया जाए, उसकी ऊंचाई नालियों के अनुरूप की जाए तथा नालियों की मरम्मत और नियमित सफाई सुनिश्चित कर स्थायी जलनिकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या : 29-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 07.07.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थानः** "आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल के तहत 03 वर्षों के लिए जसीडीह स्टेशन पर आईपीआईएस (इंटीग्रेटेड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम) का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)"। **निविदा मूल्यः** रु. 24,23,636.88, **बयाना राशिः** रु. 48,500/-, **कार्य की समापन अवधिः** एलओए जारी करने की तिथि से 36 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समयः** दिनांक 28.07.2026 को 15.00 बजे। **वेबसाइट का विवरणः** http://www. ireps.gov.in/

ASN-170/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 06.07.2026, वरिष्ठ मंडल अभियंता/I, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैः **निविदा सं.: टीएन-119-26-27, कार्य का नामः** दमदम जंक्शन मेंः दमदम में एक नए सब-स्टेशन की स्थापना के लिए विद्युत कार्य । **निविदा मूल्य :** रु.60,51,297.87, **बयाना राशि :** रु.1,21,000/-, **कार्य की समापन अवधिः** 09 (नौ) माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 31.07.2026 को 15.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समयः** दिनांक 31.07.2026 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

SDAH-124/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आर्यभट्ट स्पेस क्लब से जुड़ा मगध विवि

आर्यभट्ट स्पेस क्लब ऑफ बिहार के माध्यम से राज्य के विश्वविद्यालयों और कालेजों को एक साझा मंच पर लाने का अभियान तेज

अंतरिक्ष विज्ञान में उड़ान भरेंगे बिहार के छात्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोधगया। बिहार के युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक नई पहल शुरू हुई है। आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी, पटना में स्थापित आर्यभट्ट स्पेस क्लब ऑफ बिहार के माध्यम से राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को एक साझा मंच पर लाने का अभियान तेज कर दिया गया है।

इसी क्रम में आयोजित राज्यस्तरीय संवादात्मक सत्र में मगध विश्वविद्यालय ने सक्रिय भागीदारी करते हुए क्लब की गतिविधियों को अपने अधीनस्थ महाविद्यालयों और विद्यार्थियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अर्थ ऑब्जर्वेशन एवं जीआईएस, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), न्यू स्पेस मैन्युफैक्चरिंग, नवाचार, स्टार्टअप्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से विचार रखे।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि भविष्य अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उभरती वैज्ञानिक तकनीकों का है, इसलिए युवाओं को इस क्षेत्र से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता पूर्व डिप्टी चीफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (ऑपरेशंस) लेफ्टिनेंट जनरल पी. जे. एस. पन्नू ने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान अब राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाने के लिए युवाओं में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अनुसंधान क्षमता विकसित करना जरूरी है।

मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी ने आर्यभट्ट स्पेस क्लब की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह बिहार में वैज्ञानिक चेतना, अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को मजबूत करने वाला दूरदर्शी कदम है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस अभियान को अपने सभी संबद्ध महाविद्यालयों और विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए पूर्ण सहयोग देगा।

साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उद्यमिता के क्षेत्र में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में मगध विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व स्नातकोत्तर भूगोल विभाग के डॉ. राकेश कुमार एवं डा पिंटू कुमार तथा स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग के डॉ. माधव कुमार सिंह एवं डॉ. श्रद्धा प्रसाद ने किया।

इस अवसर पर बिहार सरकार की अपर मुख्य सचिव एवं निदेशक डॉ. एन. विजयालक्ष्मी, आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. शरद कुमार यादव, कुलसचिव डॉ. नारायण प्रसाद यादव, एचआईएफटी के निदेशक कर्नल राहुल शर्मा सहित कई लोगों ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, शोध सहयोग, नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति तथा उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय पर विचार-विमर्श किया।

अपराधियों की धड़पकड़ हुई तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पंचमहला के कुख्यात सोनू सिंह सहित कुल 29 अपराधियों को मोस्ट वांटेड घोषित करते हुए उन पर 25-25 हजार रुपये के इनाम का ऐलान किया गया है। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा की अनुशंसा पर सेंट्रल रेंज के आइजी जितेंद्र राणा ने बुधवार को इस प्रपोजल पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी।

इस घोषणा के बाद अब इन फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले किसी भी नागरिक को पुलिस प्रशासन की ओर से नकद पुरस्कार राशि दी जाएगी और उसकी पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी।

एसएसपी ने गहन समीक्षा के बाद कुल 29 ऐसे अपराधियों को चिन्हित किया, जो पुलिस के लिए लगातार सिरदर्द बने हुए थे। इन सभी के खिलाफ इनाम घोषित करने का प्रस्ताव आइजी सेंट्रल जितेंद्र राणा को भेजा गया था, जिसे तत्काल प्रभाव से स्वीकृत कर लिया गया।

आरोपित के घर ढोल-बाजे के साथ चिपकाया इश्तेहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा थाना कांड संख्या 96/26 के फरार आरोपी मणिशंकर कुमार को न्यायालय में उपस्थित होने को लेकर बुधवार के दिन नगरनौसा पुलिस ढोल-बाजे के साथ आरोपी के घर के मुख्य दरवाजे पर इश्तेहार चिपकाया। थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना क्षेत्र के अख्तियारपुर गांव निवासी थाना कांड संख्या 96/26 के आरोपी मणिशंकर कुमार को न्यायालय में उपस्थित होने को लेकर ढोल-बाजे के साथ आरोपी के घर के मुख्य दरवाजे पर इश्तेहार चिपकाया गया है। अगर आरोपी समय सीमा के अंदर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं तो आगे उनके घर कुर्की जब्ती की करवाई हो सकती हैं।

दो ट्रेलरों की टक्कर में एक चालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। पटना-बक्सर एनएच 922 पर बुधवार की अलसुबह दो ट्रेलरों की टक्कर में एक के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रेलरों को अलग कर चालक का शव बाहर निकालने में कई घंटे लग गए। घटना की सूचना मिलते ही मृत चालक के स्वजन शव लेने के लिए बक्सर पहुंच गए हैं।

औद्योगिक थाना के थानाध्यक्ष सुरेश कुमार ने बताया कि यह हादसा सुबह 3:30 से चार बजे के बीच कतकौली गेट से थोड़ा आगे एनएच के दक्षिणी लेन पर हुआ है।

घटना के समय एक ट्रेलर पहले से सड़क पर खड़ा था, तभी पटना से बक्सर की ओर आ रहे दूसरे ट्रेलर ने पीछे से उसमें जोरदार टक्कर मार दी। इससे पीछे वाले ट्रेलर के चालक की मौके पर ही मौत हो गई तथा शव केबिन में ही फंसकर रह गया।

मरने वाले चालक की जेब से मिले कागजात के आधार पर उसकी पहचान उप्र के आजमगढ़ जिला के गंभीरपुर थाना अंतर्गत उमरऋषि गांव निवासी खरपातु यादव के 48 वर्षीय पुत्र भरत खरपातु यादव के रूप में की गई है। हादसे के बाद लेन को जाम होने से बचाने के लिए तत्काल दो क्रेन मंगाए गए और दोनों ट्रकों को अलग कर उन्हें सड़क के किनारे किया गया, फिर हाइड्रोलिक मशीन से बुरी तरह पिचक गए केबिन को खींचकर अलग करने के बाद मृत चालक के शव को किसी तरह बाहर निकाला गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मृतक के घरवालों को घटना की सूचना दे दी गई थी। इस बीच मृतक के स्वजन शव लेने के लिए आ चुके हैं।

भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज

अरवल। जिले में औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। कोरियम और सोनवर्षा पंचायत के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-139 से सटे 127.69 एकड़ भूमि पर आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। परियोजना के पूरा होने के बाद अरवल को पहली बार बड़े औद्योगिक निवेश का केंद्र बनाने की उम्मीद है, जिससे जिले की आर्थिक तस्वीर बदल सकती है।

औद्योगिक क्षेत्र के लिए कुल 65.95 एकड़ सरकारी भूमि उद्योग विभाग को हस्तांतरित की जा चुकी है, जबकि 61.74 एकड़ निजी भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है।

प्रस्तावित परियोजना का विकास बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) के माध्यम से किया जाएगा। इसे आधुनिक सुविधाओं से लैस औद्योगिक परिसर के रूप में विकसित करने की योजना है, जहां विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की स्थापना होगी।

यह परियोजना पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणा का परिणाम है।

शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी महासंघ के बैनर तले आयुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। आज बुधवार को बिहार प्रदेश संबद्ध डिग्री कॉलेज शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने मगध प्रमंडल आयुक्त कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति के नाम पांच सूत्री ज्ञापन आयुक्त मगध प्रमंडल के सचिव सुशील कुमार को सौपा गया।

इस अवसर पर उपस्थित फैक्टनेब के मगध विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मिट्ठू, संरक्षक प्रोफेसर नवल किशोर शर्मा, जिला अध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, प्राचार्य डॉ अशोक कुमार सिंह, प्रो शशि भूषण कुमार, प्रो अजित कुमार, प्रो उमेश सिंह, प्रो रबीन्द्र कुमार, प्रो राकेश रंजन, अनिल कुमार सिन्हा, प्रो रंजीत भारद्वाज, प्रो सुनील कुमार, प्रो बृजेश कुमार शर्मा, प्रो विश्वनाथ कुमार, डॉ मनोज कुमार सिंह, प्रो संजय कुमार यादव, प्रो मुरारी प्रसाद, दामोदर गोस्वामी, टिंकू गिरी, अशोक

शर्मा, रामानुज शर्मा, आदि ने कहा कि बिहार राज्य के लगभग 65 प्रतिशत छात्रों को डिग्री की पढ़ाई सुनिश्चित कराने वाले सैकड़ों संबद्ध, अनुदानित डिग्री कॉलेज के विगत 40 वर्षो से नियमित वेतनमान एवं पेंशन देने की मांग अभी तक बिहार सरकार ठंढे बस्ते में डाले हुए हैं। जबकि 2025 विधानसभा चुनाव के वक्त तत्कालीन नीतीश सरकार ने सूबे के संबद्ध डिग्री कॉलेज के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों को अंगीभूत कॉलेज के तर्ज.पर नियमित वेतनमान एवं पेंशन देने की घोषणा कर मुख्य सचिव के नेतृत्व में एक कमिटी गठित कर रिपोर्ट करने की बातें कही थी, परन्तु इसके गठन के कई माह बीत जाने के बाद भी अभी तक गठित कमिटी के बैठक नहीं हुई, उल्टे पहले से लगभग आठ सत्रों का डिग्री, इंटर का अनुदान भी बकाया है, जिससे सूबे के संबद्ध डिग्री कॉलेज के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी भुखमरी के शिकार हो रहे हैं।

नेताओं ने कहा कि सरकार एवं विश्वविद्यालय स्तर पर सम्बध्द डिग्री कॉलेज के वेतनमान, पेंशन, अनुदान नहीं मिलने के साथ-साथ विगत छह माह से कई सत्रों के परीक्षाओं की कॉपी मूल्यांकन का कार्य जो 80 प्रतिशत संबद्ध डिग्री कॉलेज के ही शिक्षक कार्य कर रहे हैं, उनका भी पारिश्रमिक में 25 से 35 प्रतिशत तक टीए, होलतेज काट कर लेटलतीफ भुगतान की जा रही है। नेताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर मगध विश्विद्यालय में सीनेट, सिंडिकेट के लंबित चुनाव सहित संबद्ध कॉलेज के जी बी के सचिव, अध्यक्ष, युआर, टीआर आदि पद पर नियुक्त में विलंब आदि की प्रथा को समाप्त कर आपडेटेड करने की नितांत आवश्यक है।

नेताओं ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के उपरांत फैक्टनेब पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन आयुक्त मगध प्रमंडल को दिया गया, तथा चरणबद्ध आंदोलन के तहत 14 जुलाई 2026 को मगध विश्वविद्यालय मुख्यालय पर महाधरना देने तथा 20 जुलाई को पटना स्थित गया शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद जीवन कुमार के आवास का घेराव कर उन्हें 20 से 24 जुलाई तक चलने वाले विधानमंडल के सत्र में संबद्ध डिग्री कॉलेज के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी के मांगों के लिए विधान मंडल में धरना पर बैठने के लिए दबाब बनाया जाएगा।

रेलकर्मी या पेंशनभोगियों को इलाज में परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी: मो. जियाऊद्दीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रेलवे पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को वैध मेडिकल कार्ड उम्मीद कार्ड होने के बावजूद विभिन्न पैनल अस्पतालों में उपचार प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों के संबंध में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) ने पिछले माह रेलवे बोर्ड को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी।

एआईआरएफ द्वारा उठाए गए मुद्दों पर रेलवे बोर्ड ने दो दिन पूर्व विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए फेडरेशन द्वारा उठाए गए बिन्दुवार समस्याओं के निराकरण के लिए निम्नलिखित बातें स्पष्ट की हैं।

रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वैध उम्मीद कार्ड धारक किसी भी रेलवे जोन, मंडल, रेलवे अस्पताल अथवा हेल्थ यूनिट से संबद्ध होने के बावजूद भारतीय रेल के किसी भी अनुबंधित अस्पताल में उपचार प्राप्त करने के पात्र हैं। इस संबंध में रेलवे बोर्ड के पूर्व निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे प्रशासन, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/चिकित्सा निदेशक एवं रेलवे अस्पतालों को निर्देशित किया है कि बोर्ड द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इन निर्देशों के अनुपालन की निगरानी रेलवे बोर्ड स्तर पर भी की जा रही है।

रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि किसी भी अस्पताल के साथ किए जा रहे अनुबंध में ऐसा कोई प्रावधान नहीं हो सकता जिससे किसी रेलवे लाभार्थी को उपचार से वंचित किया जाए। सभी रेलवे मेडिकल लाभार्थी भारतीय रेल के किसी भी अनुबंधित अस्पताल, निजी अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर या विशेषज्ञ चिकित्सक से उपचार प्राप्त करने के पात्र हैं।

एआईआरएफ की मांग पर रेलवे बोर्ड ने निर्देश दिया है कि यदि किसी पैनल अस्पताल द्वारा उपचार से इंकार किया जाता है तो शिकायतों के निवारण हेतु प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था लागू की जाए। इसके अतिरिक्त मरीजों से फीडबैक प्राप्त करने की भी व्यवस्था की गई है ताकि पैनल अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर निगरानी रखी जा सके।

रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जब भी कोई नई स्वास्थ्य नीति जारी होगी अथवा किसी नीति में संशोधन किया जाएगा, उसके निर्देश सभी जोनल रेलवे और अनुबंधित अस्पतालों को एक साथ भेजे जाएंगे तथा समय-समय पर उनके साथ बैठक कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह एआईआरएफ वर्किंग कमिटी मेम्बर मो. जियाऊद्दीन ने कहा कि ईसीआरकेयू एवं एआईआरएफ लगातार रेलवे कर्मचारियों, पेंशनरों एवं उनके परिवारों के अधिकारों की रक्षा हेतु रेलवे बोर्ड स्तर पर प्रभावी पैरवी करती रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि इन दिशा-निर्देशों के अनुपालन से किसी भी रेलकर्मी या पेंशनभोगी को इलाज में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ट्रेन से गिरकर युवक जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर। बारसोई कुमेदपुर रेलखंड पर खुड़ियाल रेलवे स्टेशन के समीप बुधवार को एक यात्री दर्दनाक रेल हादसे का शिकार हो गया। बताया जाता है कि पुरी कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 15639 से चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसके दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। रेलवे आरपीएफ एवं स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल व्यक्ति को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर पहुंचाया गया।

बैठक में संगठन मजबूती पर चर्चा

नगरनौसा(नालंदा)। नगरनौसा भाजपा मंडल की मासिक बैठक तीनि गांव स्थित प्रखंड कार्यालय में मंडल अध्यक्ष अभय नंदन पांडेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में भाजयुमो के प्रदेश प्रवक्ता सनी कुमार पटेल उपस्थित रहे। बैठक में इस माह आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही संगठन को और अधिक सशक्त एवं विस्तार करने हेतु निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को हटाकर सक्रिय एवं कर्मठ कार्यकताओं को संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व देने पर बल दिया गया।इस अवसर पर मंडल महामंत्री अमरजीत कुमार सिंह, अभिषेक भारती, उपाध्यक्ष प्रणव देव आनंद, प्रशांत कुमार, अभिषेक कांत, मंडल मंत्री जितेंद्र कुमार पांडे, प्रियंका सिंह, किसान मोर्चा अध्यक्ष अरुण कुमार, युवा मोर्चा अध्यक्ष पिंटू कुमार, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष चंदन कुमार चौधरी, पंचायत अध्यक्ष चितरंजन कुमार, अमित कुमार, राकेश कुमार, शशि शेखर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीडीओ की पत्नी की संदिग्ध मौत मामले में महिला एसआई गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। दरभंगा के जाले प्रखंड के बीडीओ मनोज कुमार की पत्नी अमृता कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस जांच लगातार तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में बेगूसराय के मटिहानी थाने में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक अन्नु कुमारी को हिरासत में लिया गया है।

मुजफ्फरपुर पुलिस ने देर रात सीतामढ़ी जिले के रधाउर गांव में कार्रवाई करते हुए उन्हें अपने कब्जे में लिया। इसके बाद पुलिस टीम उन्हें पूछताछ के लिए मुजफ्फरपुर लेकर पहुंची।

फिलहाल अन्नु कुमारी को मिठनपुरा थाना में रखा गया है, जहां उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर पुलिस को जांच के दौरान कुछ ऐसे सुराग मिले थे, जिसके बाद अन्नु कुमारी की भूमिका को लेकर सवाल खड़े हुए।

इसी आधार पर पुलिस टीम ने सीतामढ़ी जिले में दबिश देकर उन्हें हिरासत में लिया। कार्रवाई देर रात की गई ताकि मामले से जुड़े तथ्यों को सुरक्षित रखा जा सके।

पुलिस फिलहाल इस मामले में आधिकारिक तौर पर ज्यादा जानकारी साझा करने से बच रही है। हालांकि जांच एजेंसियां हर पहलू को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रही हैं।

दरभंगा के जाले प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार की पत्नी अमृता कुमारी की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी।

इसी दौरान अन्नु कुमारी का नाम सामने आने के बाद जांच का दायरा और बढ़ गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे मामले में उनकी भूमिका क्या रही और घटनाक्रम से उनका कोई संबंध था या नहीं। फिलहाल पूछताछ जारी है और जांच के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकेगी।

युवक ने बनाया हाइटेक डिजिटल बैग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बिहार के युवा अब नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बन रहे हैं। इसी कड़ी में भागलपुर के एक युवा उद्यमी ने कमाल कर दिखाया है। उन्होंने एक ऐसा हाइटेक 'डिजिटल बैग' तैयार किया है, जो सफर के दौरान पावर बैंक का काम करेगा।

इस बैग के अंदर ही इनबिल्ट चार्जिंग सिस्टम और इयरफोन पोर्ट दिया गया है। इससे सफर के दौरान बिना बैग खोले ही आपके तमाम गैजेट्स सुरक्षित तरीके से चार्ज हो जाएंगे। मूल रूप से खरीक प्रखंड के तेलघी गांव के रहने वाले नन्दीकेश ने यह स्टार्टअप शुरू किया है।

नन्दीकेश के अनुसार, इस बैग को बनाने के दौरान ही इसके अंदर पावर बैंक फिट कर दिया जाता है। इसे चार्ज करने के लिए बाहर निकालने की भी जरूरत नहीं पड़ती है। उपभोक्ता सीधे बैग को ही चार्जिंग पॉइंट में लगाकर आसानी से चार्ज कर सकते हैं।

सफर के दौरान मोबाइल, इयरबड और नेकबैंड जैसे उपकरण इसमें सुरक्षित रखकर चार्ज होते हैं। बैग में दिए गए विशेष पोर्ट के जरिए यूजर इयरफोन जोड़कर संगीत का आनंद भी ले सकते हैं। नन्दीकेश को एक बार दिल्ली यात्रा के दौरान आई परेशानी के बाद यह आइडिया आया था।

शुरूआत में इसे प्रयोग के तौर पर तैयार किया गया था, जो अब सफल रहा है। इसकी उपयोगिता को देखते हुए अब महानगर की कंपनियों ने इसके उत्पादन में रुचि दिखाई है। एक बैग को तैयार करने में लगभग 800 से 1000 रुपये की लागत आती है।

फिलहाल, बरारी स्थित बियाडा केंद्र में स्थापित फर्म में हर सप्ताह एक हजार बैग बन रहे हैं। जल्द ही पांच हजार डिजिटल बैग की पहली बड़ी खेप मुंबई भेजी जाएगी। इस निर्माण कार्य में फिलहाल 15 कुशल कारीगर दिन-रात लगातार जुटे हुए हैं।

नन्दीकेश ने बताया कि पिछले वर्ष शिक्षा विभाग से भी उन्हें एक बड़ा ऑर्डर मिला था।

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम के संवर्धन को लेकर कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड अंतर्गत प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय, शिवाजीनगर के सभागार में बुधवार को प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पीबीएल कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं इसके संवर्धन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता पूर्व बीआरपी बालमुकुंद सिंह ने की। इसमें प्रखंड के सभी मध्य विद्यालयों के कक्षा छह से आठ तक के विज्ञान एवं गणित विषय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पद्धति को अधिक प्रभावी बनाना तथा विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक विकास के लिए शिक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस दौरान प्रशिक्षक संजीत कुमार शर्मा एवं मनीष कुमार ने उपस्थित शिक्षकों को प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम की

अवधारणा, उद्देश्य, संचालन प्रक्रिया तथा इसके शैक्षणिक महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, तार्किक क्षमता, समस्या समाधान कौशल, टीमवर्क, संवाद कौशल एवं व्यावहारिक ज्ञान का विकास होता है।

उन्होंने कहा कि इस पद्धति में छात्र केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वास्तविक जीवन से जुड़े विषयों पर कार्य करते हुए सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाते हैं। कार्यशाला के दौरान जिला एवं प्रखंड स्तर पर गठित तकनीकी टीम की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। पिछले माह जिले में पीबीएल कार्यक्रम के तहत हुए कार्यों एवं उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट आधारित गतिविधियों के बेहतर संचालन, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण परियोजनाओं के चयन एवं मूल्यांकन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इसके अलावा शिक्षकों को दीक्षा पोर्टल के प्रभावी उपयोग, माइक्रो इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (एमआईपी) की रूपरेखा तैयार करने तथा विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यशाला में विभिन्न उदाहरणों एवं गतिविधियों के माध्यम से यह बताया गया कि सीमित संसाधनों में भी विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा से कैसे जोड़ा जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए तथा विद्यालयों में पीबीएल कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू करने का संकल्प लिया।

एनकाउंटर मामले की जांच में आरा पहुंचे पूर्व जज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। शाहपुर के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर केस की न्यायिक जांच शुरू हो गई है। जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के अध्यक्ष सह पटना उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा बुधवार को पहली बार आरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 17 जून को शाहपुर के बिलौटी गांव में एनकाउंटर की घटना का क्या औचित्य था और उसके लिए जिम्मेदार कौन है? इन्हीं दो प्रमुख बिंदु पर जांच होगी।

उन्होंने कहा कि किन कारणों से या किसी परिस्थिति में घटना हुई तथा घटना के औचित्य-पुलिस कार्रवाई तथा उसके उत्तरदायित्व का निर्धारण करने के लिए ही आयोग का गठन हुआ है। कुछ इंफ्रास्ट्रक्चर की आयोग को जरूरत थी, जिसमें विलंब के कारण घटना की जांच शुरू होने में थोड़ी देर के लिए विलंब हुआ, परंतु अब इसमें तेजी आ गई है।

घटना से जुड़े गवाहों को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुधवार को सम्मन जारी किया गया है। आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि जल्द से जल्द महत्वपूर्ण गवाही करा कर अंतरिम रिपोर्ट देने का प्रयास करूंगा। पत्रकारों के द्वारा आयोग के जांच की अवधि पूछे जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि कम से कम छह माह का समय रहता है, परंतु आवश्यक्तानुसार जरूरत पड़ने पर उसका समय बढ़ाया भी जा सकता है।

हमारा प्रयास रहेगा की निर्धारित समय के अंदर ही रिपोर्ट सौंप दी जाए। उन्होंने कहा कि समय-समय पर इस मामले में आप सभी को भी अपडेट जानकारी दी जाएगी।

पहली बार आयोग के अध्यक्ष अपने कार्यालय भवन जिला पंचायत संसाधन केंद्र जो जिला शिक्षा कार्यालय परिसर में है, बुधवार की दोपहर पहुंचे। इसे लेकर जिला मुख्यालय में प्रशासनिक सरगर्मी तेज रही। एक तरफ जहां पटना प्रमंडल के कमिश्नर मयंक बड़बड़े पहुंचे थे, वही डीआईजी सत्य प्रकाश, डीएम तनय सुल्तानिया समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

फसल क्षति का सही आकलन करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई: श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

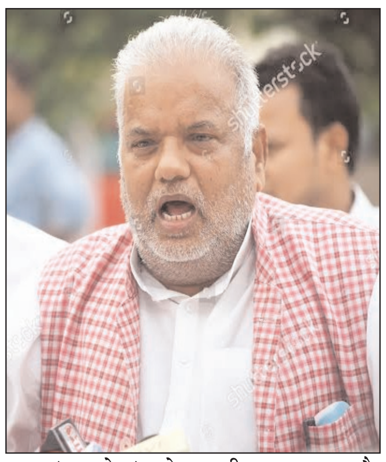

पटना/राजगीर। ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि फसल क्षति की स्थिति में मुआवजे की रिपोर्ट पूरी पारदर्शिता और सही आकलन के आधार पर तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि आपदा पीड़ितों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। श्रवण कुमार बुधवार को राजगीर प्रखंड के बिरजू बीघा गांव में अग्निकांड से प्रभावित गेहूं की फसल के नुकसान की प्रतिपूर्ति के लिए मुआवजा राशि का चेक वितरित करने पहुंचे थे। इस दौरान लाभुकों ने शिकायत की कि कर्मचारियों ने फसल क्षति का कम आकलन किया, जिसके कारण उन्हें कम मुआवजा मिला। इस पर मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री, जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार का स्पष्ट मानना है कि सरकारी खजाने पर आपदा पीड़ित परिवारों का पहला अधिकार है और इस सिद्धांत का हर हाल में पालन होना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की समीक्षा कर जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। राजगीर प्रखंड कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में श्रवण कुमार ने नौ लाभुकों के बीच कुल 59,112 रुपये के मुआवजा चेक वितरित किए। लाभुकों में बिरजू बीघा और गोपडीहा गांव के टुनटुन सिंह, बच्चु सिंह, मनीष कुमार, धीरज सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह और यादु ठाकुर सहित अन्य किसान शामिल थे। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी एजाज आलम, जयराम सिंह, आरओ पदाधिकारी सुरभि कुमारी, वार्ड पार्षद मीरा देवी, जनता दल (यूनाइटेड) नेता मुन्ना कुमार तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण और किसान उपस्थित रहे।

पीएम गतिशक्ति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पटना में जागरूकता कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उद्योग विभाग, बिहार सरकार की ओर से पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, स्टेट मास्टर प्लान और डिस्ट्रिक्ट मास्टर प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों की क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से बीरसैक ऑडिटोरियम, तारामंडल, पटना में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ उद्योग विभाग के निदेशक (एमएसएमई) अमन समीर और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बीआईएसएजी-एन के अतिरिक्त निदेशक विजय सिंह, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत बीसीएसटी/बीरसैक के प्रोजेक्ट डायरेक्टर मंजीत कुमार, बीआईएसएजी-एन के प्रोजेक्ट मैनेजर सुमित कुमार प्रजापति, सीनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर दीप पटेल तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अमन समीर ने कहा कि पीएम गतिशक्ति एकीकृत अवसंरचना विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जो परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, बेहतर समन्वय और विकास कार्यों में गति लाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी विभागों से इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने की अपील की। विजय सिंह ने पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के विजन, उद्देश्यों और उपयोगिता पर विस्तृत प्रस्तुति देते हुए बताया कि यह प्लेटफॉर्म डेटा आधारित योजना निर्माण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और विभागों के बीच समन्वित निर्णय प्रक्रिया को मजबूत बनाता है। तकनीकी सत्र में सुमित कुमार प्रजापति ने जन परिचय और सिंगल साइन-ऑन प्रणाली का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को डेटा अपलोड मैनेजमेंट सिस्टम, बिहार स्टेट मास्टर प्लान पोर्टल, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सोशल सेक्टर के विभिन्न उपयोग मामलों तथा एरिया डेवलपमेंट डिस्ट्रिक्ट मास्टर प्लान के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी भी दी गई। कार्यशाला का आयोजन बीआईएसएजी-एन, गुजरात और बीरसैक, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य अधिकारियों को पीएम गतिशक्ति प्लेटफॉर्म की कार्यप्रणाली, डिजिटल उपकरणों और समन्वित अवसंरचना नियोजन की प्रक्रियाओं से परिचित कराना था।

सीसीए नियमावली-2005 के गहन अध्ययन पर जोर, कृषि अधिकारियों को प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकारी सेवक वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील (सीसीए) नियमावली-2005 के प्रावधानों की जानकारी देने के लिए बुधवार को कृषि अनुमंडल पदाधिकारियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। सामान्य प्रशासन विभाग के अंतर्गत मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय की ओर से दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान के सभागार में आयोजित कार्यशाला में महानिदेशक-सह-मुख्य जांच आयुक्त दीपक कुमार सिंह ने अधिकारियों को अनुशासनिक कार्रवाई में नियमों के शत-प्रतिशत पालन का संदेश दिया। दीपक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार सेवा के सभी पदाधिकारियों के लिए सीसीए नियमावली-2005 का गहन अध्ययन आवश्यक है। इससे सरकारी सेवकों के विरुद्ध की जाने वाली अनुशासनिक कार्रवाई त्रुटिरहित होगी और सरकार पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी कम होगा। उन्होंने बताया कि बिहार सरकारी सेवा आचार नियमावली और सीसीए नियमावली-2005 सभी सेवाओं एवं संवर्गों पर समान रूप से लागू होती है। अधिकारियों से प्रशिक्षण में मिली जानकारी को व्यवहार में लागू करने और सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई पुस्तक, मास्टर सर्कुलर तथा चेकलिस्ट का गंभीरता से अध्ययन करने का आग्रह किया।

गुरुजी महाराज के जन्मदिवस पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, प्रो. रणबीर नंदन ने लिया आशीर्वाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के ज्ञान भवन में गुरुजी का आश्रम (बड़े मंदिर, दिल्ली) की ओर से गुरुजी महाराज के जन्मदिवस पर भव्य सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन शामिल हुए और गुरुजी महाराज के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जन्मोत्सव के अवसर पर सत्संग, शब्दवाणी, जन्मदिन समारोह और श्रद्धालुओं के लिए लंगर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। ज्ञान भवन में आयोजित इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में गुरुजी महाराज के जीवन, उनके संदेश और मानव सेवा की भावना पर विशेष चर्चा हुई। सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं ने शब्दवाणी का श्रवण किया और गुरुजी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जन्मदिवस के अवसर पर केक काटकर उत्सव मनाया गया। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं के बीच लंगर का प्रसाद वितरित किया गया। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि गुरुजी महाराज ने अपने जीवन के माध्यम से समाज को प्रेम, सेवा, करुणा और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरुजी किसी एक वर्ग या समुदाय के नहीं, बल्कि पूरी मानवता के मार्गदर्शक रहे। उनके बताए रास्ते पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि गुरुजी का संदेश लोगों को आपसी सद्भाव, निस्वार्थ सेवा और मानव कल्याण के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सहयोग की भावना विकसित करने का अवसर देते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से गुरुजी के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का भी आहवान किया। कार्यक्रम के दौरान गुरुजी के अनुयायियों ने भजन-कीर्तन और सत्संग में हिस्सा लिया। पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने गुरुजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। आयोजकों के अनुसार गुरुजी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर हर वर्ष इसी तरह का सत्संग आयोजित किया जाता है।

भाजपा प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

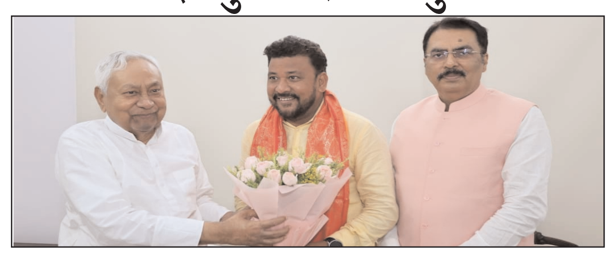

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान नीतीश कुमार ने अभिषेक कुमार सिन्हा को आगामी विधानसभा उपचुनाव के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। उन्होंने अभिषेक कुमार सिन्हा को आशीर्वाद दिया और उपचुनाव में प्रचंड विजय की शुभकामनाएं भी दीं। साथ ही अग्रिम जीत की बधाई देकर उनके सफल राजनीतिक जीवन की अपेक्षा व्यक्त की। यह मुलाकात बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक के दौरान भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की एकजुटता का भी संदेश दिया

उद्यमियों के हितों और औद्योगिक विकास पर मंथन, उद्योग मंत्री ने दिए कार्रवाई के निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को बिहार राज्य उद्यमी एवं व्यवसायी आयोग की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य में उद्योगों के विकास, उद्यमियों के हितों के संरक्षण तथा निवेश और व्यवसाय के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान बिहार राज्य उद्यमी एवं व्यवसायी आयोग के अध्यक्ष सुरेश रूंगटा ने उद्यमियों के हित में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने उद्यमियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, भूमि आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, बैंकों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने, उद्यमियों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निवारण की व्यवस्था विकसित करने, स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने पर जोर दिया। श्रेयसी सिंह ने आयोग के सुझावों का स्वागत करते हुए संबंधित अधिकारियों को इन बिंदुओं पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्यमियों के लिए बेहतर औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने और उद्योगों के समग्र विकास को गति देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। बैठक में आयोग के उपाध्यक्ष अरविंद कुमार निराला, सदस्य गणेश साव, रोहित चन्द्रा, कमलजीत सिंह, किरण गुप्ता, आलोक कुमार भगत और मुकुल कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा उद्योग निदेशक-सह-सदस्य सचिव, उद्योग विभाग के अपर सचिव अनिल कुमार तथा विभाग के अन्य अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।

बिहार की नर्सरियां बनेंगी गुणवत्ता, नवाचार और रोजगार का राष्ट्रीय केंद्र : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की नर्सरियों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण, तकनीक-सक्षम एवं राष्ट्रीय स्तर का पहचान दिलाने के उद्देश्य से आज कृषि विभाग के सभागार में कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य के नर्सरी संचालकों, किसानों, उद्यमियों एवं अन्य हितधारकों के साथ विस्तृत संवाद किया। बैठक में नर्सरी क्षेत्र के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन, आधुनिक तकनीकों के विस्तार, प्रमाणन व्यवस्था तथा किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार बिहार की नर्सरियों को केवल पौध उत्पादन का केंद्र नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, उद्यमिता, हरित अर्थव्यवस्था और किसानों की आय वृद्धि का मजबूत आधार बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि बागवानी क्षेत्र में बिहार के पास असीम संभावनाएं हैं और यदि गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन एवं आधुनिक प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाए तो राज्य राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकता है।

टीबी मुक्त भारत अभियान अब बनेगा जन आंदोलन : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा टीबी उन्मूलन को लेकर बुलाई गई हाई लेवल बैठक के निर्णयों का स्वागत किया है। देश से टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए युवाओं, मेडिकल छात्रों, एनसीसी कैडेट्स और रक्षा कर्मियों को इस अभियान से जोड़ना एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा देश के युवाओं की शक्ति पर भरोसा जताया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के ऊर्जावान नेतृत्व में बिहार का स्वास्थ्य विभाग पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है। केंद्र सरकार की 'टीबी मुक्त भारत टोली मॉडल' और 'लीड निक्षय मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम' को बिहार में पूरी ताकत के साथ धरातल पर उतारा जा रहा है जिससे राज्य में टीबी के मामलों में तेजी से गिरावट आ रही है। श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 'टीबी मुक्त भारत अभियान' को एक सरकारी कार्यक्रम से ऊपर उठाकर अब एक राष्ट्रव्यापी 'जन-आंदोलन' का रूप दिया जा रहा है जो बेहद सराहनीय है।

पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण से स्वच्छ पर्यावरण और सुदृढ़ ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। इ-20 एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर अनेक भ्रांतियां प्रचलित हैं। इन भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से तेल उद्योग की ओर से बिहार के राज्य स्तरीय समन्वयक (एसएलसी), बिहार ने सही तथ्यों एवं प्रामाणिक जानकारी को जनता के समक्ष प्रस्तुत किया है। पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण एक प्रभावी एवं दूरदर्शी पहल के रूप में उभर रहा है जो पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक सशक्तीकरण तथा ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पारंपरिक पेट्रोल में पौधों से प्राप्त एथाइल अल्कोहल (एथेनॉल) का मिश्रण कर देश स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के साथ-साथ कच्चे तेल के आयात पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहा है।

कम उत्सर्जन से स्वच्छ वायु

एथेनॉल में ऑक्सीजन की उपस्थिति ईंधन के अधिक पूर्ण दहन में सहायक होती है। इसके परिणामस्वरूप वाहनों से निकलने वाले कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन तथा सूक्ष्म कणों (पार्टिकुलेट मैटर) के उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आती है। स्वच्छ दहन से शहरी क्षेत्रों में धुंध (स्मॉग) उत्पन्न करने वाले प्रदूषकों का उत्सर्जन भी घटता है जिससे वायु गुणवत्ता एवं जनस्वास्थ्य में सुधार होता है।

बेहतर इंजन प्रदर्शन

एथेनॉल की ऑक्टेन रेटिंग सामान्य पेट्रोल की तुलना में अधिक होती है। पेट्रोल में इसके मिश्रण से ईंधन की समग्र ऑक्टेन गुणवत्ता बढ़ती है जिससे इंजन की एंटी-नॉक क्षमता में सुधार होता है।

धनबाद मंडल संसदीय समिति की बैठक

सांसदों ने जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास में वृद्धि को लेकर दिये बहुमूल्य सुझाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। धनबाद मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक का आयोजन धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। बैठक में धनबाद मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता सांसद विष्णु दयाल राम द्वारा किया गया। सांसद ढुलू महतो, सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी तथा सांसद कालीचरण सिंह बैठक में उपस्थित हुए। साथ ही केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सांसद मनीष जायसवाल, सांसद डॉ. राजेश मिश्र, सांसद डॉ. सरफराज अहमद, सांसद छोटे लाल, सांसद आदित्य प्रसाद, सांसद प्रदीप कुमार वर्मा तथा सांसद महुआ माजी के प्रतिनिधि आज की बैठक में उपस्थित थे। सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास तथा यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये गए। सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं सांसद प्रतिनिधियों का स्वागत किया। महाप्रबंधक ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि धनबाद मंडल द्वारा यात्री सुविधा की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि धनबाद मंडल भारतीय रेल में माल लदान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी धनबाद मंडल द्वारा माल लदान एवं इससे प्राप्त आय दोनों में भारतीय रेल के सभी मंडलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ है। महाप्रबंधक ने सांसदों को अवगत कराया कि यात्री सुविधा के क्षेत्र में कार्य करते हुए गुरपा, पाथरडीह एवं कतरासगढ़ सहित 3 स्टेशनों पर उपरगामी पुल का निर्माण, 4 स्टेशनों के प्लेटफार्म का विस्तार एवं उच्चीकरण का कार्य पूरा किया गया है। कोडरमा, गोमोह एवं कतरासगढ़ स्टेशनों पर नये स्टेशन भवन का निर्माण किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए धनबाद एवं चोपन से भोपाल, धनबाद से पोत्तनूर, धनबाद से लोकमान्य तिलक टर्मिनल एवं धनबाद से भुवनेश्वर के नई ट्रेन सेवा की शुरूआत की गयी है। दानापुर-राजगीर के मध्य चल रही गाड़ी सं. 13233/34 का विस्तार कोडरमा तक किया गया है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 'सुविधा समागम' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में सीए निरंजन कुमार, क्षेत्रीय निदेशक की अध्यक्षता में सुविधा समागम का आयोजन किया गया। बैठक में बिहार क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को प्रदान किये जा रहे चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्येष्टि व्यय एवं प्रसूति व्यय से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत से चर्चा की गयी। इस अवसर पर 12 बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के विभिन्न समस्याओं, विशेषकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति से सम्बंधित मामलों के विषय में जानकारी ली गयी एवं मौके पर ही इसके निराकरण हेतु समुचित निर्णय किए गए। सुविधा समागम में उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को सूचित किया गया कि आपातकालीन स्थिति में निजी चिकित्सा संस्थानों में इलाज कराकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा करने पर उसे सरकारी दर से सीमित कर दावे का भुगतान किया जाता है इसलिए बीमाकृत व्यक्तियों को यह सलाह दिया गया कि गैर आपातकालीन के मामलों में कर्मचारी राज्य बीमा निगम आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ या कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा में पहले इलाज प्राप्त करें वहां चिकित्सा उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में ही निजी संस्थान में इलाज करायें।

पथ निर्माण विभाग ने की 133 परियोजनाओं की समीक्षा

समय पर गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पथ निर्माण मंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड (बीआरपीएनएनएल) मुख्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पथ निर्माण विभाग के सचिव, निगम के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, उप मुख्य अभियंता, मुख्यालय के पदाधिकारी तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के वरीय अभियंताओं ने भाग लिया। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन 14 मेगा परियोजनाओं सहित कुल 119 अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इनमें सासाराम बाईपास, पूर्णिया में महानंदा नदी पर 1180 मीटर लंबा उच्च स्तरीय पुल, सहरसा में कोसी नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं संपर्क पथ, सहरसा (बंगाली बाजार एलसी-31) रेलवे ओवर ब्रिज, सालेमपुर-राजगीर ग्रीनफील्ड फोर लेन सड़क, हिलसा पूर्वी बाईपास, सोन नदी पर पांडुका पुल, जनेश्वर मिश्र सेतु संपर्क सड़क, मधुबनी रेलवे ओवर ब्रिज (एलसी-39सी), मधुबनी रिंग रोड, छपरा डबल डेकर फ्लाईओवर, करबिगहिया फ्लाईओवर, अगुवानीघाट-सुल्तानगंज गंगा पुल तथा अगुवानीघाट विस्तारीकरण और मुंगेर बाईपास परियोजना शामिल हैं। समीक्षा के दौरान परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, निर्माण गुणवत्ता, भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृति, उपयोगिता स्थानांतरण, रेलवे समन्वय, डिजाइन अनुमोदन तथा अन्य तकनीकी बाधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज परियोजनाओं और मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा के तहत स्वीकृत योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

15 जुलाई तक ग्रामीण क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट लगाने का काम पूरा करें : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने राज्य की पंचायतों में मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत 15 जुलाई तक शेष सभी स्ट्रीट लाइटें लगाने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसमें कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बुधवार को विभागीय सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने विभागीय अधिकारियों और 26 एजेंसियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 जुलाई तक हर पंचायत में स्ट्रीट लाइट लगाकर योजना को पूर्ण रूप से लागू करना है। यह मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्राथमिकता वाली योजना है और इसे सफल बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

केवाइपी केंद्रों पर नामांकन ठप, बिहार के लाखों युवाओं का भविष्य अधर में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। संपूर्ण बिहार के लगभग 1,800 कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों पर लंबे समय से नामांकन एवं प्रशिक्षण कार्य बाधित रहने से लाखों युवाओं का भविष्य संकट में पड़ गया है। केंद्र संचालकों का कहना है कि नामांकन बंद होने के कारण न केवल युवाओं की कौशल शिक्षा प्रभावित हो रही है, बल्कि रोजगार की दिशा में उनका मार्ग भी अवरुद्ध हो गया है। केंद्र संचालकों के अनुसार इस गंभीर समस्या से संबंधित जानकारी युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, विभागीय मंत्री, विभाग के सचिव तथा बिहार सरकार के मुख्यमंत्री सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को कई बार लिखित एवं मौखिक रूप से दी जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। केंद्र संचालकों का आरोप है कि केवाईपी केंद्रों पर अघोषित रूप से नामांकन अवरुद्ध रखा गया है जिससे पूरे राज्य की कौशल विकास व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसका सीधा असर उन लाखों युवाओं पर पड़ रहा है जो निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि अविलंब केवाईपी केंद्रों पर नामांकन प्रक्रिया पुनः प्रारंभ की जाए, प्रशिक्षण कार्य को नियमित किया जाए तथा युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक प्रशासनिक निर्णय शीघ्र लिए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो इसका गंभीर सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव राज्य के युवाओं पर पड़ेगा।

CMYK

संपादकीय

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूलने पर अड़ा ईरान, टकराव की आशंका

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर नया विवाद सामने आया है। ईरान जहाजों से शुल्क वसूलने की योजना बना रहा है, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। यह मार्ग दुनिया के 25 प्रतिशत तेल और बड़ी मात्रा में गैस का प्रमुख रास्ता है।एक-दूसरे के खिलाफ तल्ख बयानबाजी के बावजूद अमेरिका और ईरान स्थायी शांति के लिए एक समझौते पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रयास में फिलहाल सबसे बड़ी अड़चन दिख रहा है होर्मुज स्ट्रेट पर तेहरान का दावा। ईरान का कहना कि वह इस समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलेगा, गतिरोध को बढ़ाने वाला है। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ तो है ही, इसे दुनिया में चिंता भी बढ़ेगी। चीन में ईरान के राजदूत अब्दोलरेजा रहमानी फजली ने कहा है कि होर्मुज से गुजरने के लिए जहाजों से फीस वसूली जाएगी। हालांकि चीन और दूसरे मित्र देशों को विशेष रियायत दी जा सकती है। फजली का बयान होर्मुज पर ईरान के रुख को दर्शाता है। टकराव के दौरान उसने इस रास्ते का इस्तेमाल अमेरिका व उसके सहयोगी देशों पर दबाव बढ़ाने के लिए किया था। अब वह चाहता है कि होर्मुज पर उसका नियंत्रण बना रहे। अमेरिका के साथ मौजूदा बातचीत शुरू करते समय भी उसने यही कहा था कि 60 दिनों तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच मौजूदा संघर्ष शुरू होने के पहले तक होर्मुज से मुक्त व्यापार होता था। और यही ग्लोबल इकॉनमी के हित में भी है। इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी के मुताबिक, दुनिया में समुद्र से होने वाला तेल का करीब 25 प्रतिशत व्यापार इसी मार्ग से होता है और इसमें से 80 प्रतिशत एशिया जाता है। करीब 20 प्रतिशत एलएनजी इस रास्ते से होकर गुजरती है। कतर और यूएई की तो 90 प्रतिशत से ज्यादा गैस यहीं से ट्रांसपोर्ट होती है। किसी भी तरह की फीस लेने से मुक्त आवाजाही पर असर पड़ सकता है। इससे सप्लाई चेन बाधित होगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके दुष्प्रभाव दिख सकते हैं।होर्मुज का रास्ता व्यापार के साथ वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए भी अहम है। कई देशों के हित यहां से जुड़े हैं। विकास के लिए निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति सबसे जरूरी शर्त है। ऐसे में अगर कोई देश होर्मुज पर नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश करता है, तो इससे टकराव बढ़ने की आशंका रहेगी। समुद्री कानून का सबसे पुराना और व्यापक रूप से स्वीकार किया जाने वाला सिद्धांत है - फ्रीडम ऑफ नेविगेशन। सन 1609 में डच विधिवेत्ता ह्यूगो ग्रोटियस ने इसे प्रस्तुत किया था और आज के अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों की यही बुनियादी अवधारणा है। भारत का भी हमेशा से रुख रहा है कि अंतरराष्ट्रीय जल मार्गों से मुक्त व्यापार होना चाहिए। किसी एक देश का वर्चस्व बाकी सभी के खिलाफ होगा।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुंएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

(योगेंद्र योगी)

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे।

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुंएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत–प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में ज़ोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं ज़ोन-5 में ज़्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाक़ा सीस्मिक ज़ोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज़ रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के क़रीब 59त्न भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक ज़ोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज़्यादा बताते हैं। ग़ौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक ज़ोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का ख़मियाज़ा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर ख़तरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज़्यादातर शहर हिमालय ज़ोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज़्यादा ख़तरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के ज़ोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले ज़ोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग ज़ोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीक़े से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हज़ार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ़ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं हैं, जहां की किसी भी तरह की इमरातें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निशमन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नही खुली।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेज विकास के बावजूद बढ़ रही हैं आर्थिक चुनौतियां, भारत की अर्थव्यवस्था पर नए सवाल

(पीएस वोहरा)

वर्तमान में भारत का निफ्टी आईटी सूचकांक 22 फीसद से अधिक गिर चुका है। यह कमजोरी केवल बाजार का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि एआई के क्षेत्र में तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बदलते वैश्विक परिदृश्य का संकेत भी है। सबसे ज्यादा प्रभाव भारतीय रुपये पर पड़ा है। अप्रैल 2025 में लगभग 85 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर रहने वाली मुद्रा एक वर्ष के भीतर करीब 96 रुपए प्रति डॉलर तक पहुंच गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के परिणामों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी देश की आर्थिक क्षमता पर विश्वास को मजबूत किया है। मार्च 2026 को समाप्त आखिरी तिमाही में लगभग 7.8 फीसद की विकास दर दर्ज होना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह उस आर्थिक लचीलेपन का प्रमाण है, जिसने अप्रत्याशित अमेरिकी शुल्क की अधिकतम दरों और फिर अमेरिका-इजराइल तथा ईरान युद्ध के बावजूद स्थिति को संभाले रखा। इन दोनों परिस्थितियों ने ऊर्जा संकट और वित्तीय निवेश संबंधी चिंताओं को बढ़ा दिया और यह स्थिति वर्तमान समय तक बनी हुई है। इन वैश्विक झटकों के बाद भी अगर भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने विकास की गति को बनाए रखा है, तो यह आर्थिक नीतियों में भावी संभावनाओं के मद्देनजर किए गए बदलावों का असर हो सकता है, जैसे–जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाना और विभिन्न विकसित देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते। मगर इन सब प्रयासों के बीच कुछ ऐसे प्रश्न भी उभर रहे हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की सकारात्मक तस्वीर को और मजबूती भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हाल की मौद्रिक नीति समीक्षा से भी मिली है। आरबीआई ने एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए आर्थिक गतिविधियों को अनावश्यक दबाव से बचाने का प्रयास किया है। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद रेपो दर को 5.25 फीसद पर स्थिर रखना यह संकेत देता है कि केंद्रीय बैंक केवल महंगाई को नहीं, बल्कि लोगों के हाथ में वित्तीय तरलता की आवश्यकताओं को भी समान महत्व दे रहा है। विशेष रूप से ऐसे समय में, जब पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में लगातार वृद्धि ने घरेलू बजट और व्यावसायिक लागतों पर दबाव बढ़ाया है। यह निर्णय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्त्वपूर्ण सहारा माना जा सकता है। आरबीआई की ओर से विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश पर पूंजीगत लाभ कर संबंधी सौ फीसद राहत का निर्णय भी नीतिगत दृष्टि से बहुत उल्लेखनीय माना जाना चाहिए। इससे अनुमानित पचास अरब डॉलर तक की विदेशी पूंजी भारतीय ऋण बाजार की ओर आकर्षित होगी। यह केवल निवेश का प्रवाह नहीं होगा, बल्कि रुपये की स्थिरता, विदेशी मुद्रा भंडार की मजबूती और दीर्घकालिक वित्तीय संतुलन की दिशा में भी एक अहम कदम साबित हो सकता है। आरबीआई के ये कदम यकीनन आने वाले वर्षों में रुपये के मूल्य में स्थिरता के लिए मजबूत नींव का काम करेंगे। अर्थव्यवस्था को लेकर कई सवालों पर गंभीरता से विचार की जरूरत है देश की अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक आंकड़ों और नीतिगत प्रयासों के बीच कुछ ऐसे सवाल भी उभर रहे हैं, जिन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। मसलन, फरवरी 2026 में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव और बाद में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित किया। युद्ध से पहले लगभग साठ डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने वाला कच्चा तेल बढ़कर लगभग 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। परिणामस्वरूप इसने देश का आयात खर्च बढ़ा दिया और उससे चालू खाता घाटा भी बढ़ेगा ही। वर्तमान समय के अनुमानों के अनुसार, इसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.50 फीसद तक पहुंचने की संभावना बन गई है, जिसे बजट में सरकार ने 0.50 फीसद के आसपास माना था। इसी कारण सरकार ने देश के नागरिकों से तेल का कम उपयोग करने तथा सोने की खरीद से एक साल तक परहेज करने की सलाह दी। फिर एकाएक सोने पर सीमा शुल्क 11 फीसद कर दिया और अब तक चार दफा पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में बढ़ोतरी की। हालांकि यह बढ़ोतरी अभी तक दस रुपए प्रति लीटर से कम ही है, पर घरेलू गैस सिलेंडर के मूल्यों में एक बार 29 रुपए और फिर 60 रुपए भी बढ़ाए गए, जो महंगाई के रूप में आम जनता को प्रभावित कर रहा है। इसके अलावा, सबसे ज्यादा प्रभाव भारतीय रुपये पर पड़ा है। अप्रैल 2025 में लगभग 85 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर रहने वाली मुद्रा एक वर्ष के भीतर करीब 96 रुपए प्रति डॉलर तक पहुंच गई। लगभग 13 फीसद की यह कमजोरी पिछले कई दशकों में देखे गए रुपये के प्रमुख अवमूल्यनों में से एक मानी जा सकती है। यही कारण है कि मजबूत विकास दर के बावजूद भारत की गिनती पुन- विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में की जाने लगी है।

रील के जुनून में रिश्ते क्यों हो रहे हैं कमजोर, शादी-ब्याह तक पहुंचा सोशल मीडिया का असर

आभासी दुनिया के अत्यधिक इस्तेमाल से लोग अब अपने वास्तविक सामाजिक और पारिवारिक जीवन से दूर होने लगे हैं। इससे जहां अकेलापन और संवादहीनता बढ़ती जा रही है, वहीं मौलिक सृजनात्मकता और भरोसे का संकट भी पैदा हो रहा है। यह केवल मानवीय मनोभावों के मोर्चे पर पिछड़ने का सवाल नहीं है, बल्कि स्क्रीन के संसार में उपस्थिति दर्ज करवाने की सनक संबंधों में दरार से लेकर हिंसक बर्ताव और आपराधिक घटनाओं तक, हर पहलू से घातक सिद्ध हो रही है।

(मोनिका शर्मा)

पिछले दिनों हरियाणा के कैथल में एक घटना सामने आई। यहां दुल्हन जयमाला की रस्म के दौरान बहुत देर तक नृत्य करने और सोशल मीडिया के लिए 'रील' बनाने में व्यस्त रही। बार-बार बुलाने के बाद भी दुल्हन जब मंच पर नहीं पहुंची, तो दूल्हा बिना शादी किए बारात लेकर लौट गया।'रील' बनाने का जुनून अपनी ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद अन्य लोगों के लिए भी असुरक्षा और असहजता का कारण बन रहा है।

आभासी दुनिया के अत्यधिक इस्तेमाल से लोग अब अपने वास्तविक सामाजिक और पारिवारिक जीवन से दूर होने लगे हैं। इससे जहां अकेलापन और संवादहीनता बढ़ती जा रही है, वहीं मौलिक सृजनात्मकता और भरोसे का संकट भी पैदा हो रहा है। यह केवल मानवीय मनोभावों के मोर्चे पर पिछड़ने का सवाल नहीं है, बल्कि स्क्रीन के संसार में उपस्थिति दर्ज करवाने की सनक संबंधों में दरार से लेकर हिंसक बर्ताव और आपराधिक घटनाओं तक, हर पहलू से घातक सिद्ध हो रही है।

'रील' बनाने का जुनून अपनी ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद अन्य लोगों के लिए भी असुरक्षा और असहजता का कारण बन रहा है। गांवों से लेकर महानगरों तक आभासी दुनिया के जाल में फंसे लोगों की सोच और मनोभाव किस दिशा में जा रहे हैं, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

पिछले दिनों हरियाणा के कैथल में एक घटना सामने आई। यहां दुल्हन जयमाला की रस्म के दौरान बहुत देर तक नृत्य करने और सोशल मीडिया के लिए 'रील' बनाने में व्यस्त रही। बार-बार बुलाने के बाद भी दुल्हन जब मंच पर नहीं पहुंची, तो दूल्हा बिना शादी किए बारात लेकर लौट गया। देखने-सुनने में यह एक सहज घटना लगती है, पर वास्तव में यह सोशल मीडिया की लत की कड़वी हकीकत बताती है। हाल के वर्षों में ऐसी बहुत-सी घटनाएं आभासी मंच पर जीवन के हर पल को परोसने के जुनून में सामाजिक-पारिवारिक संस्कारों से बढ़ती दूरी को दर्शाती हैं।

सूखती संवेदनाओं के साथ ही 'रील' बनाने के मामले यहां तक कि जीवन छिन जाने और मुकदमेबाजी का कारण भी बन रहे हैं। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश में 'रील' बनाने से नाराज पति को छोड़कर एक महिला मायके चली गई। इस मामले का एक पक्ष यह रहा कि पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। जांच में पता चला कि मामला सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहने के कारण उपजे आपसी मतभेद से जुड़ा था।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि गिनती के पलों में कुछ विशेष परोसने के फेर में व्यक्तिगत जीवन में कुछ भी व्यक्तिगत नहीं रहा है। वैवाहिक आयोजन भी अब सोशल मीडिया में प्रचार का साधन बन गए हैं। ऐसे में बहुत से दूल्हा-दुल्हन आभासी दुनिया के लिए सामग्री तैयार करने में व्यस्त

रहते हैं और वास्तविक जीवन से जुड़े सगे-संबंधियों को भी नजरअंदाज कर देते हैं। तकनीक के फेर में फंसकर शादी के लम्हों को सहेजने से जुड़े पारंपरिक रीति-रिवाजों की असली रौनक और महत्त्व कम होते जा रहे हैं। विवाह के वीडियो के जरिए सोशल मीडिया में छा जाने का जुनून ऐसा है कि इसके लिए बाकायदा पहले से तैयारी की जाती है। दूल्हा-दुल्हन ही नहीं, बल्कि करीबी रिश्तेदार और मित्र भी ऐसे वीडियो की पहुंच और प्रभाव बढ़ाने के लिए आभासी दुनिया में नए चलन को लेकर सजग रहने लगे हैं।

इसके विपरीत पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत सार्थक संवाद के जरिए परिवारजनों से मिली छोटी-छोटी समझाइशें दिखावे से परे नए रिश्ते को मन से अपनाने की राह दिखाती हैं। शादी में शामिल होने आए सगे-संबंधियों से मेल-मिलाप के लिए समय निकालना सामाजिक परिवेश से जोड़ता है। मगर आज के समय में 'रील' बनाने की व्यस्तता स्नेह-शुभकामनाएं देने पहुंचे लोगों की उपेक्षा का कारण बन रही है।

यह समझना आवश्यक है कि विवाह समारोह में वरमाला हो या विदाई की रस्म, हर रिवाज के साथ बहुत से भावनात्मक और सांस्कृतिक पक्ष भी जुड़े होते हैं। मनोवैज्ञानिक अध्ययन भी बताते हैं कि संवेदनाओं के धरातल पर पारंपरिक रीति-रिवाजों को निभाने से मन में सकारात्मक जुड़ाव की अनुभूति को बल मिलता है।

इस सच्चाई को समझना जरूरी है कि सिर्फ चंद पलों को कैमरे में कैद कर लेने से उम्रभर के संबंध को मजबूती नहीं मिल पाती है। बिखरते वैवाहिक संबंधों के बढ़ते आंकड़े इस हकीकत को सामने रखते हैं। फिर भी जमीनी जुड़ाव और परंपरागत शैली में होने वाली भारतीय शादियों पर 'रील' की आभासी दुनिया हावी होती नजर आती है। शादी समारोह में सब कुछ सहेजकर संसार को दिखाने का जाने कैसा जुनून है कि कोने-कोने की सजावट, दूल्हा-दुल्हन की पोशाक, गहने, भोजन और मेहमानों तक को इसमें शामिल किया जाता है।

यह चिंताजनक है कि इंटरनेट की असीमित दुनिया से जुड़े जोखिमों के बावजूद लोग अपनी व्यक्तिगत जानकारियां भी आभासी दुनिया में साझा करने से गुरेज नहीं करते। अर्थहीन दिखावे के इस बोझ के नीचे दबकर असली जीवन का प्रेमपगा साथ गुम होता जा रहा है। 'स्क्रीन' में सब कुछ सहेजने के चलन में इंसानी मन ने कुछ सहेजना ही बंद कर दिया है। इसलिए वैवाहिक जीवन के द्वार पर दस्तक देते हुए 'रील' को आकर्षक और कलात्मक बनाने के बजाय भावी जीवन को सुंदर एवं स्नेहमयी बनाने की सोच जरूरी है।

अपनी खुशियों को खुद ही परेशानियों के स्याह घेरे में लाने वाले इस चलन पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। तकनीक से घिरते जीवन में यह आवश्यक हो गया है कि मधुर स्मृतियों का लेखा-जोखा आभासी मंच पर नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में मन के संदूक में संचित होना चाहिए। यह समझना मुश्किल नहीं है कि ऐसे भाव-चाव किसी वीडियो में समेटने भर के लिए नहीं होते। बिखरते सामाजिक मूल्यों और रिश्तों में बढ़ती कड़वाहट के मौजूदा हालात में आवश्यक है कि रीति-रिवाज, आपसी मेलजोल और संवाद का पुराना भाव फिर लौटे, ताकि जीवन के खास अवसरों पर दिखावे की चकाचौंध के बजाय आपसी स्नेह और सामाजिक-पारिवारिक मेल का भाव नजर आए।

नगर निगम ने चलाया अस्थायी अतिक्रमण हटाओ अभियान

25,500 जुमार्ना वसूला गया : नगर आयुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । नगर निगम कटिहार की ओर से शहर को अतिक्रमण मुक्त एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को विशेष अस्थायी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान नगर निगम गेट से शुरू होकर सदर अस्पताल, कालीबाड़ी, हल्का कचहरी, बिनोदपुर रोड होते हुए पुनः नगर निगम कार्यालय तक संचालित किया गया। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान सड़क एवं फुटपाथ पर अस्थायी अतिक्रमण कर यातायात और आमजन की आवाजाही में बाधा उत्पन्न करने वाले दुकानदारों एवं अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों से ₹25,500 पच्चीस हजार पाँच सौ रुपये का जुमार्ना भी वसूला। नगर निगम प्रशासन ने सभी दुकानदारों एवं नागरिकों से अपील की कि वे सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण न करें तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुगम बनाए रखने में सहयोग करें। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में भी इस प्रकार का अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह, सीटी मैनैजर ज्योति कृष्णमुर्ति, स्वच्छता पदाधिकारी कैलाश चौधरी, राहुल कुमार, नुर अली खान, परवेज सलीम, मुकेश महतो, अमरेन्द्र झा, अभिषेक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

रेलवे वीआईपी गेट के पास से हीरो ग्लैमर बाइक चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेलवे स्टेशन के वीआईपी गेट के समीप से एक हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल जिसका नंबर बीआर 39 ए ए 2642 है। मंगलवार को चोरी हो जाने का मामला प्रकाश में सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित अधिवक्ता सह पत्रकार यशस्वी कुमार ने रेल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बाइक की बरामदगी की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार उन्होंने अपनी हीरो ग्लैमर बाइक रेलवे वीआईपी गेट के पास खड़ी की थी और रेलवे कोर्ट में बहस करने गए थे। वही वापस कुछ समय बाद लौटने पर बाइक वहां से गायब मिली। आसपास काफी खोजबीन करने और लोगों से पूछताछ के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं मिल सका।घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ विभाग को सूचित करते हुए रेल थाना कटिहार में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई एवं बाइक की शीघ्र बरामदगी की मांग की गई है।

पुलिस केन्द्र में सिपाहियों का बुनियादी प्रशिक्षण संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला पुलिस केन्द्र कटिहार स्थित सिपाही प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्णिया पुलिस बल के सिपाहियों का बुनियादी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न होने पर भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक पूर्णिया प्रक्षेत्र विवेकानंद ने दीक्षांत परेड का निरीक्षण किया। प्रशिक्षित जवानों को सत्यनिष्ठा, अनुशासन और कर्तव्यपरायणता के साथ राष्ट्र सेवा, जनसुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की शपथ दिलाई।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएम आशुतोष द्विवेदी एवं एसपी परिचय कुमार उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सिपाहियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुलिस सेवा में अनुशासन, ईमानदारी और जनसेवा की भावना सर्वोपरि है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण अवधि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रशिक्षण कार्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पुलिस उपाधीक्षक रक्षित, पुलिस निरीक्षक, प्रचारी प्रवर, पुलिस अवर निरीक्षक एवं सभी प्रशिक्षक अनुदेशकों को भी प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। दीक्षांत परेड का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित अतिथियों ने सभी नवप्रशिक्षित जवानों के उज्ज्वल भविष्य एवं सफल सेवाकाल की शुभकामनाएं दीं।

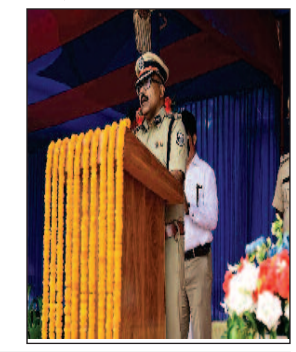

संक्षिप्त समाचार

डीएम एसपी ने गोरखनाथ धाम मंदिर में की समीक्षात्मक बैठक

सालमारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बाबा गोरखनाथ धाम में बुधवार को जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, एसपी परिचय कुमार ने पदाधिकारी एवं कमेटी सदस्यों के साथ आगामी श्रावणी

मेले के शांतिपूर्ण,सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा एवं विधि-व्यवस्था बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और विभिन्न विभागों के समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा की। श्रावण मास में लाखों श्रद्धालु मनिहारी गंगा घाट से पवित्र गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा करते हुए गोरखनाथ धाम पहुंचते हैं और बाबा गोरखनाथ का जलाभिषेक करते हैं। बैठक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त अमित कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी बारसोई राजू कुमार, डीसीएलआर बारसोई, बीडीओ आजमनगर सरोज कुमार, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता, जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी तथा मंदिर समिति के सदस्य मौजूद रहे।मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वास्थ्य शिविर, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, अस्थायी शौचालय, पार्किंग, ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मांग रखी। इस पर जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।कमेटी के सचिव पिंटू यादव ने कहा की आगामी श्रावण पूर्णिमा सहित सावन के प्रथम सोमवारी से लेकर अंतिम सोमवारी तक की तैयारी अंतिम चरण में है। इस अवसर पर सालमारी थाना अध्यक्ष कुमारी जुली सहित अन्य मोके पर उपस्थित रहे।

लघु जल संसाधन मंत्री को मांग पत्र सौंपा

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हिन्दुस्तान आवामी मोचार्सेकुलर के मनिहारी प्रखंड अध्यक्ष जय प्रकाश यादव ने लघु जल संसाधन मंत्री बिहार सरकार से मिलकर क्षेत्र की जन समस्यांओं की चर्चा की। मांग पत्र सौंपा। समर्पित मांग पत्र के माध्यम से श्री यादव ने मनिहारी साहिबगंज के बीच नदी मार्ग में लम्बे समय से बाधित फेरी यात्री सेवा बहाल किये जाने की मांग की है। कहा है कि फेरी सेवा बंद रहने से ऊफनती नदी में लोग जान हथेली पर लेकर पार उतरने को विवश है। जानकारी दी बार बार जिला प्रशासन सहित अन्य मंचों पर इस समस्या को रखे जाने के बाद भी उदासीनता बरती जा रही है । श्री यादव ने यथाशीघ्र यात्री फेरी सेवा बहाली की मांग की है।

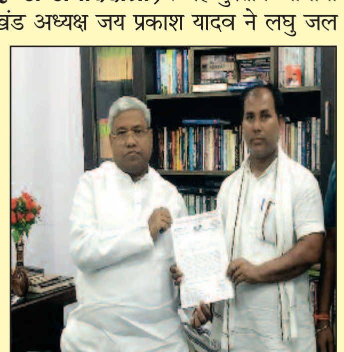

सिरनियां पूरब पंचायत में कृषक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कृषि विभाग एवं आत्मा के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सिरनियां पूरब पंचायत स्थित मनरेगा भवन में प्रखंड स्तरीय कृषक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम

का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी राजीव कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने किसानों को फार्मर रजिस्ट्रेशन कराने के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि मृदा जांच के बाद ही संतुलित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। साथ ही खेतों में जैविक उर्वरकों के अधिक प्रयोग पर बल देते हुए कहा कि इससे फसल उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है। उन्होंने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों की रोकथाम के लिए जैविक घोल के उपयोग की भी सलाह दी।आत्मा के परियोजना उपनिदेशक शशिकांत झा ने किसानों को बताया कि आत्मा के माध्यम से अन्न, फल, दूध, मत्स्य पालन सहित अन्य कृषि आधारित गतिविधियों में आधुनिक तकनीक एवं नई कृषि तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में प्रखंड स्तरीय कृषि विभाग के पदाधिकारी, कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में युवक के दोनों पैर कटे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। बारसोई कुमेदपुर रेलखंड पर खुड़ियाल रेलवे स्टेशन के समीप बुधवार को एक यात्री दर्दनाक रेल हादसे का शिकार हो गया । बताया जाता है कि पुरी कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 15639 से चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसके दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

रेलवे आरपीएफ एवं स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल व्यक्ति को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर पहुंचाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर में मौजूद चिकित्सक डॉ. चंद्रकांत मंडल ने घायल का प्राथमिक उपचार किया। उन्होंने बताया कि युवक के दोनों पैर गंभीर रूप से कट चुके हैं। फिलहाल रक्तस्राव पर नियंत्रण तो कर लिया गया है। लेकिन पैरों की स्थिति अत्यंत गंभीर है। बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल कटिहार रेफर किया गया है। चिकित्सक ने आशंका जताई कि घायल की जान बचाने के लिए दोनों पैर काटने पड़ सकते हैं। खुड़ियाल रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ कर्मियों ने बताया कि सूचना मिलते ही वे घटनास्थल पर पहुंचे। घायल व्यक्ति की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के इंग्लिश बाजार थाना क्षेत्र के नंबोई हथपरा गांव निवासी टिंकू ऋषि (30) के रूप में हुई है। घायल टिंकू ऋषि ने बताया कि वह पुरी कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन से अपने घर भालूका लौट रहा था। जिस ट्रेन से वह यात्रा कर रहा था। वह भालूका स्टेशन पर नहीं रुकी। इसके बाद जब ट्रेन खुड़ियाल रेलवे स्टेशन के समीप धीमी हुई तो उसने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन से नीचे गिर गया।

घास काटने गए अधेड़ का शव पोखर से बरामद, शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार) । प्रखंड क्षेत्र के रौनियां पंचायत में घास काटने के लिए घर से निकले एक अधेड़ का शव पोखर से बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।जबकि गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।जानकारी के अनुसार रौनियां पंचायत निवासी कैलाश यादव (54) सुबह करीब 10 बजे मवेशियों के लिए घास काटने घर से निकले थे। देर शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला।पूरी रात परिजन और ग्रामीण उनकी तलाश में जुटे रहे।मंगलवार को कुछ ग्रामीण खेत की ओर जा रहे थे।तब दुवेस्थान स्थित पोखर के समीप घास काटने वाला लोहे का कचिया और गमछा पड़ा हुआ देखा।

इसकी सूचना तत्काल पंचायत के सरपंच अमित कुमार यादव को दी गई। सूचना मिलते ही ग्रामीणों के सहयोग से पोखर में खोजबीन शुरू की गई। इसी दौरान पोखर में उगे जलकुंभी घेघवा के बीच कैलाश यादव का शव फंसा हुआ मिला।घटना की सूचना मिलते ही बरारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया।

कटिहार स्टेशन पर आरपीएफ का ऑपरेशन क्लीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे स्टेशन को अपराधमुक्त बनाने के उद्देश्य से कटिहार रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पीएस के निर्देशानुसार आरपीएफ ईस्ट पोस्ट कमांडर विक्रम कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान लगातार सफल साबित हो रहे हैं। महज तीन दिनों के भीतर आरपीएफ ने तीन अलग-अलग मामलों में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किया है। जानकारी के अनुसार आरपीएफ ने ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर भटक रहे 12 वर्षीय नाबालिग बालक को सुरक्षित रेस्क्यू कर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से बाल कल्याण समिति सीडब्ल्यूसी को सौंप दिया गया। इसके बाद आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त जांच के दौरान एक तस्कर को 64 बोतल प्रतिबंधित शराब 31 लीटर के साथ कटिहार जिला निवासी टुनटुन साह उर्फ मनोज कुमार साह को गिरफ्तार किया गया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 7,160 रुपये बताई गई है। आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया गया।जबकि आरपीएफ द्वारा बुधवार को चलाए गए विशेष अभियान में यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले कटिहार जिला निवासी तीन शातिर अपराधियों मो अमन, राज कुमार हारी, सजन हारी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 40 हजार रुपये मूल्य के तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि आरोपी ट्रेन खुलने के दौरान भोले भाले यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरफ्तार आरोपितों में दो का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है। आरपीएफ ईस्ट पोस्ट कमांडर विक्रम कुमार ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा, मानव तस्करी, नशे की तस्करी और चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आरपीएफ द्वारा रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। वही आरपीएफ इंस्पेक्टर विक्रम कुमार ने आम यात्रियों से भी किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल आरपीएफ को देने की अपील किया है।

आईसीटी के प्रयोग से छात्र छात्राएं हो रहे लाभान्वित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समेली (कटिहार)। उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय नवाबगंज की शिक्षिका कुमारी प्रिया हालदार के प्रयास से बच्चे केवल किताबों तक सीमित रहने के बजाय नए तरीकों से सीखने का अवसर मिल रहा है।विद्यालय में डिजिटल शिक्षा का बेहतर प्रयोग हो रहा है। कुमारी प्रिया अपने वर्ग कक्ष में पाठ्य सामग्री को डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत करती है, जिससे विद्यार्थियों में सीखने की रुचि बढ़ती है और कठिन विषयों को समझने में आसानी होती है ।

कुमारी प्रिया का मानना है कि तकनीक का सही उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए भी शिक्षा का नए द्वार खोल सकता है। गर्व की बात ये है कि पूरे बिहार में इसी विद्यालय के दो बच्चों का युनिसेफ की तरफ से दिल्ली से मेंटल हेल्थ सर्वे ऑनलाइन हुआ था। जिसमें बच्चे ऑनलाइन आकर जवाब दिये थे। बच्चों के इस कार्यक्रम से काफी हौसला मिला क्योंकि पहली बार ऑनलाइन होकर कुछ बताने का अवसर प्राप्त हुआ था। इसके पश्चात सेल्फ स्टीम कार्यक्रम भी डिजिटल माध्यम से किया जाता है। इसमें बच्चे काफी रुझान दिखाए और यह कार्यक्रम इतना अच्छा हुआ कि पूरे बिहार में कटिहार और पूर्णिया का चयन हुआ था। डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाने के लिए दिल्ली से यूनिसेफ की टीम आई थी। डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाने और यूनिसेफ की टीम बच्चों की काफी सराहना की थी।

एसीजेएम प्रथम मनीष कुमार का आकस्मिक निधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट। जिला व्यवहार न्यायालय में पदस्थापित सब जज सह एसीजेएम प्रथम मनीष कुमार के आकस्मिक निधन से बुधवार को न्यायिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। निधन की सूचना मिलते ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रणवीर सिंह सहित सभी न्यायिक पदाधिकारी सदर अस्पताल पहुंचे। जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम न्यायालय का कार्य एवं बैठक समाप्त होने के बाद मनीष कुमार अपने जजेस कॉलोनी स्थित सरकारी आवास लौटे थे। जहां वे अकेले रहते थे। बुधवार सुबह जब न्यायालय के कर्मचारी उनके आवास पहुंचे तो उन्हें अचेत अवस्था में देखा। फिर तत्काल उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके आंख के ऊपर चोट का एक निशान भी पाया गया। स्वर्गीय मनीष कुमार का चयन 28वीं बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा के माध्यम से हुआ था। उन्होंने 23 फरवरी 2017 को दानापुर में न्यायिक पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवा प्रारंभ की थी। उनका जन्म 13 जून 1980 को आरा में हुआ था। वे अपनी सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और निष्पक्ष कार्यशैली के लिए न्यायिक क्षेत्र में जाने जाते थे। उनके पीछे परिवार में उनकी पत्नी जो कि एक शिक्षिका है के अलावा एक 16 वर्षीय पुत्र और 8 वर्षीय पुत्री है। बाद में कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए प्रशासन द्वारा उनके शव को उनके परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। उनके निधन की सूचना पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महानंद यादव और सचिव विजय कुमार झा के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने शोक स्वरूप न्यायिक कार्य से स्वयं को अलग रखा। न्यायालय परिसर में पूरे दिन शोक का माहौल रहा और सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना किया।

ऑल इंडिया लोको रनिंग एंड स्टाफ एसोसिएशन के टीजीएम सह सेफ्टी सेमिनार में रेल सुरक्षा और कर्मचारी हितों पर मंथन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन की मंडल एवं शाखा त्रैवार्षिक आम सभा सह सेफ्टी सेमिनार का आयोजन बुधवार को रेलवे के फणीश्वर नाथ रेणु संस्थान में उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल में किया गया। पूरे आयोजन में रेल सुरक्षा,कर्मचारियों के अधिकार और संगठनात्मक एकजुटता की झलक देखने को मिली।

सेमिनार की अध्यक्षता जोनल सचिव पीके राउत ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे की सुरक्षित और सुचारु ट्रेन परिचालन व्यवस्था में रनिंग स्टाफ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए उनकी लंबित समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का मनोबल और बेहतर कार्य परिस्थितियां सीधे तौर पर रेल सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं।आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीआरएम किरेंद्र नरह को एसोसिएशन की ओर से मांग पत्र सौंपा गया। इसमें आरएसी-1980 के अनुरूप 1 जनवरी 2016 से माइलेज भत्ता लागू करने, 1 जनवरी 2016 से पूर्व सेवानिवृत्त रनिंग स्टाफ की पेंशन विसंगतियां दूर करने, नई पेंशन योजना समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, हाई पावर कमेटी की सुरक्षा संबंधी अनुशंसाओं को लागू करने तथा सहायक लोको पायलट को रिस्क भत्ता देने की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही। डीआरएम किरेंद्र नरह ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए सभी मांगों पर नियमानुसार गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मौके पर डीआरएम किरेंद्र नरह के साथ सीनियर डीपीओ अंजनी कुमार श्रीवास्तव,सीनियर डीईई सहित अन्य रेल अधिकारी मौजूद थे। यूनियन द्वारा सभी मुख्य अतिथि को गुलदस्ता देकर शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारी अयोध्या पाल सहित मंडल के विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधि, पदाधिकारी और सैकड़ों की संख्या में रनिंग स्टाफ उपस्थित रहे। सेमिनार के दौरान रेल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में कटिहार रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों से पहुंचे बड़ी संख्या में लोको पायलट, सहायक लोको पायलट एवं रनिंग स्टाफ ने भाग लिया।

एलन मस्क ने गंवाए 62.7 अरब

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में भारी गिरावट देखने को मिली। स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयरों में गिरावट से मस्क की नेटवर्थ में 62.7 अरब डॉलर की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अब उनकी नेटवर्थ 932 अरब डॉलर रह गई है। इस साल इसमें 312 अरब डॉलर

का इजाफा हुआ है जो दुनिया के दूसरे बड़े रईस लैरी पेज की कुल नेटवर्थ के बराबर है। मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में 6.83 फीसदी गिरावट आई जबकि टेस्ला का स्टॉक 4.02 फीसदी लुढ़क गया। इसके साथ ही स्पेसएक्स का मार्केट कैप 1.969 ट्रिलियन रह गया है। हाल में लिस्ट हुई यह कंपनी दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में सातवें नंबर पर है। टेस्ला 1.513 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ 11वें नंबर पर है। स्पेसएक्स को आज नैस्डैक 100 में शामिल किया जा रहा है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में मस्क और पेज के बाद सर्गेई ब्रिन 290 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ तीसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस (268 अरब डॉलर) चौथे, फेसबुक के मार्क जकरबर्ग (219 अरब) पांचवें, माइकल डेल (219 अरब) छठे, लैरी एलिसन (197 अरब) सातवें, बर्नार्ड आरनॉल्ट (165 अरब) आठवें, जेंसन हुआंग (163 अरब) और वॉरेन बफे (150 अरब) दसवें नंबर पर हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी 119 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। मंगलवार को उनकी नेटवर्थ में 1.31 अरब डॉलर की गिरावट आई।

रिटर्न ज्यादा, टैक्स का बोझ कम! एसआईएफ में क्यों पैसा लगा रहे अमीर निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटर्न और टैक्स में फायदे की तलाश कर रहे अमीर निवेशक अब म्यूचुअल फंड्स और नए बने स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स की खास स्कीमों पर ध्यान दे रहे हैं। ये फंड्स ज्यादा ब्याज देने वाले डेट, इक्विटी आर्बिट्राज, (रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स) और (इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स) जैसी कई चीजों को मिलाकर एक पैकेज तैयार करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इससे न केवल रिटर्न बढ़ता है, बल्कि टैक्स का बोझ भी कम होता है। उदाहरण के लिए, यूनिफाई डायनेमिक असेट एलोकेशन फंड अपने पोर्टफोलियो का करीब एक-तिहाई हिस्सा आर्बिट्राज, एक-तिहाई अच्छी रेटिंग वाले डेट पेपर्स और एक-तिहाई क्रेडिट में लगाता है। यह फंड शेयर बाजार में सीधा जोखिम नहीं लेता। लेकिन बायबैक, ओपन ऑफर और आईपीओ जैसे मौकों का फायदा उठाकर एक्स्ट्रा मुनाफा कमाता है। पिछले एक साल में इस फंड ने 8.05% का रिटर्न दिया है, जबकि इसी कैटिगरी का औसत रिटर्न सिर्फ 2.24% और क्रिसिल हाइब्रिड इंडेक्स का रिटर्न महज 1.28% रहा है। वहीं, जून में लॉन्च हुए रेडहेक्स हाइब्रिड लॉन्ग शॉर्ट फंड ने अपना निवेश कई हिस्सों में बांटा है। इसमें 25-35% आर्बिट्राज, 10% तक 15% तक 15-25% ज्यादा ब्याज वाले 10-15% लिक्विड फिक्स्ड इनकम और 5-15% रिटेल लोन सिक्योरिटाइजेशन में लगाया जाता है। इन प्रोडक्ट्स को मिल रहे अच्छे रिस्पॉन्स को देखते हुए, कुछ छोटे फंड हाउस भी अब एसआईएफ के क्षेत्र में ऐसे ही ऑफर लाने पर विचार कर रहे हैं।

गिरावट में भी उछला शेयर

डेटा सेंटर प्रोजेक्ट के लिए मिला 435 करोड़ का ऑर्डर

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजारों में आज भी गिरावट है। लगातार चार सत्र में उछाल के बाद बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 104 अंक गिर कर बंद हुआ था। आज यानी बुधवार को सुबह-सुबह ही इसमें 600 से ज्यादा की गिरावट दिखी। लेकिन, पावर ट्रांसमिशन इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर आज भी उछल गया।

शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को हैदराबाद डेटा सेंटर प्रोजेक्ट्स के लिए 435 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कल जैसे ही यह खबर आम हुई, क्रस्श्व पर डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 10% बढ़कर अपर सर्किट में पहुंच गए। मंगलवार को कारोबार बंद होते समय यह 225.30 रुपये के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। बुधवार को बीएसई सेंसेक्स सुबह करीब 600 अंक गिरा हुआ था। तभी भी यह खबर लिखे जाते वक्त 226 रुपये पर ट्रेड हो रहा था। इस ऑर्डर में करीब 21.35 लाख मीटर (2,100 किलोमीटर से ज्यादा) केबल की सप्लाई शामिल है। इसकी डिलीवरी अगस्त 2026 के पहले हफ्ते से शुरू होगी और मार्च 2027 तक अलग-अलग चरणों में पूरी होगी। यह भारत के डेटा सेंटर सेक्टर में केबल सप्लाई के सबसे बड़े सिंगल ऑर्डर में से एक है।

क्या करती है कंपनी

डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पावर ट्रांसमिशन इक्विपमेंट बनाने वाली एक इंटीग्रेटेड कंपनी है। यह पावर केबल, कंट्रोल और इंस्ट्रूमेंटेशन केबल, आग से सुरक्षित और आग न फैलने देने वाले केबल, सोलर और चार्जिंग केबल और कंडक्टर बनाती है। कंपनी पावर, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑयल एंड गैस, रिन्यूएबल एनर्जी, और डेटा सेंटर जैसे सेक्टरों को अपनी सेवाएं देती है।

क्या कहना है कंपनी का

डायमंड पावर सीनियर वाइस प्रेसिडेंट उमेश छाया का कहना है 'डेटा सेंटर भारतीय केबल इंडस्ट्री के लिए मांग बढ़ाने वाले सबसे अहम कारकों में से एक बनकर उभर रहे हैं। हैदराबाद कैंपस के लिए 310 का यह ऑर्डर मिशन-क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए हमारी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता, क्वालिटी सिस्टम और डिलीवरी की विश्वसनीयता को साबित करता है। यह देश में पावर केबल्स के लिए सबसे बड़े डेटा सेंटर ऑर्डर्स में से एक है। हम तय समय-सीमा के भीतर इसे बेहतरीन स्टैंडर्ड्स के साथ पूरा करने के लिए उत्सुक हैं।' डेटा सेंटर भारतीय केबल इंडस्ट्री के लिए मांग बढ़ाने वाले सबसे अहम कारकों में से एक बनकर उभर रहे हैं। हैदराबाद कैंपस के लिए 310 का यह ऑर्डर मिशन-क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए हमारी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता, क्वालिटी सिस्टम और डिलीवरी की विश्वसनीयता को साबित करता है। यह देश में पावर केबल्स के लिए सबसे बड़े डेटा सेंटर ऑर्डर्स में से एक है।

दो साल में 72% से ज्यादा बढ़े शेयर

पिछले एक साल के दौरान शेयरों पर नजर डालें तो इसकी कीमत में 56.56% की बढ़ोतरी हुई है। यदि पिछले दो साल का देखें तो यह 72.77% बढ़ा है। पिछले तीन और छह महीनों में, डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में क्रमशः 69.04% और 53.32% की बढ़त देखी गई।

ऑर्डर में क्या-क्या शामिल

स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, कंपनी को हैदराबाद में 310 मेगावॉट के डेटा सेंटर प्रोजेक्ट्स के लिए हाई टेंशन और लो टेंशन पावर केबल की सप्लाई के 435.71 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। इस प्रोजेक्ट को स्टर्लिंग एंड विल्सन और ब्लू स्टार पूरा करेंगे। फाइलिंग के अनुसार, प्रोजेक्ट की कुल लागत में पैकिंग और फॉरवर्डिंग तथा फ्रेट और ट्रांजिट इंश्योरेंस शामिल हैं, लेकिन त्रस्स्ञ शामिल नहीं है। कीमत फॉर्मूले के आधार पर तय की गई है, जिसमें अप्रैल 2026 को बेस माना गया है।

हर्ष गोयनका का '3-30-300' नियम, सही संगत से बदल सकती है जिंदगी

जिंदगी के 30 लोग आपकी सोच, 300 बनाते हैं नेटवर्क

नईदिल्ली, एजेंसी। सफलता सिर्फ मेहनत से नहीं बल्कि सही लोगों का साथ रहने से भी मिलती है। इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका का एक छोटा-सा पोस्ट इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बताया कि जिंदगी में किन लोगों का साथ सबसे ज्यादा मायने रखता है। हर्ष ने गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर अपनी एक नई पोस्ट शेयर की है। ये पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। इस पोस्ट में उन्होंने लोगों को अपनी संगत सोच-समझकर चुनने की सलाह दी है। उन्होंने इसे '3-30-300 रूल ऑफ लाइफ' का नाम दिया है। हर्ष गोयनका ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि आपकी लाइफ के 3 लोग तय करते हैं कि आप कैसे इंसान बनेंगे। 30 लोग आपकी सोच का दायरा बनाते हैं और 300 लोग आपके नेटवर्क को मजबूत करते हैं। इसलिए अपना सर्कल सोच-समझकर चुनिए।

उनका कहना है कि इंसान की सोच, आदतें और सफलता काफी हद तक उन लोगों पर निर्भर करती है, जिनके साथ वह अपना सबसे ज्यादा समय बिताते हैं। अगर आपके आसपास प्रेरित करने वाले, पॉजिटिव और आगे बढ़ने की सोच रखने

वाले लोग हों, तो आपकी लाइफ का नजरिया भी वैसा ही बनता है।

ये रूल बड़ा करोबारी बनने में करेंगे मदद

गोयनका की इस पोस्ट पर हजारों लोगों ने अपनी राय दी। एक यूजर ने लिखा कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, यह समझ आता है कि शुरुआती तीन लोग ही बाकी 330 लोगों तक पहुंचने का रास्ता बनाते हैं। वहीं, एक अन्य यूजर ने कहा कि 300 लोगों का मजबूत नेटवर्क बनाना सबसे मुश्किल काम है, लेकिन जो यह कर लेता है। उसके लिए बिजनेस और करियर में आगे बढ़ने के मौके काफी बढ़ जाते हैं।

सही साथ बनता है ताकत

इससे एक दिन पहले भी हर्ष गोयनका ने संगत यानी साथ की ताकत पर एक और पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने लिखा था कि अगर आप पूरे दिन मछली बाजार में रहेंगे तो मछली की गंध आपके साथ रहेगी, लेकिन अगर इत्र की दुकान में समय बिताएंगे तो खुशबू आपके साथ आएगी। इसी तरह शिकायत करने वाले लोगों के साथ रहने से हर जगह समस्याएं नजर आती हैं, जबकि सकारात्मक और आभारी लोगों के साथ रहने से हर स्थिति में नए मौके दिखाई देते हैं।

केनरा के सीजीएम को साउथ इंडियन बैंक के एमडी बनाने की मंजूरी पर निवेशकों में भगदड़

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई के एक फैसले के बाद बुधवार, 8 जुलाई को साउथ इंडियन बैंक के शेयर 9% से अधिक लुढ़क गए। यह पिछले तीन महीनों की सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट है। यह गिरावट भी तब आई जब बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक यानी ने उसके अगले और की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

इस खबर के बाद साउथ इंडियन बैंक के शेयर पिछले बंद 47.67 रुपये से भी नीचे खुले। आज एनएसई पर यह स्टॉक 47.55 रुपये पर ओपन हुआ और 43.01 रुपये के निचले स्तर तक गिर गया। हालांकि, 9:50 बजे के बाद थोड़ी सी जान लौटी और शेयर 11:40 बजे के करीब 44.40 रुपये पर पहुंच गया। गिरावट भी कम होकर 6.86 प्रतिशत रह गई।

बैंक ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि आरबीआई ने महेश मुरलीधर पई को 1 अक्टूबर, 2026 से तीन साल के कार्यकाल के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। इस नियुक्ति को 16 जुलाई को होने वाली बैंक के बोर्ड की बैठक में रखा जाएगा, जिसके बाद शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी।

पचास वर्षीय पई इस समय केनरा बैंक में मुख्य महाप्रबंधक हैं और डिजिटल बैंकिंग तथा इनोवेशन डिपॉर्टमेंट का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके पास रणनीति, प्रशासन, फंड, विदेशी मुद्रा, रिटेल बैंकिंग, एग्री और एमएसएमई लोन सहित बैंकिंग का लगभग तीन दशकों का अनुभव है।

केनरा बैंक में अपने कार्यकाल के दौरान पई ने कई रणनीतिक पहलों का नेतृत्व किया है, जिनमें बैंक का गोल्ड लोन कारोबार शुरू करना भी शामिल है और वे इसके एक सबसे बड़े

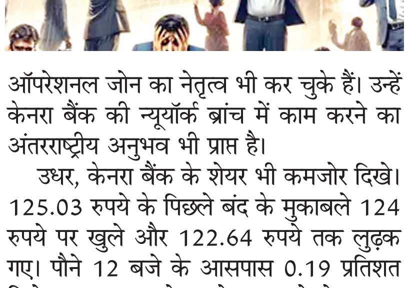

ऑपरेशनल जोन का नेतृत्व भी कर चुके हैं। उन्हें केनरा बैंक की न्यूयॉर्क ब्रांच में काम करने का अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी प्राप्त है।

उधर, केनरा बैंक के शेयर भी कमजोर दिखे। 125.03 रुपये के पिछले बंद के मुकाबले 124 रुपये पर खुले और 122.64 रुपये तक लुढ़क गए। पौने 12 बजे के आसपास 0.19 प्रतिशत निचे 124.75 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। उनका बोर्ड लेवल का अनुभव केनरा बैंक तंजानिया लिमिटेड, कर्नाटक राज्य वित्तीय निगम और केनरा बैंक सिक्योरिटीज लिमिटेड में निदेशक के रूप में रहा है। वे फिम्डा, स्विफ्ट इंडिया डोमेस्टिक सर्विसेज और सेकेंडरी लोन मार्केट एसोसिएशन जैसे उद्योग संगठनों में भी केनरा बैंक का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

कन्फर्म टिकट के बाद भी ट्रेन में खड़े-खड़े कटी रात, कंज्यूमर कोर्ट ने रेलवे पर लगाया 50000 का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आपके साथ भी कभी ऐसा हुआ है कि कंफर्म टिकट होने के बाद भी ट्रेन में खड़े-खड़े सफर करना पड़ा हो आज भी कई रूट पर ऐसी स्थिति है कि ट्रेन में जबरदस्त भीड़ होती है। ऐसे में कंफर्म टिकट वाले यात्री को भी सीट नहीं मिल पाती, क्योंकि उस सीट पर दूसरे लोग बैठे होते हैं। ऐसा ही कुछ केरल में एक यात्री के साथ हुआ। कंज्यूमर कोर्ट ने रेलवे पर भारी जुर्माना लगाया है।

केरल के एक उपभोक्ता आयोग ने भारतीय रेलवे को सेवा में लापरवाही का दोषी ठहराया है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक आयोग ने रेलवे को उस यात्री को 50000 रुपये का मुआवजा देने का आदेश

दिया है, जिसे कन्फर्म तत्काल टिकट होने के बावजूद अनारक्षित यात्रियों की भारी भीड़ के कारण पूरी रात खड़े-खड़े जागकर बितानी पड़ी थी।

आयोग के अध्यक्ष पी. वी. जयराजन और सदस्यों ने दक्षिणी रेलवे, दक्षिण पश्चिमी रेलवे के महाप्रबंधकों और तिरुवनंतपुरम के एडिशनल डिविजनल रेलवे मैनेजर को संयुक्त रूप से जुर्माना देने के आदेश दिए। आयोग ने निर्देश दिया कि वे यात्री को मानसिक प्रताड़ना के लिए हर्जाना और कानूनी कार्यवाही के खर्च के रूप में 3000 रुपये का भुगतान करें।

शिकायतकर्ता ने बेंगलुरु से कोचुवेली (केरल) की यात्रा के लिए तत्काल कोटे से एक कन्फर्म टिकट बुक किया था। जब वह ट्रेन में चढ़ा, तो उसने देखा कि उसका आरक्षित कोच पूरी तरह से जनरल/अनारक्षित यात्रियों से ठसाठस भरा हुआ था। यात्री ने रेलवे के कस्टमर केयर से संपर्क किया, लेकिन अधिकारियों ने पूजा/नवरात्रि की छुट्टियों की भीड़ का हवाला देकर कोई मदद नहीं की और उसे सहयोग करने को कहा। इसके बाद यात्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी शिकायत दर्ज कराई और कोच की तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन किसी भी अधिकारी ने उसकी सुध नहीं ली। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि चलने का रास्ता भी भरा हुआ था, जिससे वहां खड़े होना भी दूभर था और यात्री पूरी रात सो नहीं सका। रेलवे ने अदालत में माना कि पूजा त्योहार के कारण लगातार चार दिन की छुट्टियां थीं, इसलिए भीड़ ज्यादा थी। हालांकि, रेलवे ने दावा किया कि शिकायत मिलने के बाद टीटीई ने रेलवे सुरक्षा बल की मदद से अगले स्टेशन पर अनारक्षित यात्रियों को कोच से बाहर कर दिया था और यात्री की सीट बहाल कर दी थी। उपभोक्ता आयोग ने रेलवे के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। आयोग ने कहा कि रेलवे ने इस बात का कोई सबूत या दस्तावेज पेश नहीं किया।

काम छोड़ा तो वजूद मिट जाएगा', छोटी सी दुकान बड़े-बड़ों पर भारी, हर रोज मचती है लूट, 5 वाला धंधा

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है कर्नाटक के कनकपुरा शहर में रहने वाले रामचंद्र की। वह 70 साल के हो चुके हैं। पिछले पांच दशक से ज्यादा समय से वह अपनी छोटी सी दुकान से इडली बेच रहे हैं। घर पर बनी उनकी इडली बड़े-बड़े रेस्टोरेंट पर भारी हैं। इस दुकान पर हर रोज खाने के शौकीनों का तांता लग जाता है। फिर 1,500 इडली कैसे बिक जाती हैं पता नहीं चलता। एक इडली की कीमत 5 रुपये है। आइए, यहां रामचंद्र की इस सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। बीचों-बीच अपनी छोटी सी इडली की दुकान 'कोटे माने इडली' चला रहे हैं। कनकपुरा बेंगलुरु से सिर्फ 2 घंटे की दूरी पर है। 'विलेज स्क्वायर' की रिपोर्ट के मुताबिक, यह दुकान रामचंद्र के पिता शेषाप्पा ने 1970 के दशक में शुरू की थी। उस समय वह सिर्फ 1 रुपये में 10 इडली बेचते थे। 10वीं कक्षा पूरी करने के तुरंत बाद रामचंद्र ने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए 16 साल की उम्र में 'कोटे माने इडली' की कमान संभाली। अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाया। रामचंद्र की दुकान की ओर ग्राहकों को खींचने वाली चीज है उनकी घर पर बनी रेसिपी। यह पिछले 5 दशकों से वैसी ही है। अपनी उम्र के

बावजूद रामचंद्र सुबह 4 बजे उठते हैं। हाथ से बैटर (घोल) पीसते हैं। पारंपरिक लकड़ी के चूल्हे पर इडली स्टीम करते हैं। इसमें वह किचन में 6 घंटे तक का समय बिताते हैं। 'द बेटर इंडिया' के अनुसार, स्वादिष्ट इडली बनाने के प्रति उनका समर्पण लोगों को खाना खिलाने के उनके प्यार और अपने पिता की यादों का सम्मान करने की भावना से प्रेरित है। रामचंद्र रोजाना 1500 इडली बनाते हैं। हर एक की कीमत सिर्फ 5 रुपये है। दुकान की खासियत यही है कि यह सस्ती और आरामदायक है। 'विलेज स्क्वायर' की रिपोर्ट के मुताबिक, रामचंद्र की मदद उनके बेटे अनंत और बहू निरोशा करते हैं। उनकी सीक्रेट रेसिपी में 3/4 कप उबले चावल और 1/4 कप उड़द दाल का सही मिश्रण होता है। लकड़ी की आग पर पकाने से इसमें एक खास स्मोकी स्वाद आता है। इन नरम इडलियों को तीखी लाल चटनी के साथ परोसा जाता है। यह चटनी गुंटूर और ब्यादगी मिर्च, ताजे पुदीने और चना दाल का एक जबरदस्त कॉम्बिनेशन होती है।

काम से मिलती है खुशी

जब रामचंद्र से पूछा गया कि 70 साल की उम्र में भी काम करने की प्रेरणा उन्हें कहां से मिलती है तो रामचंद्र ने 'द बेटर इंडिया' को बताया कि उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने काम करना छोड़ दिया तो उनका कोई वजूद ही नहीं रहेगा। हालांकि, आग के सामने रसोई में घंटों बिताना कभी-कभी थका देने वाला होता है। लेकिन, रामचंद्र ने बताया कि जब वह खाने के शौकीनों को अपनी दुकान पर आते और खुशी-खुशी उन्हें और ज्यादा एक्टिव रहने के लिए प्रेरित करते देखते हैं तो उनकी सारी थकान गायब हो जाती है।

10 ट्रिलियन से ज्यादा होगी स्पेसएक्स की वैल्यू, कोई नहीं होगा टक्कर में

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को नैस्डैक 100 में शामिल कर लिया गया है। इंडेक्स के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी शेयर को इतनी जल्दी शामिल किया जा रहा है। यह कंपनी 12 जून को लिस्ट हुई थी। इस बीच रेमंड जेम्स फाइनेंशियल के ब्रायन गेसुएले ने दावा किया है कि स्पेसएक्स की मार्केट वैल्यू 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। अब तक कोई भी कंपनी इस मुकाम पर नहीं पहुंची है। एनवीडिया का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा था।

रॉकेट, सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी स्पेएक्स का शेयर मंगलवार को 6.83 फीसदी गिरावट के साथ 149.47 पर बंद हुआ। गेसुएले ने स्पेसएक्स के शेयरों के लिए स्ट्रॉन्ग बाय रेटिंग देते हुए 800 का प्राइस टारगेट दिया है। यह मंगलवार की बंद कीमत से करीब 430% ज्यादा है। अगर कंपनी का शेयर इस लेवल तक पहुंचता है तो कंपनी की मार्केट वैल्यूएशन बढ़कर लगभग 10.5 ट्रिलियन पहुंच जाएगी। अभी स्पेसएक्स की मार्केट वैल्यूएशन 1.969 ट्रिलियन है। गेसुएले ने क्लाइंट्स को भेजे एक नोट में लिखा, 'हम इस कंपनी को 21वीं सदी की अहम इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में से एक मानते हैं। जिस तरह रेलवे, इलेक्ट्रिक ग्रिड और इंटरनेट ने पिछले आर्थिक दौर को बदला था, उसी

तरह स्पेसएक्स अगली पीढ़ी की इंडस्ट्रियल क्षमता के लिए बुनियादी प्लेटफॉर्म बना रही है।'

स्पेसएक्स ने पिछले साल 19 बिलियन का रेवेन्यू दर्ज किया था। गेसुएले का मानना है कि 2035 तक कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 5.2 ट्रिलियन हो जाएगा। यह ग्रोथ कंपनी के रॉकेट या कनेक्टिविटी सेगमेंट से जुड़ी नहीं है।

संसदीय समिति की बैठक में लिये गये कई अहम निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद मंडल की ह्यमंडल संसदीय समिति की बैठक धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद विष्णु दयाल राम ने की। बैठक में धनबाद मंडल क्षेत्राधिकार के सांसद ढुलू महतो, सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी तथा सांसद कालीचरण सिंह उपस्थित थे। साथ ही केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सांसद मनीष जायसवाल, सांसद डॉ. राजेश मिश्र, सांसद डॉ. सरफराज अहमद, सांसद छोटे लाल, सांसद आदित्य प्रसाद, सांसद प्रदीप कुमार वर्मा तथा सांसद महुआ माजी के प्रतिनिधि भी बैठक में उपस्थित थे।

बैठक में सांसदों द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे, रेल के सर्वांगीण विकास, यात्री सुविधाओं में वृद्धि और सुदृढ़ीकरण के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिए गए। सांसदों ने आधारभूत संरचनाओं के

विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया। साथ ही भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदों एवं सांसद प्रतिनिधियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि धनबाद मंडल द्वारा यात्री सुविधा की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि धनबाद मंडल भारतीय रेल में माल लदान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी माल लदान एवं इससे प्राप्त आय दोनों में भारतीय रेल के सभी मंडलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ है। महाप्रबंधक ने अवगत कराया कि यात्री सुविधा के क्षेत्र में गुरपा, पाथरडीह एवं कतरासगढ़ सहित 03 स्टेशनों पर उपरगामी पुल का निर्माण, 04 स्टेशनों के प्लेटफार्म का विस्तार एवं उच्चीकरण का कार्य पूरा किया गया है। कोडरमा, गोमोह एवं कतरासगढ़ स्टेशनों पर नए स्टेशन भवन का निर्माण किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए धनबाद एवं चोपन से भोपाल, धनबाद से पोत्तनूर, धनबाद से लोकमान्य तिलक टर्मिनल एवं धनबाद से भुवनेश्वर के लिए नई ट्रेन सेवा शुरू की गई है। दानापुर-राजगीर के मध्य चल रही गाड़ी सं. 13233/34 का विस्तार कोडरमा तक किया गया है। साथ ही कई ट्रेनों का ठहराव मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर दिया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए बरकाकाना स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट खोला गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रारंभिक चरण में 15 स्टेशनों का दीर्घकालिक दृष्टिकोण से विकास कर कायाकल्प किया जा रहा है। एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत 26 स्टेशनों पर स्टॉल/ट्रॉली लगाए गए हैं जिससे क्षेत्र के हस्तशिल्पियों एवं स्थानीय उत्पाद को बेहतर बाजार मिल रहा है। अंत में महाप्रबंधक ने सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये सुझाव भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूपरेखा तय करने में सहायक सिद्ध होंगे।

7426 महिलाओं को नहीं मिली योजना की राशि

लोहरदगा। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत लोहरदगा जिले में अधिकांश लाभुकों के बैंक खातों में योजना की राशि भेज दी गई है, लेकिन सत्यापन प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण 7426 महिलाओं को अब तक मईंया सम्मान योजना का लाभ नहीं मिल सका है। ऐसे सभी लाभुकों से जल्द से जल्द संबंधित प्रखंड कार्यालय पहुंचकर अपना सत्यापन कराना होगा। जिससे लंबित राशि उनके खाते में भेजी जा सके। जिले में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कुल 94428 लाभुक पंजीकृत हैं। इनमें से 87002 महिलाओं के बैंक खातों में योजना की राशि सफलतापूर्वक हस्तांतरित कर दी गई है। जबकि शेष 7426 लाभुकों का सत्यापन लंबित रहने के कारण उनके खातों में राशि नहीं भेजी जा सकी है। कई मामलों में आधार, बैंक खाते, ई-केवाईसी और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे मामलों में भुगतान रोक दिया गया है। सत्यापन पूरा होते ही पात्र लाभुकों के खाते में योजना की राशि भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

चढ़ावा चोरी को ले क्षमा याचना हवन आयोजित

प्रधानमंत्री मोदी से क्षमा याचना की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर ऋषि ब्रह्मर्षि सांस्कृतिक मंच द्वारा विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर के प्रांगण में स्थित श्री राम मंदिर में बुधवार को क्षमा याचना हवन का आयोजन किया गया।

ऋषि ब्रह्मर्षि सांस्कृतिक मंच के महासचिव मणिशंकर ने बताया कि सनातन धर्म के मान्यताओं के अनुसार, अगर किसी धार्मिक कार्य में त्रुटि, बाधा या कमियां हो जाती है तो क्षमा याचना किया जाता है। इसलिए हर एक हिंदू धार्मिक अनुष्ठान के अंत में क्षमा याचना करना अनिवार्य होता है।

उन्होंने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम राम के कोष से करोड़ों की लूट से आज हम सब शर्मिंदा है। इस कुकृत्य के लिए जो भी जिम्मेदार हैं हम सब सनातनी होने के नाते श्री राम के समक्ष क्षमा याचना हवन कर माफी मांग रहें हैं।हवन में मुख्य रूप से शामिल होने के बाद ऋषि ब्रह्मर्षि सांस्कृतिक मंच के महासचिव मणिशंकर ने यह मांग किया है कि अयोध्या जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभु श्रीराम के समक्ष क्षमा याचना करें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रभु श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को किए थे, लेकिन करोड़ों की चंदा चोरी से देश के करोड़ों हिंदू को गहरा आघात पहुंचा है।

देश विदेश से जिन सनातनियों ने पुरुषोत्तम श्री राम मंदिर निर्माण में चंदा दिया। वे करोड़ों की लूट से आज ठगा महसूस कर रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी मंदिर व्यवस्था की कमियों को स्वीकार करते हुए स्वयंसेवक शीर्ष नेतृत्व के साथ क्षमा याचना अयोध्या में करें। साथ ही देश को यह विश्वास दिलाएं की ऐसी गलती दोहराई नहीं जाएगी।

इस क्षमा याचना में सनातन धर्म के सभी वर्गों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री द्वारा फरवरी 2020 में किया गया, जिसमें 15 सदस्यों की नियुक्ति प्रधानमंत्री कार्यालय से हुआ।

आश्चर्य की बात यह है कि हर कदम पर सीसीटीवी होने के बावजूद चढ़ावा चोरी प्रकरण उजागर होने में वर्षों क्यों लगा। मोदी जी एवं योगी जी को पारदर्शिता दिखाते हुए निष्पक्ष जांच उच्चतम न्यायालय से कराना चाहिए।

इस हवन कार्यक्रम को आचार्य लंबोदर परिहस्त एवं देवनारायण फलाहारी ने मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया। क्षमा याचना हवन में प्रमुख रूप से राजेंद्र दास, प्रो उदय प्रकाश, बृजभूषण राम, अनुराग आनंद, कुमार बाबा, पंकज भारती, अनिल चंद्रवंशी,सुबोध दास अमरिंदर भोपाल, निर्णय कुमार, मणिकांत कुमार, चंद्र देवदास, किशोर रवानी व अन्य थे।

जेएससीए को मिली राहत

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एस के द्विवेदी की अदालत ने वर्ष 2016 में जेएससीए स्टेडियम की फ्लडलाइट मरम्मत के दौरान तीन तकनीशियनों की मौत से जुड़े मुआवजा मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) को बड़ी राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मृत तकनीशियनों का मुख्य (प्रिंसिपल) नियोक्ता एम/एस वालमोंट स्ट्रक्चर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा तत्काल (इमीडिएट) नियोक्ता ठेकेदार गुलाब खान था।

जलालपुर पहुंचे पूर्व सीएम नीतीश कुमार

पंडित महेंद्र मिश्र की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद एवं जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार मंगलवार को सारण जिले के मांझी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जलालपुर बाजार पहुंचे। जहां उन्होंने महेंद्र चौक स्थित भोजपुरी लोकगीत एवं पूर्वी धुनों के अमर रचनाकार, स्वतंत्रता सेनानी पंडित महेंद्र मिश्र की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उनके आगमन को लेकर क्षेत्र में पहले से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। वहीं जदयू कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। माल्यार्पण के बाद नीतीश कुमार ने कुछ समय तक स्थानीय नेताओं एवं पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों और क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति को लेकर भी संक्षिप्त चर्चा की। इसके बाद वह सड़क मार्ग से पटना के लिए रवाना हो गए। हालांकि उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की और किसी भी राजनीतिक सवाल पर प्रतिक्रिया देने से परहेज किया।

पूर्व मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता और स्थानीय लोग महेंद्र चौक पर जुटे हुए थे। ढोल- नगाड़ों, पुष्पवर्षा और ₹नीतीश कुमार जिंदाबाद₹ के नारों के बीच उनका जोरदार स्वागत किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में उत्साह का माहौल बना रहा और महेंद्र चौक राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, क्षेत्रीय भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, स्थानीय मांझी विधानसभा क्षेत्र के जदयू विधायक रणधीर कुमार सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए पंडित महेंद्र मिश्र के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान को याद किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान मांझी विधानसभा क्षेत्र के जदयू विधायक रणधीर कुमार सिंह ने कहा कि मांझी क्षेत्र के लिए यह गौरव की बात है कि बिहार के विकास पुरुष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विशेष स्नेह और मार्गदर्शन इस क्षेत्र को लगातार मिलता रहा है।

उन्होंने कहा कि इस दौरे से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होने के साथ- साथ संगठन को भी मजबूती मिलेगी। विधायक ने विश्वास जताया कि क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर भी पूर्व मुख्यमंत्री का सहयोग आगे भी मिलता रहेगा। कार्यक्रम स्थल पर पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के समर्थकों ने भी उनके समर्थन में नारेबाजी की। हालांकि इस घटनाक्रम पर नीतीश कुमार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। शांतिपूर्वक अपना कार्यक्रम पूरा कर पटना के लिए रवाना हो गए। पूरे दौरे के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा।

वन विभाग कार्यालय पर बदमाशों का तांडव

कार्यालय में तोड़फोड़, कर्मियों को पीटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हंटरगंज । चतरा जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित वन विभाग कार्यालय में मंगलवार की देर रात कोयला माफिया और अपराधियों ने दुस्साहस की सारी हदें पार कर दीं। करीब 25 से 30 हथियारबंद अज्ञात अपराधियों ने कार्यालय पर धावा बोलकर जमकर उत्पात मचाया। अपराधियों ने कार्यालय में तोड़फोड़ की, चार वनकर्मियों को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा और हाजत का ताला तोड़कर वहां बंद छह चालकों व उपचालकों (खलासियों) को छुड़ा लिया।इतना ही नहीं, अपराधी वन विभाग द्वारा जब्त किए गए अवैध कोयला लदे चार हाईवा (भारी वाहन) और कार्यालय में रखे 27,660 नगद भी अपने साथ लूटकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार की शाम को वन विभाग की टीम ने चेक नाका के पास एक बड़ी छापेमारी की थी। इस दौरान अवैध कोयला लदे चार हाईवा जब्त किए गए थे।

सभी वाहनों को वन विभाग कार्यालय परिसर में खड़ा किया गया था और उनके छह चालकों व उपचालकों को हिरासत में लेकर हाजत में बंद कर दिया गया था।

इस कार्रवाई से बौखलाए अपराधी देर रात लाठी-डंडों और हथियारों से लैस होकर कार्यालय परिसर की दीवार फांदकर अंदर घुस आए। आते ही उन्होंने सबसे पहले वनकर्मियों के मोबाइल छीन लिए और उन्हें बंधक बना लिया।

इसके बाद अपराधियों ने कार्यालय के तीन दरवाजे तोड़ दिए और अलमारी/बक्से में रखे 27,660 रुपये लूट लिए। फिर हाजत का ताला तोड़कर सभी छह बंदियों को मुक्त कराया और परिसर में खड़े चारों हाईवा लेकर फरार हो गए। अपराधियों द्वारा की गई इस बर्बर मारपीट में ड्यूटी पर तैनात चार वनकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में शामिल हैं।

वारदात के तुरंत बाद प्रभारी वनपाल विवेक कुमार ने हंटरगंज थाना को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी वीर बहादुर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अपराधी भागने में सफल रहे थे।

बुधवार को डीएफओ राहुल कुमार मीणा ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और घायल कर्मियों से मुलाकात की। इस दुस्साहसिक मामले को लेकर वन विभाग और पुलिस बेहद गंभीर है। मामले में चार हाईवा वाहनों के मालिकों और 25 से 30 अज्ञात अपराधियों के खिलाफ हंटरगंज थाने में तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

पुलिस ने अपराधियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के साथ-साथ लूटे गए वाहनों की बरामदगी के लिए कई संभावित ठिकानों पर सघन छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है।

प्रतियोगिता संपन्न

मनसाही/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के फुलहरा पंचायत के रामलीला मैदान मेरा में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का पांचवा संस्करण में 16 टीमों के बीच 10-10 ओवर का मैच संपन्न हो गया । फाइनल में रतन टाटा भखरीपुर एवं दुर्गास्थान कटिहार की टीम पहुंची। इस मौके पर मुख्य अतिथि सह फुलहरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि लगातार पांच वर्षों से रामलीला मैदान मेरा में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा हैं। इस वर्ष भी 16 टीमों ने भाग लिया सभी टीम 10-10 ओवर के मैच खेले जिसमें रतन टाटा भखरीपुर एवं दुर्गा स्थान कटिहार की टीम सभी टीमों को हराते हुए फाइनल में पहुंची। जिसका परिणाम देर रात्रि आएगा। इस अवसर पर कमेटी के सदस्य विवेक, दिलीप, प्रकाश कुमार,रवि रंजन, अरविंद, रितिक,सोनू आदि उपस्थित रहे ।

बदमाशों ने की महिला से सोने की चेन ठगी

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। अगर आप भगवान के नाम पर शहर में घूम रहे तीन युवकों के झांसे में आ गए तो चंद मिनट में आपके जेवरात गायब हो जाएंगे। जिले में फिर से जेवर को दोगुना करने वाला गिरोह आ गया है।

बुधवार को बाइक सवार तीन युवकों ने भगवान के नाम का बहाना बनाकर केंद्रीय जेल के सामने रहने वाली 45 साल की रीता साहा ने 20 ग्राम सोने की चेन चंद पलों में गायब कर दी।

पुलिस सीसीटीवी की मदद से युवकों की पहचान का प्रयास कर रही है। सुबह करीब सात बजे बाइक सवार तीन युवक महिला को दरवाजे पर खड़ा देखकर पास आए।

एक युवक बाइक पर बैठा रहा और दोनों महिला के पास चले गए। एक ने महिला से पानी मांगा। जब महिला अंदर गई तभी युवक ने अपने एक साथी को एक हजार रुपये दिए।

महिला के बाहर आते ही युवक ने अपने साथी से पूछा कि एक हजार रुपये देने के बाद किस भगवान का दर्शन हो रहे हैं। उसने कहा कि बजरंग बली और एक माता दिख रही हैं।

इसके बाद महिला युवकों के झांसे में आ गई और उनके कहने पर सोने की चेन थमा दी। इसके बाद युवकों ने कहा कि 51 कदम चलने के बाद उसे देवता के दर्शन होंगे और जेवर भी दोगुना हो जाएगा।

महिला जब 51 कदम चलकर वापस आई, तब तक सभी युवक वहां से भाग चुके थे। महिला की शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर आरोपितों की पहचान का प्रयास कर रही है।

विधवा के घर रात में पहुंचे बैंक अधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। बड़गड़ प्रखंड के कालाखजुरी गांव में पेंशन प्रकरण की जांच के दौरान सामने आए कथित रिश्वतखोरी के मामले ने मंगलवार की रात नया मोड़ ले लिया।कालाखजुरी गांव की विधवा रंजू देवी ने आरोप लगाया कि बैंक अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराने के कुछ ही घंटे बाद मंगलवार रात करीब 7:45 बजे झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, बड़गड़ शाखा के शाखा प्रबंधक कृष्ण कुमार तथा बैंक के मैसेंजर नंदलाल राम उर्फ हेमंत कुमार उसके घर पहुंच गए।

आरोप लगाया जा रहा है कि घर के अंदर लाइट बुझाकर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने लगे। इसी दौरान ग्रामीणों को इसकी सूचना मिली। इसके बाद अर्जुन मिंज के नेतृत्व में कई ग्रामीण रंजू देवी के घर पहुंच गए।

ग्रामीणों ने शाखा प्रबंधक और मैसेंजर से सवाल किया कि रात के समय एक विधवा के घर पहुंचकर अंधेरे में किस उद्देश्य से बातचीत की जा रही है। आरोप है कि दोनों कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और वहां से लौट गए।

इससे पहले मंगलवार को रंका एसडीएम और एलडीएम की मौजूदगी में जांच के दौरान रंजू देवी ने अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी कि पति की मृत्यु के बाद बैंक खाते से लगभग 55 हजार

विधवा ने रिश्वत मांगने की एसडीएम और एलडीएम दर्ज करायी थी शिकायत

रुपये निकालने के लिए बैंक के मैसेंजर नंदलाल राम उर्फ हेमंत कुमार ने पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई है।

विरोध के बावजूद पांच हजार रुपये की निकासी कराई गई, जिसमें से तीन हजार रुपये अपने पास रख लिए गए। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने संबंधित बैंक कर्मी को कड़ी फटकार लगाई थी और बुधवार तक तीन हजार रुपये वापस करने का निर्देश दिया था।

साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी थी कि निर्धारित समय तक राशि वापस नहीं करने पर प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इधर, इस संबंध में पूछे जाने पर झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, बरगढ़ शाखा के शाखा प्रबंधक कृष्ण कुमार ने कहा कि वह मंगलवार को मेदिनीनगर में एक बैठक में थे। उन्हें सूचना मिली कि एसडीएम और एलडीएम बैंक शाखा में जांच के लिए पहुंचे हैं। इसके बाद वह वापस बड्डगड आए, लेकिन तब तक दोनों अधिकारी जा चुके थे। रंजू देवी के घर रात में जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि शिकायत की जानकारी मिलने के बाद वह स्वयं को रोक नहीं पाए और पूरे मामले को समझने के लिए उनके घर चले गए थे।

इसी दौरान कुछ ग्रामीण वहां पहुंच गए और हंगामा करने लगे, जिससे बातचीत नहीं हो सकी। इसके बाद वह वहां से लौट आए। उन्होंने कहा कि मृतक रतन लकड़ा का केवाईसी एक माह पूर्व ही हो चुका था और इसकी सूचना बड़गड़ के मुखिया पति दिनेश लकड़ा के माध्यम से उनके स्वजन तक पहुंचा दी गई थी। उनके अनुसार, स्वजन तत्काल राशि निकासी से इनकार करते हुए कहा था कि कार्रवाई पूरी होने के बाद ही पैसे की निकासी करेंगे। वहीं, रंजू देवी द्वारा लगाए गए रिश्वत मांगने और राशि रखने के आरोपों को शाखा प्रबंधक ने निराधार एवं बेबुनियाद बताया।

रात में शिकायतकर्ता के घर बैंक अधिकारियों के पहुंचने और शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने के आरोप तथा शाखा प्रबंधक के स्पष्टीकरण के बाद पूरे क्षेत्र में मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्कूल इंटरवेंशन कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसमार (बोकारो)। सहयोगिनी संस्था द्वारा कसमार प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय, बगदा में विद्यालय आधारित जागरूकता कार्यक्रम (स्कूल इंटरवेंशन) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को बाल अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी विषयों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल तस्करी, शिक्षा का अधिकार (आरटीई), बाल अधिकार एवं भारतीय संविधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह, बाल मजदूरी और बाल तस्करी न केवल सामाजिक बुराइयाँ हैं, बल्कि कानूनन दंडनीय अपराध भी हैं। बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार के शोषण, हिंसा या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित विभाग को देने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रशिक्षण में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रत्येक बच्चे को 6 से 14 वर्ष की आयु तक निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार की जानकारी दी गई। साथ ही भारतीय संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं बंधुत्व जैसे मूल्यों पर चर्चा करते हुए बच्चों को जिम्मेदार, जागरूक एवं संवेदनशील नागरिक बनने का संदेश दिया गया। प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी संस्था के परियोजना समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि संस्था पिछले कई वर्षों से कसमार प्रखंड के 19 गांवों में किशोर-किशोरियों के नेतृत्व क्षमता विकास, जीवन कौशल शिक्षा, लैंगिक समानता, बाल संरक्षण तथा महिलाओं एवं किशोरियों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था वंचित वर्ग की किशोरियों एवं महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ-साथ उनके साथ होने वाली विभिन्न प्रकार की हिंसा की रोकथाम एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों से बाल विवाह, बाल मजदूरी एवं बाल तस्करी जैसी कुरीतियों के विरुद्ध अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैलाने तथा शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प दिलाया गया।

डीएम व एसपी ने गोरखनाथ धाम मंदिर में की समीक्षात्मक बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी /कटिहार। बाबा गोरखनाथ धाम में बुधवार को जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, एसपी परिचय कुमार ने पदाधिकारी एवं कमेटी सदस्यों के साथ आगामी श्रावणी मेले के शांतिपूर्ण,सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा एवं विधि-व्यवस्था बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और विभिन्न विभागों के समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा की। श्रावण मास में लाखों श्रद्धालु मनिहारी गंगा घाट से पवित्र गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा करते हुए गोरखनाथ धाम पहुंचते हैं और बाबा गोरखनाथ का जलाभिषेक करते हैं। बैठक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त अमित कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी बारसोई राजू कुमार, डीसीएलआर बारसोई, बीडीओ आजमनगर सरोज कुमार, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता, जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी तथा मंदिर समिति के सदस्य मौजूद रहे।मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वास्थ्य शिविर, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, अस्थायी शौचालय, पार्किंग, ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मांग रखी। इस पर जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।कमेटी के सचिव पिंटू यादव ने कहा की आगामी श्रावण पूर्णिमा सहित सावन के प्रथम सोमवारी से लेकर अंतिम सोमवारी तक की तैयारी अंतिम चरण में है। इस अवसर पर थानाध्यक्ष कुमारी जुली सहित अन्य उपस्थित रहे।

कार्यशाला में माइक्रोप्लान मजबूत करने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से छपरा शहर स्थित होटल मयूर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) के चिकित्सा अधीक्षक, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) तथा ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम) ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि नियमित टीकाकरण सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं में से एक है। कोरोना महामारी के दौरान यह कार्यक्रम प्रभावित हुआ था, लेकिन अब सरकार इसकी शत-प्रतिशत सफलता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास कर रही है।

सिविल सर्जन डॉ चौधरी ने कहा कि प्रत्येक प्रखंड को ऐसा सुदृढ़ माइक्रोप्लान तैयार करना होगा, जिसमें टीकाकरण से जुड़ी सभी जानकारियां स्पष्ट रूप से शामिल हों। इसमें क्षेत्रवार बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की संख्या, लगाए जाने वाले टीकों का विवरण, टीकाकरण सत्रों की संख्या, वैक्सीन की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था सहित सभी आवश्यक बिंदुओं का समुचित उल्लेख होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेहतर माइक्रोप्लान से नियमित टीकाकरण कार्यक्रम का प्रभावी संचालन सुनिश्चित होगा और एक भी पात्र लाभार्थी टीकाकरण से वंचित नहीं रहेगा।

कार्यशाला में डब्ल्यूएचओ के अधिकारियों ने भी नियमित टीकाकरण, माइक्रोप्लान तैयार करने की प्रक्रिया, सत्र संचालन, निगरानी तथा गुणवत्ता सुधार से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर बिहार प्रदेश भाषा के महासचिव सह मांझी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी (एमओआईसी) डॉ. रोहित कुमार सहित जिले के सभी चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को अधिक प्रभावी एवं लक्ष्य आधारित बनाने पर विशेष बल दिया गया।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

धनबाद को रेलवे जोन बनाने की मांग, संसदीय समिति की बैठक में गूंजा मुद्दा

धनबाद, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मंडल संसदीय समिति की बैठक में क्षेत्रीय रेल विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई. बैठक में शामिल सांसदों ने नई ट्रेनों के संचालन, ट्रेनों के विस्तार, ठहराव, फेरों में

बढ़ोतरी और यात्री सुविधाओं को लेकर रेलवे प्रशासन के समक्ष कई मांगें रखीं. इस दौरान धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने धनबाद को रेलवे जोन का दर्जा देने की प्रमुख मांग उठाई. धनबाद डीआरएम कार्यालय में आयोजित मंडल संसदीय समिति की बैठक की अध्यक्षता पलामू सांसद वीडी राम ने की. बैठक में धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि धनबाद मंडल देश के सबसे अधिक राजस्व और कोयला लदान करने वाले रेल मंडलों में शामिल है. ऐसे में इसे रेलवे जोन का दर्जा दिया जाना चाहिए, जिससे पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी. बैठक में ढुल्लू महतो ने जम्मू जाने वाली ट्रेन को कटरा तक विस्तार देने, गंगा-दामोदर एक्सप्रेस को पटना से आगे बक्सर तक चलाने, धनबाद-बक्सर नई ट्रेन शुरू करने और कई स्पेशल ट्रेनों को नियमित करने की मांग रखी. वहीं, पलामू सांसद वीडी राम ने गया-शेरघाटी-इमामगंज रेल लाइन परियोजना, विभिन्न ट्रेनों के ठहराव, मार्ग विस्तार और यात्री सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया. बैठक में चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र की दो प्रमुख रेल समस्याओं को रेलवे अधिकारियों के समक्ष रखा. वहीं गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने रेल संपर्क मजबूत करने, यात्री सुविधाओं के विस्तार और लंबित विकास कार्यों को जल्द पूरा करने की मांग की. बैठक का उद्देश्य सांसदों के संसदीय क्षेत्रों के रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का विस्तार, नई ट्रेनों के संचालन, ट्रेनों के ठहराव और मार्ग विस्तार की समीक्षा करना था. इसके अलावा लंबित रेल परियोजनाओं की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की गई. बैठक के दौरान रेलवे प्रशासन ने सांसदों की ओर से उठाए गए सभी सुझावों और मांगों पर संसदीय समिति की बैठक में क्षेत्रीय रेल विकास से जुड़े कई अहम प्रस्ताव सामने आए हैं. अब लोगों की नजर रेलवे बोर्ड और रेल मंत्रालय पर है कि इन मांगों पर कब और किस स्तर पर निर्णय लिया जाता है.

सड़क, पेयजल और सिंचाई सुविधाएं होंगी बेहतर, 7 विकास योजनाओं का हुआ शिलान्यास

सरायकेला, नवबिहार संवाददाता। प्रखंड में ग्रामीण आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है. जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने 15वें वित्त आयोग की राशि से स्वीकृत सात विकास योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर विधिवत शिलान्यास किया. इन योजनाओं के पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, सिंचाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा. शिलान्यास की गई योजनाओं में पंडुवा में 15 लाख रुपये की लागत से स्नान घाट सह सीढ़ी निर्माण, पारलपोसी पाटा हेंसल में 7 लाख रुपये की लागत से पहुंच पथ पीसीसी निर्माण, पठानमारा पंचायत के बालदबांध गांव में 7 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन जलापूर्ति योजना, छोटा थोलको सरकारी तालाब से हुडंगदा तक 15 लाख रुपये की लागत से सिंचाई नाली निर्माण, हैंसा गांव में 7 लाख रुपये की लागत से जलमीनार निर्माण, नुवागांव पंचायत के रुगड़ीसाही में करीब 7.50 लाख रुपये की लागत से पीसीसी सड़क निर्माण तथा मुड़कुम पंचायत के नामाडीह में 3 लाख रुपये की लागत से पेवर्स ब्लॉक सड़क निर्माण शामिल हैं. इसके अलावा गम्हरिया प्रखंड के बड़ा कांकड़ा गांव में भी पीसीसी सड़क निर्माण योजना का शिलान्यास किया गया. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल और सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है. इन योजनाओं के पूरा होने से गांवों में विकास की गति तेज होगी.और लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार आएगा. उन्होंने संबंधित कार्य एजेंसियों को सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया.

जेएससीए को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत, मजदूरों की मौत मामले में मुआवजे की जिम्मेदारी बदली

रांची (झारखंड), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हाईकोर्ट ने झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) को निर्माण मजदूरों के मुआवजा मामले में महत्वपूर्ण राहत देते हुए एक अहम फैसला सुनाया है. न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने स्पष्ट किया कि मजददुमका में ग्राम प्रधान की प्रधानी पहले हुई रद्द, अब अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

दुमका के शिकारीपाड़ा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने के आरोप में पूर्व ग्राम प्रधान सोम हेम्ब्रम के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. जेसीबी मशीन से उनका मकान और चहारदीवारी ढहा दिया गया.

दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड में सरकारी गैरमजरूआ जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. बुधवार को अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से अवैध रूप से बने मकान और चहारदीवारी को ध्वस्त कर दिया.

तीन कट्ठा सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप : जानकारी के अनुसार, ताराचुआं गांव के पूर्व ग्राम प्रधान सोम हेम्ब्रम पर करीब तीन कट्ठा सरकारी गैरमजरूआ भूमि पर कब्जा कर मकान और चहारदीवारी बनाने का आरोप था. इस मामले को लेकर ग्रामीण लंबे समय से अंचल कार्यालय में शिकायत कर रहे थे. शिकायतों की जांच और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने का फैसला लिया.

जेसीबी से हटाया गया अतिक्रमण : बुधवार को अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे. उनकी मौजूदगी में जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया. कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर मौजूद रहे.

पहले रद्द हुई ग्राम प्रधानी

प्रशासन के अनुसार, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के मामले को गंभीर मानते हुए अंचल अधिकारी ने पहले ही अनुमंडल पदाधिकारी को सोम हेम्ब्रम के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की थी. इसके बाद एसडीओ ने उनकी ग्राम प्रधानी भी रद्द कर दी थी.अतिक्रमण पर जारी रहेगी कार्रवाई प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी. शिकारीपाड़ा में हुई यह कार्रवाई पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है.रों की मौत के मामले में मुआवजा देने की प्राथमिक जिम्मेदारी ठेका कंपनी एमएस वालमोंट स्ट्रक्चर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसके ठेकेदार गुलाब खान की है. हालांकि, यदि जेएससीए ने पहले ही पीड़ित परिवारों को मुआवजा दे दिया है, तो वह यह राशि संबंधित कंपनी और ठेकेदार से वसूलने के लिए स्वतंत्र होगा.

क्या है पूरा मामला

मामला रांची स्थित जेएससीए स्टेडियम में निर्माण कार्य के दौरान हुई तीन मजदूरों की मौत से जुड़ा है.

कोडरमा में मोमबत्ती की रोशनी में थी प्रसव की तैयारी, आक्रोशित ग्रामीणों ने जड़ दिया ताला

कोडरमा, नवबिहार टाइम्स संवाददाता: झारखंड के कोडरमा प्रखंड अंतर्गत पत्थलडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ढ्लड) से स्वास्थ्य व्यवस्था को धता बताती एक बेहद हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है. मंगलवार की रात बिजली गुल रहने के कारण अस्पताल प्रबंधन ने एक गर्भवती महिला का प्रसव (ऊॅ'५ी१८) मोमबत्ती की रोशनी में कराने की तैयारी शुरू कर दी. इस बदहाली और भारी कुव्यवस्था को देखकर परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा, जिसके बाद मुखिया प्रतिनिधि के नेतृत्व में आक्रोशित लोगों ने पीएचसी में ताला जड़ दिया.

मोमबत्ती के भरोसे प्रसव की तैयारी और सुरक्षित निकास : जानकारी के अनुसार, पत्थलडीहा पंचायत के गरायडीह की रहने वाली गर्भवती महिला नीलम कुमारी को प्रसव पीड़ा होने के बाद परिजन रात में पीएचसी लेकर पहुंचे थे. अस्पताल में उस वक्त बिजली नहीं थी और बैकअप की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी, जिसके बाद ड्यूटी पर तैनात एएनएम जनता देवी ने मोमबत्ती जलाकर प्रसव कराने की तैयारी शुरू कर दी. इस जोखिमभरी स्थिति को देखकर परिजनों ने तुरंत स्थानीय मुखिया को फोन किया और मौके पर पहुंचे मुखिया प्रतिनिधि सदानंद यादव और ग्रामीणों ने अस्पताल में ताला जड़कर प्रसूता महिला को तुरंत वहां से निकाला. इसके बाद उसे गांव के ही 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' ले जाया गया, जहां महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया और फिलहाल जच्चा-बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं.

मुखिया का सिविल सर्जन को पत्र और गंभीर आरोप इस घटना के बाद पत्थलडीहा पंचायत की मुखिया बैजयंति देवी ने कोडरमा के सिविल सर्जन (उर) को लिखित आवेदन देकर इस पूरे मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है. मुखिया ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि पत्थलडीहा पीएचसी में डॉक्टर कभी समय पर नहीं आते हैं और पूरा स्वास्थ्य केंद्र केवल लापरवाह कर्मियों के भरोसे चल रहा है. उन्होंने यह भी खुलासा किया कि स्वास्थ्य केंद्र के बड़ा बाबू (प्रधान लिपिक) के कक्ष में इन्वर्टर का कनेक्शन मौजूद था, लेकिन उन्होंने प्रसव कक्ष की लाइन काट दी थी. रात में ग्रामीणों द्वारा अनुरोध किए जाने के बावजूद कमरे की चाभी देने से साफ इनकार कर दिया था.

दुमका में ग्राम प्रधान की प्रधानी पहले हुई रद्द

अब अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

दुमका, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड में सरकारी गैरमजरूआ जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. बुधवार को अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से अवैध रूप से बने मकान और चहारदीवारी को ध्वस्त कर दिया.

तीन कट्ठा सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप : जानकारी के अनुसार, ताराचुआं गांव के पूर्व ग्राम प्रधान सोम हेम्ब्रम पर करीब तीन कट्ठा सरकारी गैरमजरूआ भूमि पर कब्जा कर मकान और चहारदीवारी बनाने का आरोप था. इस मामले को लेकर ग्रामीण लंबे समय से अंचल कार्यालय में शिकायत कर रहे थे. शिकायतों की जांच और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने का फैसला लिया.

जेसीबी से हटाया गया अतिक्रमण

बुधवार को अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे. उनकी मौजूदगी में जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया. कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर मौजूद रहे.

पहले रद्द हुई ग्राम प्रधानी : प्रशासन के अनुसार, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के मामले को गंभीर मानते हुए अंचल अधिकारी ने पहले ही अनुमंडल पदाधिकारी को सोम हेम्ब्रम के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की थी. इसके बाद एसडीओ ने उनकी ग्राम प्रधानी भी रद्द कर दी थी. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

बोकारो पुलिस ने छिनतई करने वाले दो गिरोहों का किया पदार्फाश, पांच अपराधी गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस ने शहर में महिलाओं के गले से चेन छिनतई करने वाले दो गिरोह को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। जिसमें एक गिरोह अंतरराज्यीय है जबकि दूसरा इंटर डिस्ट्रिक्ट गिरोह है। गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से लूटा गया सोने जैसा लॉकेट, 48 हजार रुपये नकद, एक बाइक, मोबाइल और अन्य सामान बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों ने बोकारो समेत गिरिडीह, रामगढ़ और धनबाद में कई चेन स्नैचिंग की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। जांच के दौरान तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर सेक्टर-4 थाना क्षेत्र में 23 जून को लक्ष्मी मार्केट के सामने हुई चेन स्नैचिंग मामले में ओडिशा के जाजपुर निवासी भोला दास को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बोकारो, गिरिडीह, रामगढ़ समेत कई जिलों में सात महिलाओं से चेन छिनतई की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। जबकि दूसरे गिरोह ने चास थाना क्षेत्र में 30 जून को प्रभात होटल के पास महिला से लॉकेट झपटने की घटना की जांच में गठित एसआईटी ने चार अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने 25 जून को रानी सती क्लॉथ स्टोर के सामने हुई चेन स्नैचिंग की घटना में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

गिरफ्तार अपराधियों में भोला दास, राणा उर्फ रजनीश सिंह, बिट्टू कुमार सिंह, श्रवण सिन्हा और परमानंद कुमार वर्मा शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने जैसा लॉकेट, बिना नंबर की बाइक, 48 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और बाइक की चाबी बरामद की है। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह के सदस्यों पर झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क की तलाश में जुटी है।

सरायकेला में सड़क, पेयजल और सिंचाई सुविधाएं होंगी बेहतर, 7 विकास योजनाओं का हुआ शिलान्यास

योजना का शिलान्यास करते जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा

सरायकेला, नवबिहार संवाददाता। प्रखंड में ग्रामीण आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है. जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने 15वें वित्त आयोग की राशि से स्वीकृत सात विकास योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर विधिवत शिलान्यास किया. इन योजनाओं के पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, सिंचाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा.

15वें वित्त आयोग के तहत मिली राशि

शिलान्यास की गई योजनाओं में पंडुवा में 15 लाख रुपये की लागत से स्नान घाट सह सीढ़ी निर्माण, पारलपोसी पाटा हेंसल में 7 लाख रुपये की लागत से पहुंच पथ पीसीसी निर्माण, पठानमारा पंचायत के बालदबांध गांव में 7 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन जलापूर्ति योजना, छोटा थोलको सरकारी तालाब से हुडंगदा तक 15 लाख रुपये की लागत से सिंचाई नाली निर्माण, हैंसा गांव में 7 लाख रुपये की लागत से जलमीनार निर्माण, नुवागांव पंचायत के रुगड़ीसाही में करीब 7.50 लाख रुपये की लागत से पीसीसी सड़क निर्माण तथा मुड़कुम पंचायत के नामाडीह में 3 लाख रुपये की लागत से पेवर्स ब्लॉक सड़क निर्माण शामिल हैं. इसके अलावा गम्हरिया प्रखंड के बड़ा कांकड़ा गांव में भी पीसीसी सड़क निर्माण योजना का शिलान्यास किया गया.

योजनाओं से ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल और सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है.

इन योजनाओं के पूरा होने से गांवों में विकास की गति तेज होगी और लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार आएगा. उन्होंने संबंधित कार्य एजेंसियों को सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया.

जनप्रतिनिधि और ग्रामीण रहे मौजूद : शिलान्यास कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य शंभू मंडल, बड़ा कांकड़ा के मुखिया, बुधु महतो, मंगल कण्डेयबुरु सहित पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामीण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे. ग्रामीणों ने क्षेत्र में

गुमला में सांपों का तांडव: 24 घंटे में 5 लोगों को डंसा, घर और खेतों में बने शिकार

गुमला, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गुमला जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मानसून के दस्तक देते ही सांपों का खतरा तेजी से बढ़ गया है. यही वजह है कि बीते 24 घंटे के दौरान जिले के अलग-अलग गांवों में सर्पदंश की पांच बड़ी घटनाएं सामने आई हैं. खेत, जंगल और घरों में जहरीले सांपों के काटने से पांच लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए हैं. सभी पीड़ितों को आनन-फानन में प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है. इन घटनाओं से ग्रामीण इलाकों में भारी दहशत का माहौल है.

जंगल और खेतों में सांपों ने बनाया शिकार : पहली घटना रायडीह थाना क्षेत्र की है, जहां बुधवार सुबह लालडीपा में बकरी चराने गई 45 वर्षीय मुनी देवी को एक जहरीले नाग सांप ने पैर में डंस लिया.

वहीं, दूसरी घटना में पूसो थाना क्षेत्र के 21 वर्षीय रामविलास साहू मंगलवार शाम को अपने खेत में काम कर रहे थे, तभी जहरीले सांप ने उन्हें अपना शिकार बना लिया. उन्हें तुरंत घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

रात में सोते समय और रास्ते में हुए हादसे : तीसरी घटना सदर थाना क्षेत्र के टेंगरिया गांव की है, जहां मंगलवार तड़के करीब 3 बजे अपने घर में जमीन पर सो रहे 16 वर्षीय किशोर सत्यम नायक को सांप ने काट लिया. इसी तरह चौथी घटना सिसई थाना क्षेत्र के मंगलो गांव में हुई, जहां मंगलवार रात करीब 2:30 बजे घर में सो रही 28 वर्षीय महिला करमी उरांव को घर में घुसे सांप ने डंस लिया. पांचवीं घटना भी सदर थाना क्षेत्र के सुरसुरिया गांव की है, जहां 20 वर्षीय सोहन अंसारी शाम के समय खेत के रास्ते एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे और रास्ते में ही सांप ने उनके पैर में काट लिया.

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे बारिश के मौसम में खेतों, झाड़ियों और रात के समय जमीन पर सोते वक्त विशेष सावधानी बरतें. साथ ही उन्होंने सख्त चेतावनी दी है कि सर्पदंश की स्थिति में ओझा-गुनी या झाड़-फूंक के चक्कर में समय बर्बाद करने के बजाय मरीज को तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचें ताकि समय पर एंटी-स्नेक वेनम देकर उनकी जान बचाई जा सके.

हजारीबाग में डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा शुरू, नवजात शिशु से 5 साल के बच्चों को मिलेगा ओआरएस और जिंक

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हजारीबाग जिले में बच्चों को डायरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के उद्देश्य से बुधवार को डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा (स्टॉप डायरिया कैंपेन) की शुरूआत की गई. सदर अस्पताल सह शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसबीएमसीएच) से प्रभात फेरी निकालकर अभियान का शुभारंभ किया गया. यह विशेष अभियान 31 अगस्त तक पूरे जिले में चलाया जाएगा. इसके तहत पांच वर्ष तक के बच्चों को ओआरएस और जिंक की गोलियां उपलब्ध कराने के साथ-साथ लोगों को स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूक किया जाएगा.

प्रभात फेरी के साथ अभियान की शुरूआत : अभियान का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशि जायसवाल, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. कपिल मुनी प्रसाद और जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. सुभाष प्रसाद ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया. प्रभात फेरी के माध्यम से लोगों को डायरिया से बचाव के उपायों और समय पर इलाज के महत्व की जानकारी दी गई. स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि बरसात के मौसम में डायरिया के मामलों में बढ़ोतरी की आशंका रहती है. ऐसे में समय पर जागरूकता और प्राथमिक उपचार से बच्चों की जान बचाई जा सकती है.

जिला स्तरीय कार्यशाला में दिए गए निर्देश : प्रभात फेरी के बाद सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई. इसमें जिले के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों और स्वास्थ्य अधिकारियों ने भाग लिया. सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने सभी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने कहा कि जहां भी डायरिया के मामले सामने आएं, वहां स्वास्थ्य विभाग की टीम तत्काल पहुंचकर आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए और बीमारी को फैलने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए.

दस्त होने पर तुरंत दें ओआरएस और जिंक : कार्यशाला में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि यदि किसी बच्चे को दस्त हो जाए तो उसे तुरंत ओआरएस का घोल पिलाना चाहिए. इसके साथ ही लगातार 14 दिनों तक जिंक की गोली देना बेहद जरूरी है. इससे शरीर में पानी और आवश्यक लवणों की कमी पूरी होती है तथा बच्चे के जल्दी स्वस्थ होने में मदद मिलती है. विशेषज्ञों ने अभिभावकों से अपील की कि दस्त होने पर घरेलू उपचार पर निर्भर रहने के बजाय नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें और चिकित्सकीय सलाह लें.

स्वच्छता और पोषण पर रहेगा विशेष फोकस: अभियान के दौरान लोगों को डायरिया से बचाव के लिए स्वच्छ पेयजल का उपयोग, भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने, छह माह तक केवल स्तनपान कराने, समय पर टीकाकरण और बच्चों को विटामिन-ए की निर्धारित खुराक दिलाने के लिए भी जागरूक किया जाएगा. स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इन साधारण लेकिन प्रभावी उपायों को अपनाकर डायरिया के अधिकांश मामलों को रोका जा सकता है.

सहिया घर-घर पहुंचाएंगी ओआरएस और जिंक : जिला कार्यक्रम प्रबंधक समरेश कुमार सिंह ने बताया कि जुलाई और अगस्त के दौरान जिले की सभी सहिया कार्यकर्ता घर-घर जाकर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए दो पैकेट ओआरएस और 14 जिंक टैबलेट उपलब्ध कराएंगी. साथ ही अभिभावकों को इनके सही उपयोग की जानकारी भी देंगी. उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में डायरिया के मामले अधिक सामने आएंगे, वहां विशेष निगरानी रखी

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145865 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा 'सखी वार्ता' कार्यक्रम का आयोजन

सुरक्षा कानूनों और वित्तीय साक्षरता पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई। महिला एवं बाल विकास निगम, जमुई के अंतर्गत संचालित जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के तत्वावधान में आज सिकन्दरा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कैथवारा में 'सखी वार्ता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं एवं किशोरियों को उनके मौलिक अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और वित्तीय आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे समाज में सशक्त और सुरक्षित महसूस कर सकें। कार्यक्रम में जिला हब और वन स्टॉप सेंटर के अधिकारियों सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला मिशन समन्वयक मुकेश कुमार ने महिलाओं और बालिकाओं के आत्मबल को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति न केवल जागरूक होना चाहिए, बल्कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न अथवा भेदभाव की स्थिति में बिना किसी डर के आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और आपातकालीन हेल्पलाइन सेवाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया, ताकि विषम परिस्थितियों में उन्हें त्वरित सहायता मिल सके। इस अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा और उनके कानूनी अधिकारों को रेखांकित करते हुए 'मिशन शक्ति' के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित छात्राओं और महिलाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराने के साथ-साथ घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम जैसे कड़े कानूनों के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा, आपातकालीन स्थितियों के लिए महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 जैसी जरूरी सेवाओं के उपयोग की विधि समझाई गई। सत्र को आगे बढ़ाते हुए वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ विकाश कुमार ने महिलाओं और छात्राओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के व्यावहारिक तौर-तरीके सिखाए। उन्होंने वर्तमान दौर में बैंकिंग सेवाओं की उपयोगिता, डिजिटल भुगतान के सुरक्षित तरीकों, ऑनलाइन लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और साइबर अपराधों से बचाव के गुर सिखाए। वहीं, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक पूनम कुमारी और सामाजिक परामर्शी शालू सिन्हा ने 'सखी केंद्र' की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह केंद्र संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी सहायता, मनोसामाजिक परामर्श, चिकित्सीय सहायता, पुलिस समन्वय और अस्थायी आश्रय जैसी तमाम आवश्यक सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क प्रदान करता है। कार्यक्रम का समापन बेहद उत्साहजनक माहौल में हुआ, जहाँ उपस्थित सभी छात्राओं, शिक्षकों और प्रतिभागियों ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प लिया। सभी ने एक सुर में बाल विवाह, दहेज प्रथा, लैंगिक भेदभाव और महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा के उन्मूलन में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने तथा 'बेटी बचाओऽबेटी पढ़ाओ' अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने की शपथ ली।

पशु की मौत के बाद ग्रामीणों का बिजली कर्मियों के खिलाफ फूटा गुस्सा, सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई/अलीगंज। नवादा सिकंदरा मुख्य मार्ग पर दरखा मोड़ पोखर के समीप मंगलवार को सड़क किनारे लगे बिजली ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। मुआवजे की मांग और बिजली विभाग की लापरवाही के विरोध में ग्रामीणों ने मुख्य सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मृत भैंस के मालिक रहिश महतो ने बताया कि उनकी भैंस खेत से चरकर गांव लौट रही थी। सड़क किनारे लगे ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी स्थान पर पहले भी एक मवेशी की करंट लगने से मौत हो चुकी है। उस समय भी ग्रामीणों ने बिजली विभाग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की थी, लेकिन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण उन्हें हजारों रुपये का नुकसान हुआ है और उनका परिवार इसी पशुपालन पर निर्भर है। ग्रामीणों का कहना था कि ट्रांसफार्मर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था का अभाव है और खुले बिजली उपकरण किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। उनका कहना था कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो भविष्य में किसी व्यक्ति की भी जान जा सकती है। घटना के समय मवेशी मालिक और कई राहगीर भी बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना मिलने पर दरखा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सुजीत कुमार ने चंद्रदीप एवं लछुआड़ थाना तथा बिजली विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही लछुआड़ थाना प्रभारी रूपेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण मृत पशु के मालिक को उचित मुआवजा तथा ट्रांसफार्मर को तत्काल वहां से हटाने की मांग पर अड़े रहे। बाद में अधिकारियों द्वारा मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई तथा उचित पहल का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त किया। ग्रामीणों ने मांग की है कि मृत पशु के मालिक को शीघ्र उचित मुआवजा दिया जाए तथा सड़क किनारे लगे खुले और जर्जर बिजली उपकरणों की मरम्मत या स्थानांतरण कर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जाए। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि सुजीत कुमार, वाई.पी. सुमन सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

रामगढ़ में मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश

दो गिरफ्तार, मशीन व अर्द्धनिर्मित हथियार बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। रामगढ़ पुलिस ने रामगढ़ जिले के भुरकुंडा में मिनी गन बनाने वाली फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। यह कार्रवाई रामगढ़ तथा हजारीबाग पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में हुई है, जिसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक मुकेश लुनायत ने भुरकुंडा ओपी में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन कर दिया है। घटनाक्रम के अनुसार विगत रात्रि अवैध आग्नेयास्त्र निर्माण एवं तस्करी के संबंध में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर रामगढ़ एवं हजारीबाग जिला पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भुरकुंडा ओपी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम ए0के0 कोलियरी, दत्तों निवासी दिनेश विश्वकर्मा के घर में विधिवत छापामारी किया गया। छापामारी के दौरान दिनेश विश्वकर्मा के घर की विधिवत तलाशी लेने पर घर में अवैध रूप से संचालित मिनी हथियार निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश हुआ। तलाशी के क्रम में घर से अवैध रूप से अर्द्धनिर्मित आग्नेयास्त्र, हथियार निर्माण में प्रयुक्त कल-पुर्जे, मशीनरी तथा अन्य उपकरण ब रामद किए गए है। साथ ही अवैध हथियार निर्माण में संलिप्त कुल 02 अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ एवं प्रारंभिक अनुसंधान में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त पिछले कुछ समय से अवैध रूप से हथियार निर्माण कर अपराधियों को उनकी आपूर्ति कर रहे थे। इस संबंध में पतरातु थाना में आर्म्स एक्ट दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया। इस मामले में संलिप्त अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी, हथियार एवं अन्य उपकरणों के बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज का पता लगाने एवं विधिसम्मत कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पतरातु के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। बताया गया है कि अभियुक्त दिनेश विश्वकर्मा उम्र करीब 45 वर्ष, पिता- बुद्ध विश्वकर्मा, सा0 ए0के0 कोलियरी दत्तो, थाना भुरकुंडा ओ0पी0, जिला- रामगढ़, नूतन देवी उम्र करीब 38 वर्ष, पति दिनेश विश्वकर्मा सा0 ए0के0 कोलियरी दत्तो, थाना भुरकुंडा ओ0पी0, जिला-रामगढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम के संवर्द्धन को लेकर कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शिवाजीनगर। प्रखंड अंतर्गत प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय, शिवाजीनगर के सभागार में बुधवार को प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पीबीएल कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं इसके संवर्धन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता पूर्व बीआरपी बालमुकुंद सिंह ने की। इसमें प्रखंड के सभी मध्य विद्यालयों के कक्षा छह से आठ तक के विज्ञान एवं गणित विषय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पद्धति को अधिक प्रभावी बनाना तथा विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक विकास के लिए शिक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस दौरान प्रशिक्षक संजीत कुमार शर्मा एवं मनीष कुमार ने उपस्थित शिक्षकों को प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम की अवधारणा, उद्देश्य, संचालन प्रक्रिया तथा इसके शैक्षणिक महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, तार्किक क्षमता, समस्या समाधान कौशल, टीमवर्क, संवाद कौशल एवं व्यावहारिक ज्ञान का विकास होता है। उन्होंने कहा कि इस पद्धति में छात्र केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वास्तविक जीवन से जुड़े विषयों पर कार्य करते हुए सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाते हैं कार्यशाला के दौरान जिला एवं प्रखंड स्तर पर गठित तकनीकी टीम की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। पिछले माह जिले में पीबीएल कार्यक्रम के तहत हुए कार्यों एवं उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट आधारित गतिविधियों के बेहतर संचालन, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण परियोजनाओं के चयन एवं मूल्यांकन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इसके अलावा शिक्षकों को दीक्षा पोर्टल के प्रभावी उपयोग, माइक्रो इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट की रूपरेखा तैयार करने तथा विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यशाला में विभिन्न उदाहरणों एवं गतिविधियों के माध्यम से यह बताया गया कि सीमित संसाधनों में भी विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा से कैसे जोड़ा जा सकता है

कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए तथा विद्यालयों में पीबीएल कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू करने का संकल्प लिया। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों से नियमित रूप से प्रोजेक्ट आधारित गतिविधियों का संचालन करने एवं विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

54 शिकायतों में 18 का ऑन द स्पॉट निपटारा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई/गिद्धौर। जिला प्रशासन के निर्देश पर मंगलवार को गिद्धौर प्रखंड के पूर्वी गुगुलडीह और कुंधुर पंचायत में सहयोग सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मकसद ग्रामीणों की समस्याओं को गांव में ही सुनकर त्वरित समाधान देना था। शिविर में पंचायती राज, राजस्व, विद्युत, मनरेगा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, खाद्य, जीविका समेत दर्जनों विभागों के काउंटर लगाए गए। ग्रामीण सीधे अधिकारियों के पास अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। शिविर में पूर्वी गुगुलडीह से 22 और कुंधुर से 32 कुल 54 आवेदन मिले। इनमें से 18 शिकायतों का ऑन स्पॉट निपटारा कर दिया गया। शेष 36 लंबित आवेदनों को जल्द निपटाने का

आश्वासन दिया गया। शिविर में बीडीओ सुनील कुमार ने कहा कि सरकार आमजन की शिकायतों के निष्पादन को लेकर गंभीर है। वहीं अंचल अधिकारी आरती भूषण ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं के निदान के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। आप अपनी बात रखें समय पर कार्रवाई होगी। शिविर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी लोगों को संदेश दिया। इस मौके पर डीएसपी मुख्यालय, आफताब आलम, बीडीओ ई. सुनील कुमार, अंचल अधिकारी आरती भूषण, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिव पूजन कुमार, सीडीपीओ कुमारी बिंदु, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामाधार चौधरी, पंचायती राज पदाधिकारी गौरव कुमार, बीसीओ मुकेश कुमार, प्रखंड कल्याण सह शिक्षा पदाधिकारी नीलेश कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी स्वास्थ्य नरोतम कुमार सिंह, थानाध्यक्ष राशि मालिक अवर निरीक्षक रंजित कुमार राय, जेई पीएचईडी वर्षा रानी, स्वच्छता समन्वयक प्रियंका रानी आदि मौजूद थीं, वहीं पूर्वी गुगुलडीह मुखिया प्रतिनिधि बबलू यादव, कुंधुर मुखिया रामबचन पासवान सहित जिले से प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की देखरेख में संबंधित विभाग के कर्मी एवं अधिकारी गण सहयोग सेवा शिविर में आमजनों के शिकायत एवं समस्याओं के त्वरित निष्पादन को लेकर शिविर में मौजूद थे।

सारेवाद व बाबुडीह के सहयोग शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

सहयोग शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई/सोनो। बिहार सरकार के 'सात निश्चय-3' कार्यक्रम के तहत आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी योजनाओं का लाभ घर-घर पहुंचाने के उद्देश्य से सारेवाद और बाबुडीह पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दोनों पंचायतों के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। शिविर में राशन कार्ड निर्माण, नाम जोड़ने, वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, भूमि विवाद, लगान रसीद, दाखिल खारिज तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

योजना की ई-केवाईसी से संबंधित मामलों से संबंधित आवेदन दिए गए। मौके पर शिविर में नोडल पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी पंकज कुमार ने कहा कि पंचायत स्तर पर ऐसे शिविर लगाने का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। बताया कि प्राप्त शिकायतों की निगरानी जिला एवं राज्य स्तर पर की जाएगी। विभागीय मानकों के अनुसार तीन दिनों के भीतर जांच प्रक्रिया शुरू कर अधिकतम 30 दिनों में निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी प्रशांत शाण्डिल, पंचायती राज पदाधिकारी सह बीईओ अमीत कुमार, एमओ, सीडीपीओ, बीसीओ, पूर्व प्रमुख सह मुखिया प्रतिनिधि आलमगीर अंसारी, सारेवाद मुखिया शैला देवी, पूर्व जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि गुरुदयाल यादव सहित पंचायत प्रतिनिधियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

रिटायर्ड सीआईएसएफ जवान के घर लाखों की चोरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद शहर के जेसी मल्लिक इंद्र नगर इलाके में चोरों ने एक रिटायर्ड सीआईएसएफ जवान के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर सीढ़ी के सहारे बाउंड्री पार कर दूसरी मंजिल तक पहुंचे और वहां रखे तीन लाख रुपये नकद, करीब सात लाख रुपये के सोने के जेवर और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही धनबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, रिटायर्ड सीआईएसएफ

कर्मी के घर के निचले हिस्से में बारिश के कारण पानी भर जाने से नकदी, गहनों का बक्सा और पीतल के बर्तन दूसरी मंजिल पर सुरक्षित रखे गए थे। बुधवार सुबह जब परिवार के लोग ऊपर पहुंचे तो वहां रखा सामान गायब मिला। गहनों के बक्से का ताला टूटा हुआ था और उसमें रखे तीन लाख रुपये नकद के साथ दो सोने की चेन, एक सोने का हार, चार जोड़ी झुमके, नाक का बेसर समेत अन्य कीमती आभूषण चोरी हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही धनबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि चोरों की पहचान की जा सके। इस चोरी की घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत और सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

45 लीटर शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ओबरा (औरंगाबाद) (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। ओबरा थाना क्षेत्र के लबदना स्थित सोन दियारा क्षेत्र से पुलिस ने विशेष छापेमारी के दौरान 45 लीटर देशी महुआ शराब के साथ दो तस्कर को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि लबदना सोनदियारा से 45 लीटर देशी महुआ चुलाई शराब के साथ दो व्यक्ति लबदना निवासी उगर चौधरी एवं दीपक कुमार को गिरफ्तार कर बिहार मद्य निषेध उत्पाद संशोधित अधिनियम के तहत प्राथमिकी कर न्यायालय के समक्ष पेशी हेतु भेजा जा रहा है।

2022 में शुरू हुआ था नर्सिंग कॉलेज का निर्माण कार्य, अबतक नहीं हुआ पूर्ण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सदर अस्पताल के ठीक सामने नर्सिंग कॉलेज का निर्माण कार्य चल रहा है। प्रगति इतनी धीमी है कि कब पूरा होगा कहा नहीं जा सकता। बता दें कि नर्सिंग कॉलेज का निर्माण काफी धीमी गति से चल रहा है। वहीं जब कार्य प्रारंभ हुआ था तो लोगों को लगा था कि अब यहां नर्सिंग की पढ़ाई प्रारंभ शुरू हो जाएगी परंतु अभी तक निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो सका है। लोगों को नर्सिंग की शिक्षा लेने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। वर्तमान में यहां के बच्चे दूसरे जिले में जाकर सरकारी नर्सिंग कॉलेज में पढ़ाई करते हैं। वहीं सक्षम छात्र-छात्राएं निजी कॉलेज में जाकर लाखों रुपये खर्च कर पढ़ाई करते हैं। बता दें कि अप्रैल 2022 में कॉलेज का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था। 18 माह में कार्य समाप्त करना था परंतु अबतक कार्य पूर्ण नहीं हो सका है। बता दें कॉलेज से जिले के युवाओं को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के मौके मिलने की आस थी। वहीं अधूरी तैयारियों और सुस्त कार्यप्रणाली का शिकार हो गया है। कॉलेज का निर्माण पहले शुरू हुआ था परंतु अबतक काम अपेक्षित गति से पूरा नहीं हो सका है। भवन निर्माण में देरी के कारण न केवल छात्रों को पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ रहा है बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। खासकर छात्राओं के लिए यह स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण बनी हुई है क्योंकि दूर शहरों में जाकर पढ़ाई करना हर परिवार के लिए संभव नहीं है।

घटराइन के वार्ड नं- 5 में अधूरी पड़ी नल जल योजना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड के तहत घटराईन पंचायत के वार्ड नं-पांच में नल जल योजना की स्थिति काफी बदहाल हो गई है। यहां पांच वर्षो से नल-जल योजना का कार्य अधूरा पड़ा है। पीएचइडी विभाग के अधिकारी कार्य को पूर्ण नहीं किया गया है। योजना के पूर्ण नहीं होने से ग्रामीणों में पीएचइडी विभाग के प्रति आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि पांच वर्ष पूर्व पीएचइडी विभाग द्वारा नल-जल योजना कार्य प्रारंभ हुआ था। वार्ड में नल योजना का कार्य शुरू तो हुआ परंतु पूर्ण नहीं हो सका है। विभाग के द्वारा मोटर लगाया गया है। उसके बाद टंकी नहीं लगाया गया है। पाइप भी बिछाया गया तो सिर्फ अधूरा ही बिछाया गया है। पीएचइडी विभाग के अधिकारियों द्बारा यहां केवल कार्य में खानापूर्ति की गई है। बता दें कि राज्य सरकार द्वारा सात निश्चय योजना के तहत हर घर को नल से जल पहुंचाना है परंतु अब ग्रामीणों को सरकार का यह वादा खोखला लगने लगा है। अभी तक सभी घरों में ठीक तरह से नल का जल नहीं पहुंचना चिता का विषय है। गांव में 120 से अधिक घरों की बस्ती है परंतु एक भी घर में नल का जल ग्रामीणों को नसीब नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने कई बार विभाग के अधिकारियों को इससे अवगत कराया है परंतु अबतक मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। ग्रामीण अमित सिह बताते हैं कि पीएचइडी विभाग के द्बारा यहां नल-जल योजना में केवल खानापूर्ति की गई है।

नशा मुक्ति एवं स्वच्छता के प्रति सजग रहने को विद्यालय में दिलाई गई शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड के मध्य विद्यालय जम्होर में नशा मुक्ति एवं स्वच्छता के प्रति सजग रहने को संकल्प समारोह प्रधानाध्यापक अनिल सिह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर शिक्षकों के साथ छात्रों को संकल्प दिलाया गया। प्रधानाध्यापक अनिल सिह ने कहा कि स्वच्छता से बदलाव होगा ताकि लोग स्वस्थ एवं निरोग रह सके। सरकार ने सात निश्चय योजना के तहत घर-घर शौचालय निर्माण कराया गया है ताकि लोग स्वस्थ रहे और गंदगी से बच सके। साथ ही प्रधानाध्यापक ने नशा मुक्ति अभियान के बारे विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि नशा मुक्त बनाने को दृढ़ संकल्प ले और लोगों को जागरूक करे। नशा मुक्ति अभियान मुख्य उद्देश्य नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले हानिकारक प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाए और नशा करने वाले को बुरी लत से छुटकारा पाने में मदद करे। यह अभियान लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता करके उसे नशे से दूर रहने की प्रोत्साहित करने और नशे की लत से पीड़ित लोगों को उपचार और पूर्णवाश सेवाएं प्रदान करके एक स्वस्थ और नशा मुक्त समाज बनाने का प्रयास करे। उपस्थित छात्र छात्राएं एवं शिक्षकों ने भी संकल्प लेते हुए जागरूकता करने को भरोसा दिलाया। इस मौके पर शिक्षक श्रीनिवास राम, अखिलेश यादव, सुभाष कुमार सहित मौजूद रहे।

डीसी ने गोमिया के विभिन्न मतदान केंद्रों में एसआइआर अभियान का किया निरीक्षण

गणना प्रपत्र वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा, समयबद्ध एवं त्रुटिरहित निष्पादन के दिए निर्देश

बोकारो /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने गोमिया प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत संचालित कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की तथा अभियान को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी ने मतदान केंद्र संख्या-115, 105, 104, 98, 97 एवं 5 का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने बीएलओ से घर-घर संपर्क, प्रपत्र वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मतदान केंद्र संख्या-105 की बीएलओ संगीता देवी द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए उपायुक्त ने उन्हें एवं उनके सुपरवाइजर को साल ओढ़ाकर सम्मानित किया और कहा कि ऐसे समर्पित कर्मी पूरे अभियान के लिए प्रेरणा हैं। यहां कुल 704 मतदाताओं में से 698 मतदाताओं तक गणना प्रपत्र पहुंचाया जा चुका है तथा 308 प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन भी पूरा हो चुका है। इस कार्य की गति एवं गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने शेष कार्य भी शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी अन्य मतदान केंद्रों के बीएलओ कविता देवी, पुष्पा देवी, सुनीता देवी, प्रमिला देवी सहित सभी मतदान कर्मियों से संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रपत्र वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन के प्रत्येक चरण में शत-प्रतिशत शुद्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि स्वीकार नहीं की जाएगी। अभियान की सफलता के लिए नियमित मॉनिटरिंग, टीम वर्क और समयबद्ध कार्य निष्पादन आवश्यक है। मौके पर ईआरओ सह एसी सुनील चन्द्र, डीपीआरओ मो. सफीक आलम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, एईआरओ सह सीओ मो. अफताब आलम, बीडीओ महादेव महतो, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

छात्रा पुष्पा कुमारी कर रही हैं बीएलओ का सहयोग, उपायुक्त ने दी बधाई

डीसी ने अन्य युवाओं से भी एसआइआर अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का किया आह्वान

बोकारो /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान में युवाओं की सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण सामने आया है। तेनुघाट कॉलेज की सेमेस्टर-5 की छात्रा पुष्पा कुमारी गोमिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-51 पर बोकारो ब्रांड एम्बेसडर बनकर बीएलओ का सक्रिय सहयोग कर रही हैं। उनकी सकारात्मक पहल को देखते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने उन्हें बधाई दी तथा सम्मानित करने का एईआरओ सह सीओ को निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि, पिछले दिनों डीईओ सह डीसी ने जिले के शहर एवं गांवों के शिक्षित युवाओं से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि बोकारो के जागरूक एवं शिक्षित युवा बोकारो ब्रांड एम्बेसडर बनकर अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ एवं सुपरवाइजर का सहयोग करें तथा मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म भरने में सहायता करें। डीईओ सह डीसी की इस अपील से प्रेरित होकर पुष्पा कुमारी अपनी क्षेत्र की बीएलओ को एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण तथा मतदाताओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग कर रही हैं। निरीक्षण क्रम में डीईओ सह डीसी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुष्पा कुमारी जैसी जागरूक छात्राओं की पहल अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने जिले के सभी शिक्षित युवाओं से आह्वान किया कि वे भी बोकारो ब्रांड एम्बेसडर बनकर अपने क्षेत्र के बीएलओ का सहयोग करें और एसआइआर-2026 अभियान को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दें।

संक्षिप्त समाचार

साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। प्रतिबिम्ब ऐप से मिली सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 7 जुलाई को साइबर टीम और तकनीकी शाखा ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। इस दौरान पटेलनगर से रोहित कुमार दास और अंबेडकरपुरी, चास से अर्जुन कुमार दास को दबोचा गया। पूछताछ में दोनों ने साइबर ठगी में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। आरोपियों ने बताया कि वे व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर संगठित तरीके से लोगों को बैंक अधिकारी और क्रेडिट कार्ड कर्मचारी बनकर कॉल करते थे तथा झांसे में लेकर ठगी की कोशिश करते थे। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने साइबर अपराध में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, दो बैंक पासबुक, 9,400 रुपये नकद और मोबाइल नंबरों की सूची बरामद की है। मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार ने बताया है कि इस गिरोह में कई अन्य लोग भी शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है। उन्होंने बताया, इस संबंध में साइबर अपराध थाना, बोकारो में मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जर्जर सीढ़ी की रेलिंग गिरी, ऊपरी मंजिल पर दो परिवार फंसे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-6डी स्थित शिव मंदिर के समीप आवास संख्या 2358 से 2366 तक के ब्लॉक में बुधवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ब्लॉक की ऊपरी मंजिल की सीढ़ी की रेलिंग अचानक टूटकर नीचे गिर गई। वहीं सीढ़ियों का फर्श भी पूरी तरह जर्जर हो चुका है, जिससे यहां से गुजरना बेहद खतरनाक हो गया है। घटना के बाद ऊपरी मंजिल पर रहने वाले दो परिवार अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ फंस गए हैं। डर के कारण वे नीचे उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। आवास में रहने वाले दीपक कुमार सिंह ने बताया कि करीब पांच वर्ष पहले भी इसी तरह की स्थिति उत्पन्न हुई थी। उस समय बीएसएल प्रबंधन ने मरम्मत कराई थी, लेकिन अब फिर से सीढ़ी और रेलिंग जर्जर हो गई है। उन्होंने बताया कि वह अपने कमरे में थे, तभी जोरदार आवाज सुनाई दी। बाहर निकलकर देखा तो पूरी रेलिंग टूटकर नीचे गिर चुकी थी। ऊपरी मंजिल पर फंसी आशा शर्मा ने बताया कि दो परिवार अभी भी ऊपर फंसे हुए हैं। उनके साथ छोटे-छोटे बच्चे भी हैं और जर्जर सीढ़ी के कारण नीचे उतरने में डर लग रहा है। उन्होंने कहा कि घटना के काफी देर बाद तक बीएसएल का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। स्थानीय लोगों ने इस घटना को गंभीर लापरवाही बताते हुए बीएसएल प्रबंधन से तत्काल क्षतिग्रस्त सीढ़ी और आवास की मरम्मत कराने तथा भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचने के लिए जर्जर क्वार्टरों का सर्वे कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

परियोजनाओं में तेजी लाने व त्वरित मुआवजा भुगतान के निर्देश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खालको की अध्यक्षता में आज जिला भू-अर्जन कार्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इसमें मुख्य रूप से परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन की

प्रक्रिया को गति देने और रैयतों को मुआवजा भुगतान में तेजी लाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान मुख्य रूप से पथ निर्माण विभाग एवं नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय बनाकर भू-अर्जन से जुड़ी सभी बाधाओं को जल्द से जल्द दूर करें। उन्होंने कहा कि जनहित और विकास योजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया में तेजी लाना अनिवार्य है। मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया को और सरल व पारदर्शी बनाया जाए ताकि रैयतों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें ससमय उनका हक मिल सके। बैठक के अंत में सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को सौंपे गए कार्यों को निर्धारित समय सीमा (टाइमलाइन) के भीतर निष्पादित करने का निर्देश दिया गया, ताकि जिले में चल रहे विकास कार्यों की रफ्तार को और बढ़ाया जा सके। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खालको, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथलेश प्रसाद, सहायक अभियंता पंकज कुमार, पुटकी, झरिया, टुंडी, बलियापुर अंचल कार्यालयों के अंचल निरीक्षक (सी.आई.), एनएचएआई के कनीय अभियंता एवं कार्यालय सहायक उपस्थित थे।

दूरस्थ बिरहोर टांडा तक पहुंचा लोकतंत्र का भरोसा, किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटे नहीं : जिला प्रशासन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर)-2026 अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने बुधवार को गोमिया प्रखंड की सियारी पंचायत स्थित डुमरी बिरहोर टांडा तथा तुलबुल पंचायत के पिंड्रा गांव के पीवीजीटी टोला का भ्रमण कर अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक मतदान प्रक्रिया की पहुंच सुनिश्चित हो और कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित नहीं रहे। भ्रमण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्र संख्या 49 एवं 144,145 के बीएलओ क्रमशः सुनता देवी/वृंदा देवी/दुलारी देवी, बीएलओ सुपरवाइजर एवं वोलेंटियर्स से संवाद कर गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण तथा डिजिटाइजेशन कार्य की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने सभी संबंधित कर्मियों को अभियान में और अधिक तेजी लाने, प्रत्येक घर तक पहुंचने तथा कार्य को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी ने बिरहोर समुदाय के ग्रामीणों के बीच बैठकर संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल सरकारी योजनाओं को गांव तक पहुंचाना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना भी है। डीईओ सह डीसी ने ग्रामीणों से अपील की कि वे गणना प्रपत्र समय पर सही जानकारी के साथ भरकर अपने बीएलओ को उपलब्ध कराएं तथा एसआईआर-2026 अभियान को सफल बनाने में पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि आपका एक छोटा-सा सहयोग आपके मताधिकार को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बीएलओ एवं वोलेंटियर्स से भी कहा कि वे संवेदनशीलता, धैर्य और समर्पण के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि दूरस्थ और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदाय (पीवीजीटी) का कोई भी पात्र मतदाता इस महत्वपूर्ण अभियान से छूटने नहीं पाए। जिला प्रशासन का प्रयास है कि लोकतंत्र की यह प्रक्रिया हर घर और हर व्यक्ति तक सम्मानपूर्वक पहुंचे।

एसआईआर-2026 अभियान में जहांआरा व रीता देवी बनीं बीएलओ ऑफ द डे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत जिले में चल रहे गणना प्रपत्र वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को प्रतिदिन बीएलओ ऑफ द डे के रूप में चयनित किया जा रहा है। 07 जुलाई 2026 को शाम 06:00 बजे तक की प्रगति के आधार पर 35-बरमो विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-271 की बीएलओ जहांआरा को एक ही दिन में सर्वाधिक 703 गणना प्रपत्र वितरित करने के लिए बीएलओ ऑफ द डे चुना गया। इस कार्य में उनके सुपरवाइजर प्रेम कुमार का भी उल्लेखनीय सहयोग रहा। वहीं, 35-बरमो विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-169 की बीएलओ रीता देवी को एक ही दिन में सर्वाधिक 259 गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन करने के लिए बीएलओ ऑफ द डे घोषित किया गया। इस उपलब्धि में उनकी सुपरवाइजर सोनी गुप्ता की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने दोनों बीएलओ एवं उनके सुपरवाइजर को उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे समर्पित कर्मियों की मेहनत से एसआईआर-2026 अभियान को गति मिल रही है। उन्होंने सभी बीएलओ से पूरी निष्ठा, समयबद्धता एवं त्रुटिरहित तरीके से गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा करने की अपील की।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के स्थापना दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला अंतर्गत विस्थापित कॉलेज, बालीडीह के सभागार में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गुरुगोविंद सिंह टेक्निकल कैंपस के निदेशक डॉ प्रियदर्शी जरूहार उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ सत्येंद्र कुमार शर्मा और अन्य अतिथियों के रूप में रामकृष्ण परमहंस बीएड कॉलेज दुग्धा बोकारो के सचिव शंकर स्वर्णकार एवं एआरएस बीएड कॉलेज, बोकारो के प्राचार्ज सुनील कुमार यादव उपस्थित थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता विस्थापित कॉलेज की प्राचार्य डॉ प्रिया कुमारी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ प्रिया कुमारी ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात बोकारो जिला संयोजक दयाल कुमार ईश्वर द्वारा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की प्रस्तावना के अंतर्गत विभिन्न विषयों, आयामों, प्रकल्पों, कार्य विभागों की विस्तृत जानकारी के साथ साथ न्यास की विकास यात्रा का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया गया। इसके बाद एआरएस बीएड कॉलेज के प्राचार्य सुनील कुमार यादव और दुग्धा बीएड कॉलेज के सचिव शंकर स्वर्णकार ने बारी बारी से अपने अपने विचार रखे। इसके पश्चात विशिष्ट अतिथि डॉ एसके शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। बतौर मुख्य अतिथि बोकारो इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्देशक डॉ प्रियदर्शी जरूहार ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास स्थापना की प्रासंगिकता और महत्व को रेखांकित करते हुए नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन डॉ रामनारायण सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान से हुआ । मंच संचालन जगनारायण सिंह ने किया ।कार्यक्रम में विस्थापित कॉलेज के लगभग 35 शिक्षक छात्र सभी उपस्थित थे ।

ईसीआईनेट ऐप पर मतदाताओं को मिलेंगी निर्वाचन संबंधी सभी महत्वपूर्ण सेवाएं

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित ईसीआईनेट एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य मतदाताओं को निर्वाचन संबंधी विभिन्न सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है। यह प्लेटफॉर्म मतदाताओं के लिए सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल, सुरक्षित एवं सुगम बनाता है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इसकी उपयोगिता और भी बढ़ गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे गूगल प्ले स्टोर से ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड कर उसका अधिक से अधिक उपयोग करें। ऐप के माध्यम से मतदाता यह आसानी से जांच सकते हैं कि एसआईआर-2003 की मतदाता सूची में उनका अथवा उनके परिवार के सदस्यों का नाम दर्ज है या नहीं। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मतदाता अपने माता-पिता, दादा-दादी अथवा नाना-नानी का नाम भी ईसीआईनेट ऐप में खोज सकते हैं।

21 जुलाई को कामरेड एके राय की पुण्यतिथि भव्य रूप से मनाई जाएगी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को पुराना बाजार टेम्पल रोड स्थित धनबाद कार्यालय मे कॉ.ए.के.राय स्मारक समिति की एक अतिआवश्यक बैठक समिति के अध्यक्ष कॉ.हरिप्रसाद पप्पू की अध्यक्षता मे हुई। बैठक मे कुछ महत्वपूर्ण फैसला लिया गया कि 21 जुलाई 2026 को कॉ.ए.के.राय के पुण्यतिथि जिले में विभिन्न जगहों पर भव्य रूप से मनाई जाएगी। इसके साथ धनबाद पार्टी कार्यालय मे माल्यार्पण एंव विचार गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। इसके पूर्व सरायढेला स्थित केंद्रीय अस्पताल उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया जायेगा। स्मारक समिति का विस्तार करते हुए कुछ साथियो को नये रूप से जिम्मेदारी देते हुए सर्वसम्मति से स्मारक समिति के सचिव के रूप कॉ.सम्राट चौधरी,सह सचिव कॉ.सुभाष चटर्जी, वरीय उपाध्यक्ष सत्यनारायण कुमार, उपाध्यक्ष सुवास प्रसाद सिंह, प्रशुन दास गुप्ता,संगठन सचिव विजय कुमार पासवान, राणा चटराज एंव सह कोषाध्यक्ष कल्याण चक्रवर्ती को समिति मे रखी गई। इनके अलावे राजकुमार रवानी,गुड्डू रजक, विकास साव को कार्यकारिणी सदस्य बनाई गई। सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कॉ.ए.के.राय मेमोरियल ट्रस्ट का निर्माण करते हुए टेम्पल रोड स्थित धनबाद कार्यालय को ट्रस्ट के नाम से करते हुए कॉ.ए.के.राय के नाम से संग्रहालय विकसित किया जायेगा। बैठक को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष कॉ.हरिप्रसाद पप्पू ने कहा कि मौजूदा देश एंव झारखंड कि वर्तमान मे विकट परिस्थिति मे कॉ.ए.के.राय का विचार और भी प्रासंगिक हो चुकी है।उनके चरित्र, संघर्ष एंव ईमानदारी से विशेषकर आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा लेने कि जरूरत है।उनकी समाजवादी दिशा हर प्रकार के शोषण एंव जुल्म से मुक्ति का एक मात्र रास्ता है।बैठक मे मुख्य रूप से समिति के कार्यकारी अध्यक्ष कॉ.बिंदा पासवान,आनंदमयी पाल, सुभाष चटर्जी, सम्राट चौधरी,सुवास प्रसाद सिंह, विजय कुमार पासवान, राणा चट्टराज, जयदीप बनर्जी, विश्वजीत राय, बुटन सिंह, अजय महतो,विकास साव, गुड्डू रजक, कल्याण चक्रवर्ती, अखिलेश महतो आदि उपस्थित थे।

बोकारो स्टील प्लांट ब्राउनफील्ड विस्तार से विकास के नए युग की ओर अग्रसर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) देश के अग्रणी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। पिछले पाँच दशकों से भारत सरकार के स्वामित्व वाली महारत्न कंपनी सेल का यह प्रतिष्ठित संयंत्र न केवल देश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास का एक सशक्त आधार रहा है, बल्कि राष्ट्र की सामरिक शक्ति को भी मजबूती प्रदान करता रहा है। बोकारो में निर्मित उच्च गुणवत्ता का विशेष इस्पात भारतीय अवसंरचना, ऊर्जा, रेलवे और ऑटोमोबाइल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ-साथ भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के निर्माण में भी उपयोग किया जाता है। इस प्रकार बीएसएल केवल इस्पात का उत्पादन नहीं करता, बल्कि राष्ट्र की प्रगति और सुरक्षा—दोनों को समान रूप से सुदृढ़ करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बोकारो एवं आसपास के क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार रहे इस संयंत्र के लिए अब एक और ऐतिहासिक अवसर सामने है। सेल के विजन-2030 के अंतर्गत प्रस्तावित ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना बोकारो स्टील प्लांट को नई उत्पादन क्षमता, अत्याधुनिक तकनीक और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता से सुसज्जित करते हुए विकास के एक नए अध्याय की ओर अग्रसर करेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत संयंत्र की कच्चे इस्पात उत्पादन क्षमता को वर्तमान 4.65 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 7.25 मिलियन टन प्रति वर्ष तथा हॉट मेटल उत्पादन क्षमता को 7.55 मिलियन टन प्रति वर्ष तक विकसित किया जाएगा। परियोजना की प्रत्यक्ष पूंजीगत लागत लगभग ₹15,000 करोड़ है। ब्राउनफील्ड विस्तार की विशेषता यह है कि इसे संयंत्र की उपलब्ध भूमि एवं मौजूदा आधारभूत संरचना का अधिकतम उपयोग करते हुए विकसित किया जाएगा। इससे अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता न्यूनतम रहेगी तथा संसाधनों का प्रभावी एवं संतुलित उपयोग सुनिश्चित होगा। परियोजना के अंतर्गत 4500 घनमीटर क्षमता वाली नई ब्लास्ट फर्नेस, आधुनिक स्टील मेल्ट शॉप, अत्याधुनिक थिन स्लैब कास्टिंग एवं डायरेक्ट रोलिंग (ळरउऊफ़) संयंत्र, नई एयर सेपरेशन यूनिट, उन्नत रॉ मटेरियल हैंडलिंग प्रणाली, ऊर्जा पुनर्प्राप्ति प्रणाली तथा इंडस्ट्री 4.0 आधारित डिजिटल ऑटोमेशन एवं डिजिटल ट्विन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को स्थापित किया जाएगा। इन सुविधाओं के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले फ्लैट स्टील, हाई स्ट्रेंथ स्टील तथा ऑटोमोबाइल ग्रेड इस्पात का उत्पादन संभव होगा, जिससे घरेलू एवं वैश्विक बाजारों में बोकारो स्टील प्लांट की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और सुदृढ़ होगी। पर्यावरणीय संरक्षण एवं सतत विकास इस परियोजना की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं। परियोजना के अंतर्गत कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता में कमी, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्रणाली, ऊर्जा दक्ष तकनीकों का उपयोग तथा व्यापक हरित क्षेत्र (ग्रीन बेल्ट) के विकास की परिकल्पना की गई है। यह पहल आधुनिक औद्योगिक विकास एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के संतुलित समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करेगी। इस विस्तार परियोजना से निर्माण, इंजीनियरिंग, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, उपकरण आपूर्ति, लघु एवं मध्यम उद्योगों, सेवा क्षेत्र तथा अन्य सहायक गतिविधियों में व्यापक आर्थिक अवसर सृजित होने की अपेक्षा है। परियोजना के विभिन्न चरणों के दौरान स्थानीय व्यापार, उद्यमिता तथा कौशल विकास को भी नई अपूर्व गति मिलने की तीव्र संभावना है। भारत में आधारभूत संरचना, रेलवे, रक्षा, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा एवं विनिर्माण क्षेत्रों में इस्पात की बढ़ती मांग को देखते हुए यह विस्तार परियोजना राष्ट्रीय औद्योगिक विकास, मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को भी नई मजबूती प्रदान करेगी। बोकारो स्टील प्लांट का मानना है कि किसी भी बड़े औद्योगिक निवेश की सफलता केवल तकनीकी उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि समाज के सकारात्मक सहयोग, संवाद और विश्वास पर भी आधारित होती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK